adani





आज की सोच, कल की दिशा















हर भारतीय की तरक्की,
देश का सुनहरा भविष्य

अदाणी ग्रुप में ग्रोथ का मतलब हमेशा पूरी जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ना रहा है। पोर्ट्स, एयरपोर्ट्स, एनर्जी और लॉजिस्टिक्स में ग्रुप का काम एक साफ सोच से प्रेरित है। इंफ्रास्ट्रक्चर तभी सार्थक होता है, जब वह लोगों और समुदाय के लिए नए अवसर तैयार करे।

यह यात्रा सिर्फ इंफ्रास्ट्रक्चर तक सीमित नहीं है। अदाणी ग्रुप ऐसे नए सॉल्यूशन और सिस्टम तैयार कर रहा है, जो लोगों की जिंदगी को आसान बनाने के साथ ही उनकी प्रगति को नई दिशा भी दे रहे हैं।

अदाणी ग्रुप के लिए तरक्की का मतलब सिर्फ कारोबार का विस्तार नहीं है। सफलता तब सार्थक होती है, जब बैलेंस शीट की उपलब्धियां समाज में सकारात्मक बदलाव का आधार बनें। कारोबार की प्रगति लोगों के लिए नए अवसर और बेहतर भविष्य का रास्ता खोले। असली विकास वही है जिसका असर आंकड़ों में भी दिखे और लोगों की जिंदगी में भी महसूस हो।

प्रगति की नई राह

तेजी से आगे बढ़ना हमें नई ऊंचाइयों तक तो पहुंचा सकता है, लेकिन साथ मिलकर तय किए गए सफर से हुई प्रगति ही सही मायने में सार्थक होती है। यही विश्वास हमारे संकल्प को हर दिन नई दिशा देता है।

अदाणी ग्रुप की पहचान सिर्फ उन सेक्टर्स से नहीं है, जिनमें वह काम करता है। बल्कि, लॉजिस्टिक्स, एनर्जी, रिसोर्स और एग्रीकल्चर से जुड़े सभी बिजनेस, लोगों और समुदाय के लिए नए अवसर तैयार करने के साझा उद्देश्य से जुड़े हैं। इनके माध्यम से रोजगार और स्थायी आजीविका के अवसर बढ़ाते हुए सबको साथ लेकर चलने वाले भविष्य की नींव रखी जा रही है।

अलग-अलग बिजनेस यूनिट और सेक्टर में काम करने वाले अदाणी के एम्प्लॉईज इस विजन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एक इंटीग्रेटेड ग्रुप के रूप में आगे बढ़ना विकास की दिशा में अहम है। लेकिन असली उपलब्धि उस प्रगति में है, जो कारोबार की सीमाओं से आगे जाकर देश के विकास को गति दे और सामाजिक जीवन में स्थायी, सकारात्मक प्रभाव छोड़े।

अदाणी ग्रुप का प्रयास है कि हर पहल नई संभावनाओं के रास्ते खोले, समुदाय को जोड़े, दूरियां कम करे और लोगों को अवसरों के और करीब लाए।

प्रयास से परिवर्तन तक

विजन

लोगों का जीवन संवारना, देश को आगे बढ़ाना और विश्वस्तरीय पहचान बनाना।

हमारे मूल्य

साहस
नई सोच का खुले मन से स्वागत करेंगे और हर नए अवसर की ओर पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे।

भरोसा
अपने एम्प्लॉईज और सभी साथियों पर विश्वास करेंगे।

जिम्मेदारी
अपने वादों पर अटल रहेंगे और कामकाज के हर पहलू में ऊंचे मानक बनाए रखेंगे।

बड़े कदम, बड़ा असर

अदाणी ग्रुप में सस्टेनेबिलिटी सिर्फ बिजनेस का एक हिस्सा नहीं बल्कि ग्रुप की सोच और काम करने के तरीके की बुनियाद है। योजनाएं बनाने से लेकर निवेश के फैसलों और प्रोजेक्ट के एग्जीक्यूशन तक, हर स्तर पर इसे प्राथमिकता दी जाती है।

ग्रुप का मानना है कि लंबे समय तक कायम रहने वाला विकास वही है, जो आर्थिक प्रगति के साथ पर्यावरण की सुरक्षा, समाज के हर वर्ग के लिए अवसर और मजबूत गवर्नेंस सुनिश्चित करे।

भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर और एनर्जी क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए, अदाणी ग्रुप पर्यावरण, समाज और गवर्नेंस यानी ईएसजी के हर पहलू को अपने काम का हिस्सा बनाकर आगे बढ़ रहा है। ग्रुप का ईएसजी फ्रेमवर्क भारत की राष्ट्रीय प्राथमिकता, संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) और प्रमुख वैश्विक लक्ष्यों के अनुरूप है। इसे तैयार करते समय अलग-अलग कारोबार से जुड़े महत्वपूर्ण जोखिमों और अवसरों का आकलन किया गया है।

अदाणी ग्रुप के लिए ईएसजी सिर्फ एक पॉलिसी या पहल नहीं बल्कि बिजनेस स्ट्रैटेजी, मटेरियल रिस्क असेसमेंट और निवेश संबंधी फैसलों का आधार है। ग्रुप का लक्ष्य ऐसे विकास को आगे बढ़ाना है, जो न केवल जिम्मेदार हो बल्कि भविष्य की जरूरतों के लिए तैयार भी हो।

ईएसजी के प्रमुख क्षेत्रः

पर्यावरण

- कार्बन एमिशन घटाना और पर्यावरण की रक्षा
- एनर्जी का कुशल उपयोग
- पानी की बचत और सही इस्तेमाल
- वेस्ट मैनेजमेंट
- संसाधनों का कुशल और दोबारा उपयोग
- बायोडायवर्सिटी
- प्रोडक्ट की पूरी लाइफसाइकिल की जिम्मेदारी

सामाजिक प्राथमिकताएं

- हमारे लोग, हमारी ताकत
  - प्रतिभा को अवसर
  - विविधता को सम्मान
  - स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता
  - मानव अधिकारों की रक्षा
- सस्टेनेबल सप्लाई चेन
- समुदायों से जुड़ाव
- भरोसेमंद रिश्ते

गवर्नेंस

- मजबूत, प्रभावशाली और अनुभवी बोर्ड
- नियमों का पालन
- स्पष्ट व्यावसायिक आचार संहिता
- रिस्क एंड क्राइसिस मैनेजमेंट
- ट्रांसपेरेंट डिस्क्लोजर पर जोर

ईएसजी के प्रमुख क्षेत्र

ग्रीन एनर्जी से नेट-जीरो की ओर

डीकार्बोनाइजेशन का इंटीग्रेटेड प्लेटफॉर्म

अदाणी ग्रुप अपनी योजनाओं को जमीन पर उतारते हुए लो-कार्बन इकॉनमी की ओर बढ़ रहा है। ये प्रयास केवल क्लीन एनर्जी पैदा करने तक सीमित नहीं हैं। ग्रुप ऐसा पूरा इकोसिस्टम तैयार कर रहा है, जो उन इंडस्ट्रीज में भी एमिशन घटाए, जहां इसे घटाना चुनौतीपूर्ण है।

ग्रुप ने 2030 तक 50 गीगावाट क्लीन एनर्जी कैपेसिटी विकसित करने का लक्ष्य रखा है, जो भारत के क्लीन एनर्जी मिशन को नई गति देगा। इसी दिशा में अदाणी ग्रीन एनर्जी गुजरात के खावड़ा में दुनिया का सबसे बड़ा 30 गीगावाट क्लीन एनर्जी प्रोजेक्ट विकसित कर रहा है। यह प्रोजेक्ट बड़े और मुश्किल लगने वाले एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर को सफलतापूर्वक विकसित करने की क्षमता का प्रमाण है।

अदाणी ग्रुप क्लीन एनर्जी के लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर को भी मजबूत कर रहा है। इसके तहत पावर नेटवर्क को आधुनिक बनाया जा रहा है, ज्यादा क्षमता वाली बिजली के ट्रांसमिशन की व्यवस्था तैयार की जा रही है और बड़े स्तर पर एनर्जी स्टोरेज सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। इससे इंडस्ट्रीज और शहरों को दिन-रात क्लीन पावर उपलब्ध रहेगी।

कार्बन एमिशन घटाकर नेट जीरो को बढ़ावा देना

अदाणी ग्रुप की सभी कंपनियां भारत के नेट जीरो एमिशन लक्ष्य के अनुरूप आगे बढ़ रही हैं। इसका मतलब है कि जितना कार्बन एमिशन हो, वातावरण से उतनी ही मात्रा में कार्बन हटाना, ताकि कुल एमिशन का संतुलन बना रहे और पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे।

ग्रुप की पांच कंपनियों अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड, अदाणी ग्रीन एनर्जी, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस, अंबुजा सीमेंट्स और एसीसी ने 2050 या उससे पहले नेट जीरो एमिशन हासिल करने का लक्ष्य रखा है। इसमें पोर्ट्स, सीमेंट और पावर ट्रांसमिशन जैसे ज्यादा एमिशन वाले सेक्टर भी शामिल हैं।

इन कंपनियों की योजनाएं केवल भविष्य के लक्ष्यों तक सीमित नहीं हैं। इन्हें जमीनी जरूरतों और बिजनेस ऑपरेशंस को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।



ग्रीन हाइड्रोजन

कार्बन एमिशन घटाने की सबसे कठिन चुनौतियों से निपटने के लिए अदाणी ग्रुप, ग्रीन हाइड्रोजन का एक इकोसिस्टम तैयार कर रहा है। भविष्य में ग्रुप का लक्ष्य हर साल 10 लाख टन ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन करना है। इसके लिए सोलर और विंड एनर्जी उपकरणों के साथ ग्रीन हाइड्रोजन बनाने वाले इलेक्ट्रोलाइजर का निर्माण भी किया जाएगा।

अदाणी ग्रुप ने अब अपनी योजनाओं को जमीन पर उतारना शुरू कर दिया है और इसके तहत भारत का पहला ऐसा ग्रीन हाइड्रोजन पायलट प्रोजेक्ट शुरू हुआ जो पावर ग्रिड से अलग काम करता है। इसका उपयोग अब खनन, बिजली उत्पादन और शहरों में गैस सप्लाई जैसे क्षेत्रों में हो रहा है। इसका मकसद ऐसे असरदार तरीके विकसित करना है, जिन्हें बड़े पैमाने पर अपनाया जा सके। इससे उन उद्योगों का प्रदूषण भी घटेगा, जहां पुराने तरीकों से बदलाव करना मुश्किल रहा है।

पर्यावरण के साथ संतुलन

अदाणी ग्रुप अपने हर कारोबार में पानी, कच्चे माल और दूसरे संसाधनों का पूरी जिम्मेदारी से इस्तेमाल कर रहा है। हम सिर्फ संसाधनों की खपत घटाने तक सीमित नहीं हैं बल्कि चीजों को रीयूज और रिसाइकल कर उन्हें दोबारा काम में लाने पर भी जोर देते हैं। इससे संसाधनों की बचत और पर्यावरण की सुरक्षा होती है।

पानी के मामले में भी ग्रुप वाटर पॉजिटिविटी की दिशा में आगे बढ़ रहा है। अदाणी ग्रीन एनर्जी, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस, अंबुजा सीमेंट्स और एसीसी सहित कई कंपनियां अपने इस्तेमाल से ज्यादा पानी बचाने और उसे प्रकृति में वापस पहुंचाने की दिशा में काम कर रही हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में इस्तेमाल किए गए कुल पानी का 83% वैकल्पिक स्रोतों से आया। इससे स्थानीय समुदायों के लिए उपलब्ध पानी पर दबाव घटा।

अदाणी ग्रुप में 99% से अधिक कचरे को लैंडफिल में फेंकने के बजाय रीसाइक्लिंग, रीयूज, ट्रीटमेंट, रिकवरी या अन्य वैकल्पिक तरीकों से प्रबंधित किया जाता है। कई कंपनियां सिंगल-यूज प्लास्टिक फ्री और जीरो वेस्ट का सर्टिफिकेशन भी हासिल कर चुकी हैं।

प्रकृति को मजबूत करने के लिए ग्रुप ने 2030 तक 10 करोड़ पेड़ लगाने और उन्हें विकसित करने का लक्ष्य रखा है। वित्त वर्ष 2024-25 तक 4 करोड़ से ज्यादा पेड़ लगाए जा चुके थे। यह पहल हरियाली और बायोडायवर्सिटी, वातावरण से कार्बन एमिशन कम करने और स्थानीय समुदायों को मजबूत बना रही है।

हर कदम सुरक्षित, हर अवसर समान

फ्यूचर रेडी वर्कफोर्स

अदाणी ग्रुप का प्रयास ऐसा कार्यस्थल बनाने का है, जहां हर व्यक्ति खुद को सुरक्षित और सम्मानित महसूस करे। साथ ही सभी को अपनी क्षमता दिखाने, सीखने और आगे बढ़ने के बराबर अवसर मिलें।

हमारे लिए एम्प्लॉईज की हेल्थ, सेफ्टी और खुशहाली सबसे महत्वपूर्ण है। वर्कप्लेस को और ज्यादा सुरक्षित बनाने के लिए नई टेक्नोलॉजी को अपनाने के साथ सख्त सेफ्टी स्टैंडर्ड्स लागू किए जा रहे हैं। इसकी जिम्मेदारी हमारे लीडर्स की है, जो सेफ्टी को हर स्तर पर प्राथमिकता देते हैं।

सभी बिजनेस में एक जैसे सेफ्टी स्टैंडर्ड्स, डिजिटल सिस्टम और सीनियर लीडरशिप की स्पष्ट जवाबदेही से एक मजबूत और सुरक्षित वर्क कल्चर तैयार किया जा रहा है।

विकास की मजबूत नींव

अदाणी फाउंडेशन के जरिए एजुकेशन, हेल्थ, एम्प्लॉयमेंट और क्लाइमेट चेंज जैसी चुनौतियों पर काम किया जा रहा है। इन प्रयासों का लाभ 22 राज्यों के 7,000 से ज्यादा गांवों में रहने वाले 96 लाख से अधिक लोगों तक पहुंच चुका है। अदाणी ग्रुप का मानना है कि बिजनेस और इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास तभी सार्थक है, जब उसका लाभ लोगों और पूरे समाज की प्रगति में दिखाई दे।

अदाणी ग्रुप के ईएसजी की बुनियाद स्ट्रॉन्ग गवर्नेंस है। ईएसजी की मॉनिटरिंग सभी कंपनियों में टॉप लेवल पर की जाती है। ग्रुप की हर लिस्टेड कंपनी में बोर्ड स्तर पर कॉरपोरेट रिस्पॉन्सिबिलिटी कमेटी है, जिसमें केवल इंडिपेंडेंट डायरेक्टर्स शामिल होते हैं। यह कमेटी ईएसजी की दिशा तय करने के साथ उससे जुड़े काम की निगरानी करती है।

ईएसजी से जुड़े मुद्दों को बिजनेस रिस्क मैनेजमेंट, फ्यूचर प्लानिंग और परफॉर्मेंस रिव्यू में शामिल किया जाता है। भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के खिलाफ सख्त नीतियां लागू हैं। साथ ही, शिकायतों के लिए एक पारदर्शी व्यवस्था भी है। यहां सभी संबंधित पक्ष अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं और उसके समाधान की प्रक्रिया को समझ सकते हैं।

ग्रुप की सभी कंपनियों के बोर्ड मेंबर्स को ईएसजी की ट्रेनिंग दी गई है। इससे वे ईएसजी से जुड़े मुद्दों को समझकर, सही फैसले ले पाते हैं और अपनी जिम्मेदारियां प्रभावी तरीके से निभाते हैं।

पारदर्शिता बनाए रखने के लिए हर लिस्टेड कंपनी अपनी इंटीग्रेटेड एनुअल रिपोर्ट, प्रमुख भारतीय और ग्लोबल स्टैंडर्ड्स के अनुसार प्रकाशित करती है। इसमें आईआर, जीआरआई, आईएफआरएस और सेबी-बीआरएसआर जैसे फ्रेमवर्क शामिल हैं। इससे रिपोर्टिंग में समानता बनी रहती है और लोगों के साथ ही निवेशकों को भी सही और स्पष्ट जानकारी मिलती है।

बदलाव जो जीवन संवारे

अदाणी ग्रुप पोर्टफोलियो

फ्लैगशिप कंपनी

बिजनेस एनैबलर (इनक्यूबेटर)

(74.67%)
अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड

इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड यूटिलिटी कोर पोर्टफोलियो

एनर्जी एंड यूटिलिटी

(62.43%)
अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड

(72.73%)
अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड

(37.40%)
अदाणी टोटल गैस लिमिटेड

(74.96%)
अदाणी पावर लिमिटेड

ट्रांसपोर्ट एंड लॉजिस्टिक्स

(68.02%)
अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकॉनमिक जोन लिमिटेड

प्राइमरी इंडस्ट्री

मटेरियल्स, मेटल्स एंड माइनिंग

अदाणी सीमेंट्स

(67.64%)
अंबुजा सीमेंट्स

(50.05%)
एसीसी

(72.66%)
ओरिएंट

अन्य

स्पेशियलिटी

(100%)
अदाणी न्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड

(50%)
अदाणीकोनेक्स

(100%)
अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड

(100%)
अदाणी रोड ट्रांसपोर्ट लिमिटेड

(100%)
अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस

(100%)
कॉपर, एल्युमिनियम

(100%)
माइनिंग सर्विसेज एंड कमर्शियल माइनिंग

(100%)
पीवीसी

(69.02%)
NDTV लिमिटेड

(100%)
जीसीसी

(100%)
स्पेशलिस्ट मैन्युफैक्चरिंग

शेयर बाजार में लिस्टेड वर्टिकल्स

- **अदाणी टोटल गैस लिमिटेड:** अदाणी ग्रुप और फ्रांस की कंपनी 'टोटलएनर्जीज' दोनों का बराबर 37.4% हिस्सा
- **अदाणीकोनेक्स:** अदाणी ग्रुप और अंतरराष्ट्रीय कंपनी 'एजकोनेक्स' की 50-50% हिस्सेदारी वाली कंपनी

बढ़ता कारोबार, खुलती संभावनाएं

किसी भी ऑर्गनाइजेशन की सफलता और ग्रोथ के लिए स्पीड, स्केल के साथ सस्टेनेबिलिटी भी जरूरी है। अदाणी ग्रुप अपने डाइवर्स बिजनेस और ग्लोबल रीच के जरिए ऐसे स्मार्ट सॉल्यूशंस देता है, जो इन्हीं वैल्यूज पर आधारित हैं।

भारत की विकास यात्रा में योगदान

एम्प्लॉईज
48,000+

मीडिया
कुल **50** करोड़
दर्शक और पाठक

एयरपोर्ट्स
9.5+ करोड़ यात्रियों को सेवाएं

पोर्ट्स पर कार्गो हैंडलिंग
500 एमएमटी

क्लीन एनर्जी
19+ गीगावाट
चालू क्षमता

ट्रांसमिशन
27,949 सीकेएम
का कुल नेटवर्क

सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन
1,133 एमएमएससीएम

सोलर मैन्युफैक्चरिंग
कैपेसिटी **4** गीगावाट

एमडीओ पीक कैपेसिटी
145.4 एमएमटीपीए

ईवी चार्जिंग
5,100+ चार्जिंग प्वाइंट लगाए

विंड एनर्जी
2.25 गीगावाट क्षमता

सीमेंट कैपेसिटी
109 एमएमटीपीए

थर्मल पावर
18+ गीगावाट

रियल एस्टेट
15 लाख वर्ग मीटर
जगह तैयार की

हाईवे
5,700+ लेन किमी

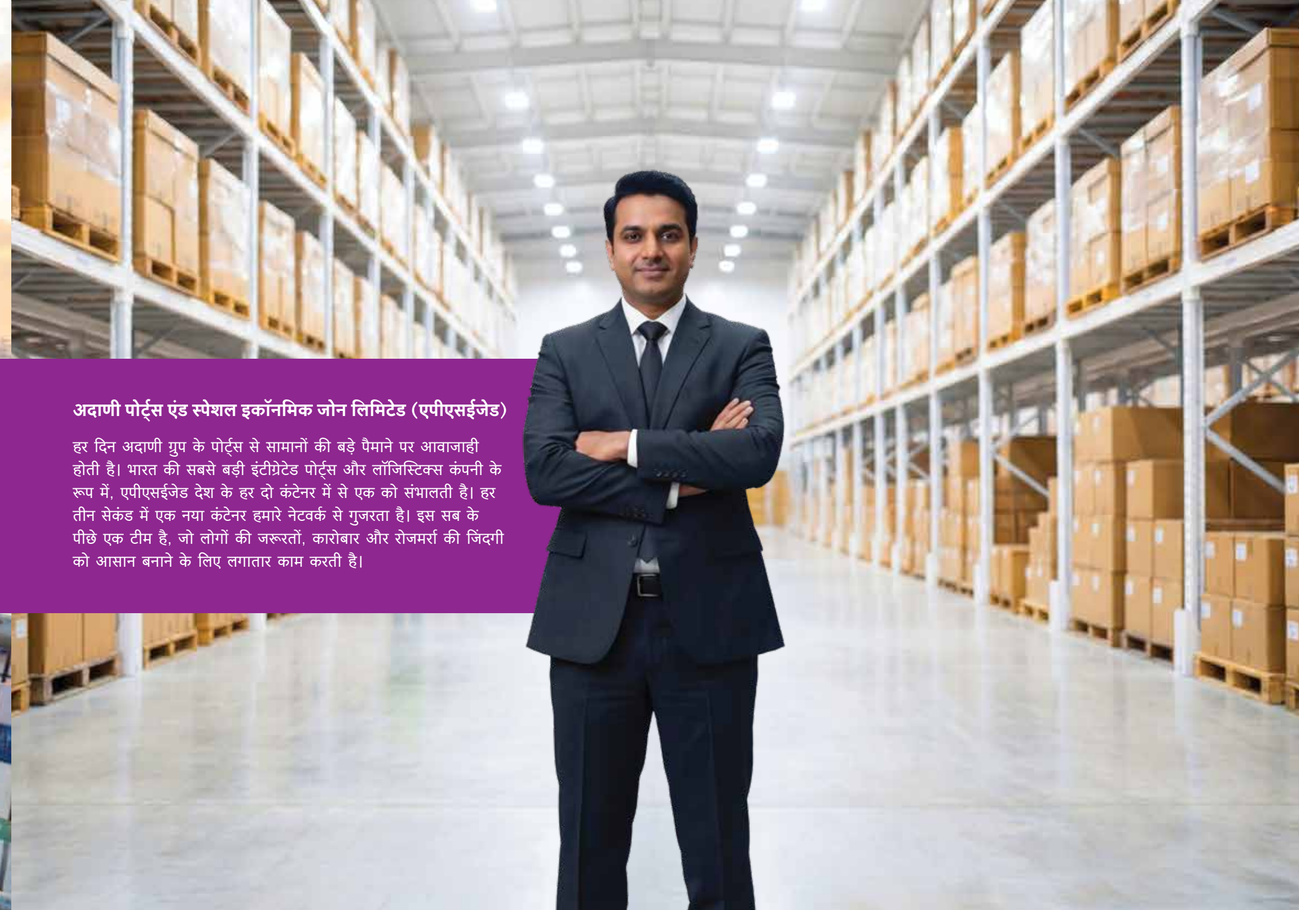
पोर्ट्स और लॉजिस्टिक्स | पावर | ट्रांसमिशन | रिन्यूएबल्स | नेचुरल रिसोर्सेज | एग्री लॉजिस्टिक्स | गैस डिस्ट्रीब्यूशन | रियल एस्टेट | डिफेंस एंड एयरोस्पेस
रोड्स, मेट्रो, रेल और वाटर | डेटा सेंटर | एयरपोर्ट्स | एग्री फ्रेश | सीमेंट | मीडिया



तट से देश के हर घर तक

अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकॉनमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड)

हर दिन अदाणी ग्रुप के पोर्ट्स से सामानों की बड़े पैमाने पर आवाजाही होती है। भारत की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड पोर्ट्स और लॉजिस्टिक्स कंपनी के रूप में, एपीएसईजेड देश के हर दो कंटेनर में से एक को संभालती है। हर तीन सेकंड में एक नया कंटेनर हमारे नेटवर्क से गुजरता है। इस सब के पीछे एक टीम है, जो लोगों की जरूरतों, कारोबार और रोजमर्रा की जिंदगी को आसान बनाने के लिए लगातार काम करती है।





अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकॉनमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड)

यह भारत की सबसे बड़ी और दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती प्राइवेट ट्रांसपोर्ट और लॉजिस्टिक्स कंपनी है।

हमारे बिजनेस

- पोर्ट्स
- लॉजिस्टिक्स
- मरीन

पोर्ट्स

एपीएसईजेड भारत की सबसे बड़ी प्राइवेट पोर्ट ऑपरेटर कंपनी है। भारत के 11,000 किलोमीटर से ज्यादा लंबे समुद्री तट पर इसके 15 पोर्ट हैं। ये पोर्ट्स पूरे साल बिना रुकावट सेवाएं देते हैं। इसके अलावा, कंपनी के चार इंटरनेशनल पोर्ट भी हैं, जो दुनिया के प्रमुख ईस्ट-वेस्ट ट्रेड रूट पर रणनीतिक रूप से स्थित हैं।

हमारे पोर्ट्स पर बल्क कार्गो, पैकेज्ड कार्गो, कंटेनर्स और लिक्विड कार्गो को आसानी से हैंडल किया जा सकता है। ईस्ट और वेस्ट कोस्ट, दोनों पर अदाणी ग्रुप की क्षमता का संतुलित विस्तार है। यह कनेक्टेड नेटवर्क कार्गो की आवाजाही को आसान बनाता है और भारत के पूरे लॉजिस्टिक्स सिस्टम को मजबूत करता है।

एपीएसईजेड की अंतरराष्ट्रीय मौजूदगी इन पोर्ट्स तक फैली है:

- कोलंबो वेस्ट इंटरनेशनल टर्मिनल, श्रीलंका
- हाइफा पोर्ट, इजराइल
- दार एस सलाम पोर्ट, तंजानिया
- नॉर्थ क्रीसलैंड एक्सपोर्ट टर्मिनल, ऑस्ट्रेलिया

अपने अंतरराष्ट्रीय विस्तार के लिए कंपनी पूर्व-पश्चिम व्यापार मार्ग पर महत्वपूर्ण स्थानों का चयन करती है। इससे दुनिया के अलग-अलग बाजारों के बीच संपर्क मजबूत होता है और लंबे समय के विकास को बढ़ावा मिलता है।

उपलब्धियां

- भारत के 11,000 किलोमीटर लंबे समुद्री तट पर 15 पोर्ट
- प्रमुख पूर्व-पश्चिम वैश्विक व्यापार मार्ग पर चार इंटरनेशनल पोर्ट





लॉजिस्टिक्स

अदाणी लॉजिस्टिक्स लिमिटेड (एएलएल) भारत की सबसे डाइवर्स और एंड-टू-एंड लॉजिस्टिक्स सर्विसेज देने वाली कंपनियों में से एक है। देश के प्रमुख बाजारों में इसकी मौजूदगी है। कंपनी रिटेल, इंडस्ट्री, कंटेनर, बल्क कार्गो, पैकेज्ड कार्गो, लिक्विड्स, व्हीकल्स और एग्रीकल्चर प्रोडक्ट्स के लिए लॉजिस्टिक्स सर्विसेज देती है। कंपनी के मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर और मल्टी-मोडल ट्रांसपोर्ट नेटवर्क के जरिए माल को पोर्ट से कस्टमर तक आसानी से पहुंचाया जाता है।

उपलब्धियां

- 12 मल्टी-मोडल लॉजिस्टिक्स पार्क
- 26 आधुनिक कृषि भंडारण केंद्र
- 31 लाख वर्ग फुट की भंडारण क्षमता
- 25,000 से ज्यादा ट्रकों का बेड़ा

समुद्री सेवाएं

अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों को दुनिया के पोर्ट्स से जोड़ना एपीएसईजेड दुनिया के सबसे बड़े टगबोट्स और मरीन सपोर्ट वेसल्स फ्लीट मालिकों और ऑपरेटर्स में शामिल है। कंपनी भारत और दूसरे देशों में भरोसेमंद मरीन सर्विसेज देती है।

उपलब्धियां

- दूसरी कंपनियों को समुद्री सेवाएं देने वाली भारत की सबसे बड़ी कंपनी
- पोर्ट्स और सी-रूट्स को गहरा करने में प्राइवेट सेक्टर की लीडिंग कंपनी
- समुद्री संचालन को सुरक्षित, सटीक और प्रभावी बनाने वाला 200 से अधिक जहाजों का बेड़ा



ऑयल एंड गैस टर्मिनल सर्विसेज

इंडियनऑयल अदाणी वेंचर्स (आईएवीएल)

इंडियनऑयल अदाणी वेंचर्स को पहले इंडियनऑयल टैंकिंग के नाम से जाना जाता था। इसका मुख्यालय मुंबई में है। यह ऑयल, गैस और केमिकल इंडस्ट्रीज के लिए स्टोरेज और लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने वाली प्रमुख कंपनियों में से एक है। टर्मिनल सर्विसेज और क्लीन एनर्जी के क्षेत्र में इसे लंबा अनुभव है। आईएवीएल के पास दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में बड़े और मुश्किल प्रोजेक्ट तैयार करने की क्षमता भी है। साथ ही, यह सुरक्षित, कुशल और पर्यावरण के अनुकूल लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस देती है।

कंपनी की शुरुआत 1996 में हुई थी। इसे अपनी पैरेंट कंपनियों - इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड और अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड के अनुभव का भी लाभ मिलता है। आईएवीएल, लिक्विड कार्गो के बड़े पैमाने पर स्टोरेज के लिए एंड-टू-एंड सॉल्यूशंस देती है। इसमें प्लानिंग और डिजाइन से लेकर कंस्ट्रक्शन, कमिशनिंग और ऑपरेशंस तक का पूरा काम शामिल है।

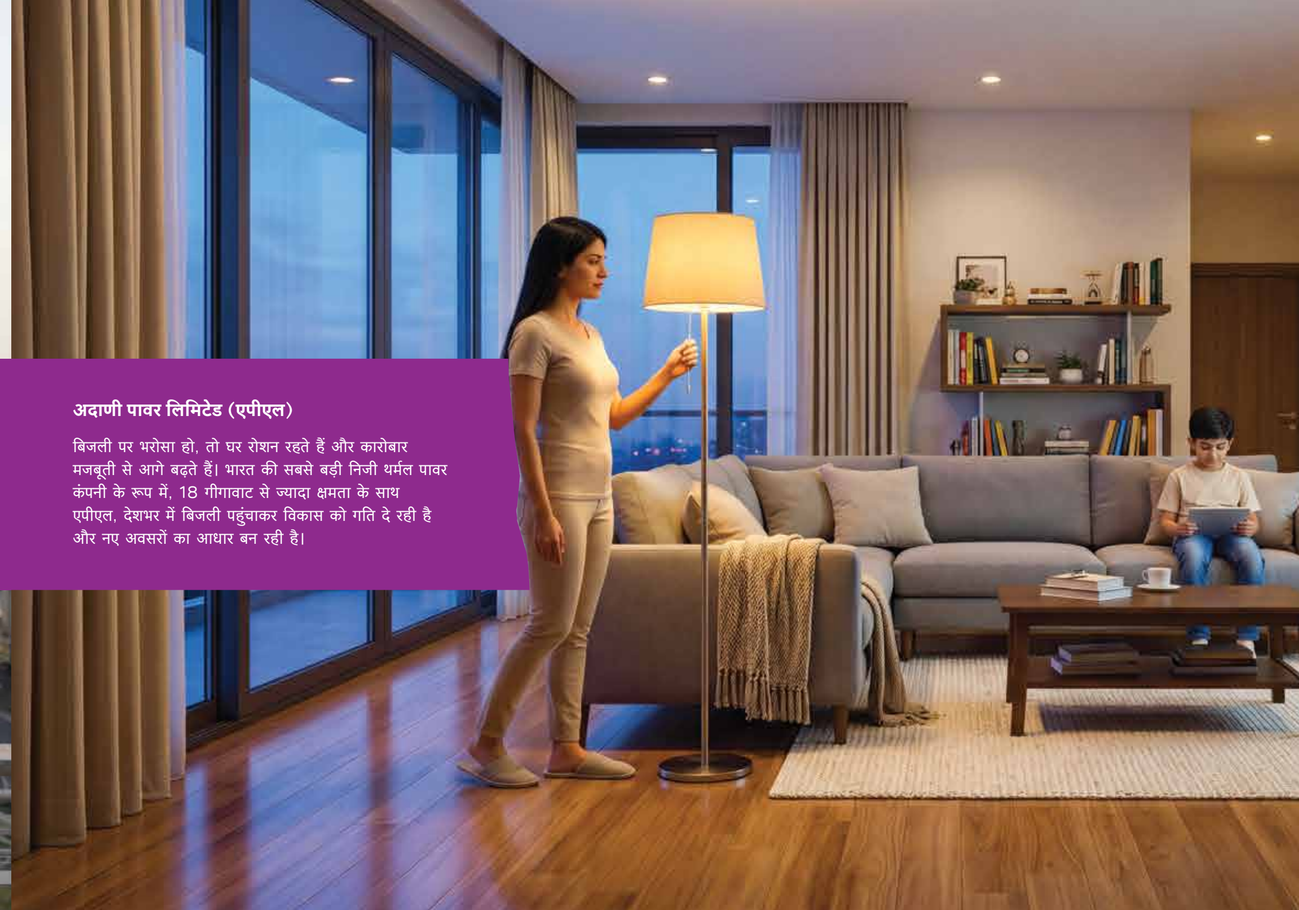
अदाणी ग्रुप का काम सिर्फ एनर्जी को स्टोर करने तक सीमित नहीं है। इसकी सुरक्षित, भरोसेमंद आवाजाही सुनिश्चित की जाती है ताकि इंडस्ट्री से जुड़े काम, विकास और रोजमर्रा की जिंदगी बिना रुकावट आगे बढ़ते रहें।



एनर्जी: भारत की रफ्तार

अदाणी पावर लिमिटेड (एपीएल)

बिजली पर भरोसा हो, तो घर रोशन रहते हैं और कारोबार मजबूती से आगे बढ़ते हैं। भारत की सबसे बड़ी निजी थर्मल पावर कंपनी के रूप में, 18 गीगावाट से ज्यादा क्षमता के साथ एपीएल, देशभर में बिजली पहुंचाकर विकास को गति दे रही है और नए अवसरों का आधार बन रही है।





अदाणी पावर लिमिटेड (एपीएल)

बिजली सिर्फ घरों को रोशन नहीं करती, यह लोगों के जीवन में नए अवसरों की रोशनी भी लाती है। हर घर, हर समुदाय और हर मुस्कान के साथ यह देश के विकास को नई दिशा और नई रफ्तार देती है।

अदाणी पावर देश की बढ़ती एनर्जी जरूरतों को पूरा करने में लीडिंग रोल निभा रही है। हमारे लिए मजबूत भविष्य बनाना केवल कारोबारी लक्ष्य हासिल करना नहीं है। बल्कि लोगों को उनकी जरूरत के समय बिजली उपलब्ध करना भी है।

अदाणी पावर के थर्मल पावर बिजनेस की क्षमता 18 गीगावाट से अधिक है। कंपनी के 13 बिजली संयंत्र इन स्थानों पर हैं: मुंद्रा (गुजरात), तिरोड़ा, बूटीबोरी और दहानू (महाराष्ट्र), कवई (राजस्थान), उडुपी (कर्नाटक), रायपुर, रायगढ़ और कोरबा (छत्तीसगढ़), मुतियारा (तमिलनाडु), महान और सिंगरौली (मध्य प्रदेश), गोड्डा (झारखंड)। अदाणी पावर लिमिटेड गुजरात के बिट्टा में 40 मेगावाट का सोलर एनर्जी प्लांट भी चलाती है।

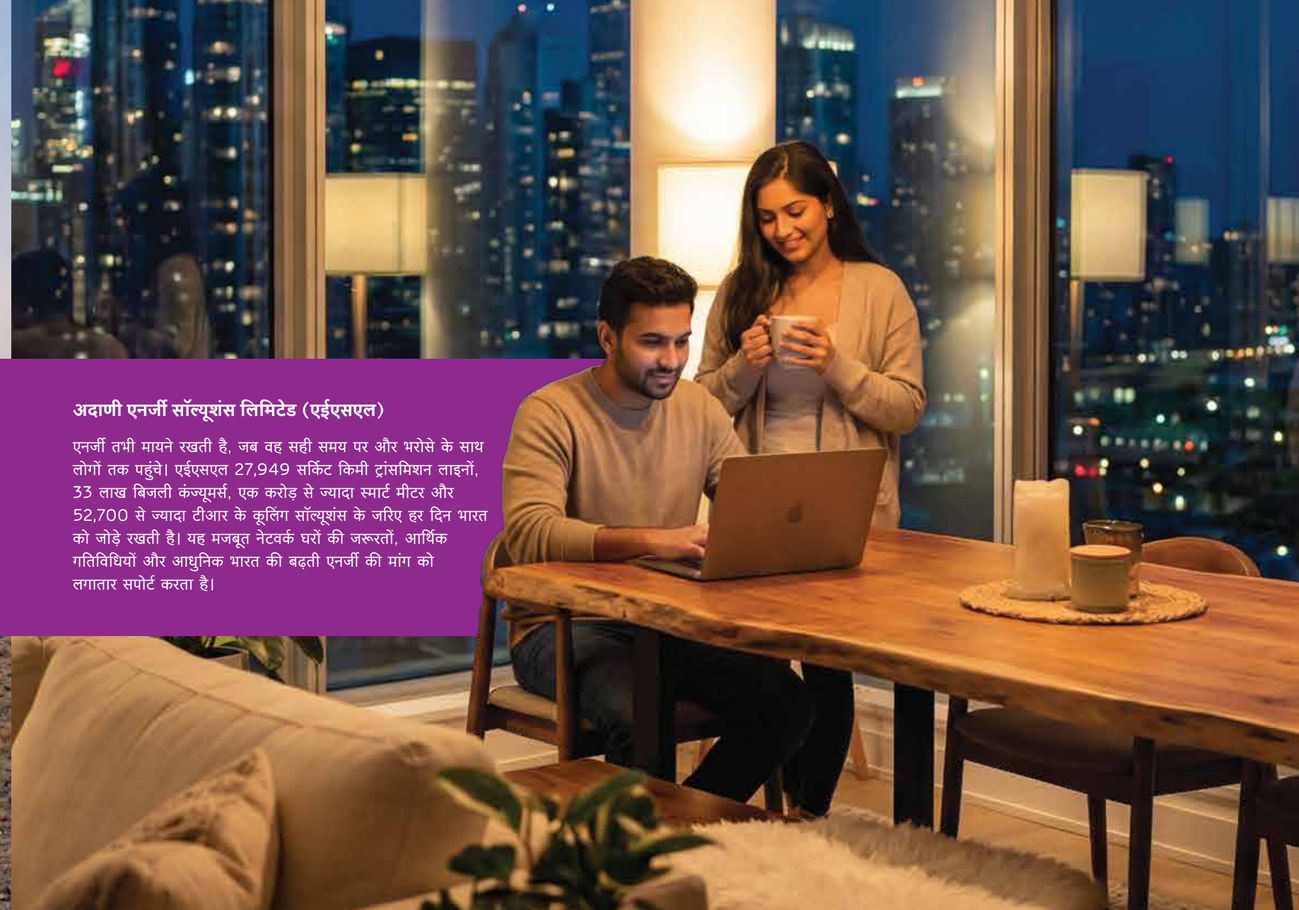
क्योटो प्रोटोकॉल के क्लीन डेवलपमेंट मैकेनिज्म (सीडीएम) के तहत दुनिया का पहला सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्रोजेक्ट रजिस्टर कराया गया। कंपनी ने एशिया का पहला अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल प्लांट भी स्थापित किया। यह प्रगति के लंबे सफर की शुरुआत भर है।



एनर्जी का नेटवर्क, बढ़ती प्रगति

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल)

एनर्जी तभी मायने रखती है, जब वह सही समय पर और भरोसे के साथ लोगों तक पहुंचे। एईएसएल 27,949 सर्किट किमी ट्रांसमिशन लाइनों, 33 लाख बिजली कंज्यूमर्स, एक करोड़ से ज्यादा स्मार्ट मीटर और 52,700 से ज्यादा टीआर के कूलिंग सॉल्यूशंस के जरिए हर दिन भारत को जोड़े रखती है। यह मजबूत नेटवर्क घरों की जरूरतों, आर्थिक गतिविधियों और आधुनिक भारत की बढ़ती एनर्जी की मांग को लगातार सपोर्ट करता है।





अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल)

एनर्जी मात्र बिजली पहुंचाने का माध्यम नहीं है। यह लोगों, कारोबारों और देश की प्रगति को जोड़ने वाली ताकत भी है। अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) ट्रांसमिशन, डिस्ट्रीब्यूशन, स्मार्ट मीटरिंग और डिस्ट्रिक्ट कूलिंग के क्षेत्र में भारत को नई ऊर्जा दे रही है। एईएसएल भारत की सबसे बड़ी निजी बिजली ट्रांसमिशन कंपनी है। अदाणी ग्रुप के पास 27,949 सर्किट किमी ट्रांसमिशन लाइन और 1,23,175 एमवीए की ट्रांसफॉर्मेशन क्षमता है। आधुनिक तकनीक में निवेश के कारण मौजूदा नेटवर्क उपलब्धता 99.7% से अधिक है, जो वैश्विक मानकों के अनुरूप है। गुजरात के खावड़ा में दुनिया के सबसे बड़े 30 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट के लिए एईएसएल 12 गीगावाट की बिजली ट्रांसमिशन व्यवस्था विकसित कर रही है। यह पहल भारत के रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर को नई दिशा दे रही है और वैश्विक स्तर पर भी देश की मजबूत पहचान बना रही है।

भरोसेमंद बिजली की आपूर्ति शहरों की रफ्तार और उद्योगों की ताकत को बनाए रखती है। बिजली वितरण के क्षेत्र में एईएसएल भारत की सबसे बड़ी निजी कंपनी है। यह मुंबई महानगर और मुंद्रा एसईजेड के औद्योगिक क्षेत्र में 33 लाख से अधिक उपभोक्ताओं को 99.99% भरोसेमंद सेवा दे रही है। कंपनी का लक्ष्य वित्त वर्ष 2027 तक मुंबई की 60% बिजली जरूरत को रिन्यूएबल एनर्जी से पूरा करना है। अभी यह हिस्सा 35% है। भारत सरकार ने मैकिंजी और पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन के आकलन के आधार पर एईएसएल को लगातार तीन बार देश की शीर्ष बिजली वितरण कंपनी का दर्जा दिया है। एईएसएल स्मार्ट मीटरिंग के क्षेत्र में भी भारत की लीडिंग इंटीग्रेटर है। कंपनी ने एक करोड़ से अधिक स्मार्ट मीटर लगाए हैं और पांच राज्यों में 2.3 करोड़ मीटर की ऑर्डर बुक है। डिस्ट्रिक्ट कूलिंग के क्षेत्र में एईएसएल मिक्स्ड-यूज रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स को कूलिंग-एज-ए-सर्विस उपलब्ध करा रही है। कंपनी 52,700 टीआर से ज्यादा क्षमता के कूलिंग प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही है।

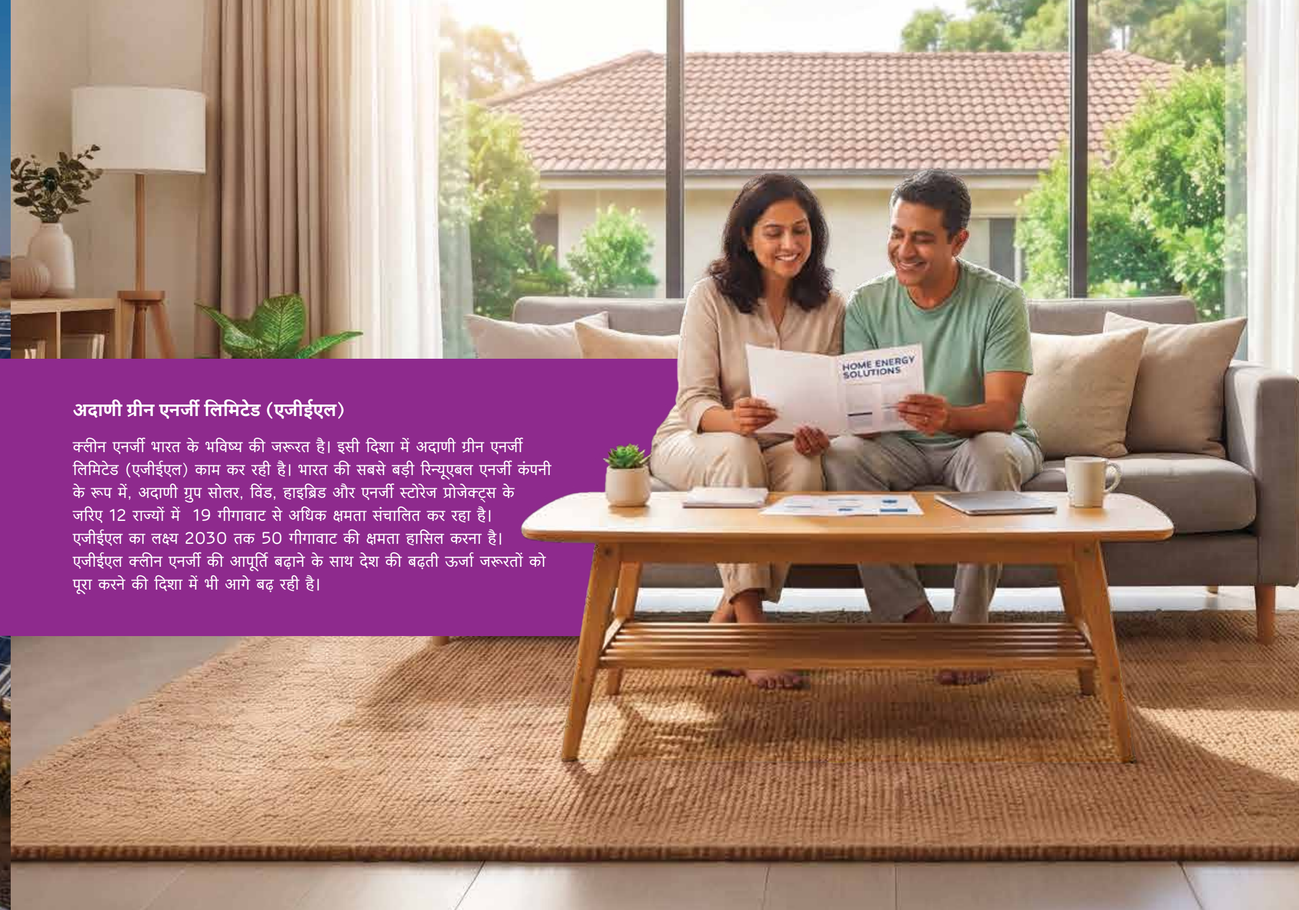
कमर्शियल और इंडस्ट्रियल क्षेत्र के बड़े बिजली उपभोक्ताओं के लिए भी कंपनी कस्टमाइज्ड एनर्जी सॉल्यूशंस देती है। इससे वे कम लागत में अपने सस्टेनेबिलिटी लक्ष्यों को हासिल कर पाते हैं। एईएसएल भारत के ऊर्जा क्षेत्र को नई दिशा देने के साथ सस्टेनेबिलिटी और भरोसेमंद सेवा के वैश्विक मानक भी स्थापित कर रही है।



ग्रीन एनर्जी: विकास की नई दिशा

अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल)

क्लीन एनर्जी भारत के भविष्य की जरूरत है। इसी दिशा में अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) काम कर रही है। भारत की सबसे बड़ी रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी के रूप में, अदाणी ग्रुप सोलर, विंड, हाइब्रिड और एनर्जी स्टोरेज प्रोजेक्ट्स के जरिए 12 राज्यों में 19 गीगावाट से अधिक क्षमता संचालित कर रहा है। एजीईएल का लक्ष्य 2030 तक 50 गीगावाट की क्षमता हासिल करना है। एजीईएल क्लीन एनर्जी की आपूर्ति बढ़ाने के साथ देश की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने की दिशा में भी आगे बढ़ रही है।





दुनिया का सबसे बड़ा रिन्यूएबल एनर्जी प्लांट

अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल)

एजीईएल का लक्ष्य साफ है - क्लीन एनर्जी को सस्ता बनाना और अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना। भारत की सबसे बड़ी और दुनिया की लीडिंग रिन्यूएबल एनर्जी कंपनियों में शामिल एजीईएल, आधुनिक तकनीक से बिजली उत्पादन की लागत यानी एलसीओई को घटा रही है। इससे बड़े स्तर पर किफायती क्लीन एनर्जी को अपनाने में मदद मिलती है। गुजरात के खावड़ा में एजीईएल दुनिया का सबसे बड़ा 30 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी प्लांट विकसित कर रही है। यह प्रोजेक्ट 538 वर्ग किमी में फैला है, जो पेरिस के आकार से करीब पांच गुना बड़ा है। यहां से 8,700 करोड़ यूनिट से अधिक क्लीन एनर्जी पैदा होगी, जिससे 1.7 करोड़ से ज्यादा घरों को बिजली मिल सकेगी।

एजीईएल के प्रोजेक्ट्स वाटर पॉजिटिव, सिंगल-यूज़ प्लास्टिक फ्री और लैंडफिल तक जीरो कचरा भेजने के लिए प्रमाणित हैं। यह सतत विकास के प्रति कंपनी की मजबूत प्रतिबद्धता दिखाता है। साथ ही बहुत बड़े रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट्स की योजना और क्रियान्वयन में एजीईएल वैश्विक मानक भी स्थापित कर रही है।

कारोबारी क्षेत्र

- सोलर एनर्जी
- विंड एनर्जी
- हाइब्रिड एनर्जी
- हाइड्रो पंप्ड स्टोरेज प्रोजेक्ट (पीएसपी)
- बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस)



सोलर प्लांट,
भड़ला (राजस्थान)



भारत की सबसे बड़ी 5.2 मेगावाट क्षमता वाली
ऑनशोर विंड टर्बाइन, खावड़ा (गुजरात)

सोलर एनर्जी

सूरज की रोशनी को क्लीन एनर्जी में बदलने की इस यात्रा ने 2016 में एक बड़ा मुकाम हासिल किया। तमिलनाडु के कमुथी में दुनिया के सबसे बड़े सोलर पावर प्लांट्स में से एक की शुरुआत हुई। इसके साथ अदाणी ग्रुप ने रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में एक नई दिशा में कदम बढ़ाया। इसके बाद से अदाणी ग्रीन एनर्जी ने अपनी क्षमता और पहुंच लगातार बढ़ाई है। आज, मौजूदा परियोजनाओं और मजबूत प्रोजेक्ट पाइपलाइन के साथ, ग्रुप बड़े पैमाने पर क्लीन एनर्जी को आगे बढ़ा रहा है। इसका लक्ष्य कार्बन एमिशन घटाने के साथ भारत के एनर्जी फ्यूचर को नई दिशा देने में योगदान करना है।

अदाणी ग्रुप की रिन्यूएबल क्षमता का बड़ा हिस्सा सोलर एनर्जी से जुड़ा है। वित्त वर्ष 2019 से ग्रुप की ऑपरेटिंग रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता की वृद्धि भारत की कुल रिन्यूएबल क्षमता वृद्धि से तेज रही है। यह क्लीन एनर्जी के प्रति ग्रुप की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

विंड एनर्जी

हवा से बनने वाली बिजली की खासियत है कि इसका उत्पादन लंबे समय तक लगातार किया जा सकता है। इसमें कैपेसिटी यूटिलाइजेशन फैक्टर (सीयूएफ) की बड़ी भूमिका होती है यानी प्लांट की क्षमता का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल। अदाणी ग्रीन एनर्जी देशभर के अलग-अलग इलाकों के आंकड़ों का लगातार अध्ययन करती है, ताकि तेज और लगातार हवा वाले क्षेत्रों की पहचान की जा सके।

इन जगहों पर हवा की रफ्तार मापने के लिए टावर लगाए गए हैं। इससे यह तय करने में मदद मिलती है कि टर्बाइन कहां लगाए जाएं, ताकि बिजली का उत्पादन बढ़ाया जा सके। सही टर्बाइन, सटीक प्लानिंग, आधुनिक तकनीक और मजबूत कनेक्टिविटी के साथ अदाणी ग्रुप अपने विंड प्रोजेक्ट से ज्यादा से ज्यादा क्लीन एनर्जी उपलब्ध कराने की दिशा में काम कर रहा है।



दुनिया का सबसे बड़ा रिन्यूएबल एनर्जी प्लांट

सोलर-विंड हाइब्रिड एनर्जी

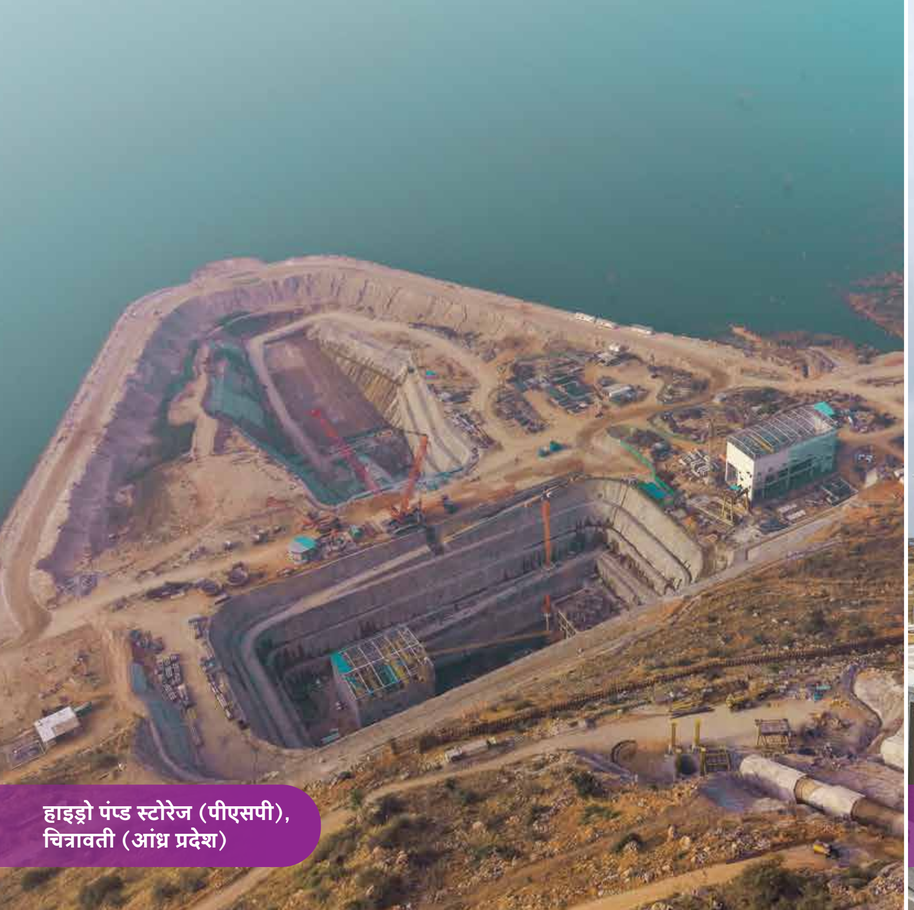
सूरज और हवा, दोनों से क्लीन एनर्जी मिलती है। लेकिन इनकी ताकत दिन और रात के साथ बदलती रहती है। दिन में सोलर पावर ज्यादा मिलती है, जबकि रात में हवा से बिजली बन सकती है। जब दोनों को साथ जोड़ा जाता है तो बिजली की सप्लाई ज्यादा स्थिर हो जाती है।

सोलर-विंड हाइब्रिड प्रोजेक्ट्स में एक ही जमीन और बिजली पहुंचाने वाली ट्रांसमिशन लाइनों का साझा उपयोग होता है। इससे लागत घटती है और प्रोजेक्ट की क्षमता का पूरा इस्तेमाल होता है। अदाणी ग्रीन एनर्जी पहले से सही जगहों की पहचान करती है और ट्रांसमिशन की योजना बनाती है। इसी वजह से कंपनी ने देश का सबसे बड़ा हाइब्रिड एनर्जी पोर्टफोलियो तैयार किया है।

राजस्थान के जैसलमेर में अदाणी ग्रीन एनर्जी ने भारत का पहला और दुनिया का सबसे बड़ा सोलर-विंड हाइब्रिड क्लस्टर शुरू किया है। अब कंपनी गुजरात के खावड़ा में दुनिया का सबसे बड़ा रिन्यूएबल एनर्जी प्लांट बना रही है। इसमें सोलर, विंड, हाइब्रिड और बैटरी स्टोरेज - चारों तरह की ऊर्जा सुविधाएं शामिल होंगी। लक्ष्य है कि 2029 तक इसकी 30 गीगावाट क्षमता चालू हो जाए।

हमारी पहचान

- रेगुलेटरी लैंडस्केप की गहरी समझ
- समय पर बड़े प्रोजेक्ट पूरा करने की कैपेसिटी
- देश के अलग-अलग हिस्सों में फैले प्रोजेक्ट
- कई सालों की धूप और हवा का पहले से आकलन
- एनर्जी सेक्टर के साझेदारों के साथ मजबूत संबंध
- प्रोजेक्ट को कुशलता से चलाने की क्षमता
- लागत पर नियंत्रण



हाइड्रो पंप्ड स्टोरेज (पीएसपी), चित्रावती (आंध्र प्रदेश)



बीईएसएस इंस्टॉलेशन, खावड़ा (गुजरात)

हाइड्रो पंप्ड स्टोरेज प्रोजेक्ट (पीएसपी)

क्लीन एनर्जी का असली फायदा तभी है, जब वह हर समय उपलब्ध रहे। इसी जरूरत को हाइड्रो पंप्ड स्टोरेज पूरा करता है। जब धूप और हवा से बिजली भरपूर बनती है, तब उस बिजली से पानी को ऊपर वाले जलाशय में पहुंचाया जाता है। बाद में, जब सोलर या विंड पावर कम हो जाती है और बिजली की मांग बढ़ती है, तो यही पानी नीचे छोड़ा जाता है। इससे टर्बाइन चलती हैं और जरूरत के समय बिजली मिलती है।

आंध्र प्रदेश के चित्रावती में अदाणी ग्रीन एनर्जी अपना पहला 500 मेगावाट हाइड्रो पंप्ड स्टोरेज प्रोजेक्ट तेजी से विकसित कर रही है। कंपनी की योजना 2030 तक अलग-अलग राज्यों में 5 गीगावाट से अधिक ऐसी क्षमता तैयार करने की है।

बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस)

क्लीन एनर्जी को संभालकर रखना और जरूरत के समय उपलब्ध कराना बैटरी स्टोरेज का काम है। अदाणी ग्रुप गुजरात के खावड़ा में 3 गीगावाट-आवर से अधिक क्षमता का बैटरी एनर्जी स्टोरेज प्रोजेक्ट विकसित कर रहा है। चीन के बाद, एक ही स्थान पर स्थापित होने वाला यह दुनिया का सबसे बड़ा बीईएसएस प्रोजेक्ट होगा। इसमें आधुनिक लिथियम-आयन बैटरी और स्मार्ट एनर्जी मैनेजमेंट सिस्टम इस्तेमाल किए जा रहे हैं। ये रिन्यूएबल बिजली को स्टोर करेंगे और मांग बढ़ने पर उसे सप्लाई करेंगे। इससे दिन-रात क्लीन एनर्जी की उपलब्धता बढ़ेगी, बिजली के नेटवर्क पर दबाव कम होगा और बेहतरीन ट्रांसमिशन व्यवस्था बनेगी।

यह पहल बिजली आपूर्ति को अधिक भरोसेमंद बनाएगी और बड़े स्तर पर रिन्यूएबल एनर्जी को ग्रिड से जोड़ेगी। अदाणी ग्रुप का लक्ष्य वित्त वर्ष 2027 तक स्टोरेज क्षमता 10 गीगावाट-पर-आवर से अधिक और अगले पांच सालों में 50 गीगावाट-पर-आवर तक पहुंचाना है। यह मजबूत और कम कार्बन वाले एनर्जी फ्यूचर की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।



क्लीन एनर्जी: संभावनाओं का नया दौर

अदाणी न्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एएनआईएल)

क्लीन एनर्जी के भविष्य के लिए मजबूत मैन्युफैक्चरिंग और बड़े पैमाने पर इनोवेशन भी जरूरी है। एएनआईएल सोलर, विंड और ग्रीन हाइड्रोजन एनर्जी पर एक साथ काम कर रही है। इन सभी को एक इंटीग्रेटेड इकोसिस्टम से जोड़कर एक मजबूत क्लीन एनर्जी प्लेटफॉर्म तैयार किया जा रहा है। इसके जरिए भारत के नेट-जीरो लक्ष्य को सपोर्ट करने के साथ-साथ मुंद्रा को ग्लोबल क्लीन टेक्नोलॉजी हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ा जा रहा है।





अदाणी न्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एएनआईएल)

ग्रीन हाइड्रोजन को कम लागत पर बनाने के लिए पूरी सप्लाई चेन का आपस में जुड़ा होना जरूरी है। वैल्यू चेन के अलग-अलग हिस्सों में अपनी क्षमता होने से लागत पर नियंत्रण रहता है। इससे ग्लोबल मार्केट में प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता भी बढ़ती है। इस इरादे के साथ कंपनी ने ग्रीन हाइड्रोजन और इसके डेरिवेटिव्स के लिए एक इंटीग्रेटेड इकोसिस्टम तैयार किया है। इससे उत्पादन को बढ़ाने और ग्रीन हाइड्रोजन के इस्तेमाल को तेजी से आगे बढ़ाना संभव होगा।

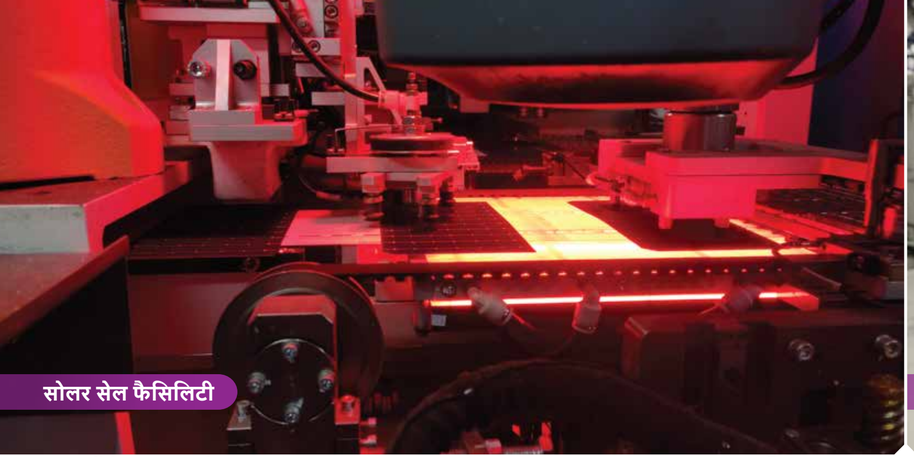
ग्रुप की सप्लाई चेन और उस पर सीधा नियंत्रण इस इकोसिस्टम को और मजबूत बनाता है। इसका लक्ष्य कम लागत पर ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन करना है, ताकि एएनआईएल देश और दुनिया के बाजारों के लिए एक भरोसेमंद और बड़े स्तर पर काम करने वाला पार्टनर बन सके। साथ ही इस प्रोडक्शन की लागत भी उचित रहे।

गुजरात के मुंद्रा में विकसित किया जा रहा ग्रीन हाइड्रोजन हब इस दिशा में बहुत बड़ा कदम है। इसकी क्षमता हर साल 21 लाख टन ग्रीन हाइड्रोजन अथवा उसके समतुल्य डेरिवेटिव्स की होगी। इससे मुंद्रा को दुनिया के प्रमुख क्लीन टेक्नोलॉजी हब के रूप में विकसित करने की दिशा में तेजी आएगी।

इस प्रोजेक्ट को बाजार की जरूरतों और रेगुलेटरी बदलावों को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ाया जा रहा है, ताकि यह लंबे समय तक उपयोगी बना रहे। इसी दिशा में कंपनी ने गुजरात के कच्छ में भारत का पहला ऑफ-ग्रिड 5 मेगावाट ग्रीन हाइड्रोजन पायलट प्लांट भी शुरू किया है। यह देश के क्लीन एनर्जी ट्रांजिशन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

एएनआईएल के इलेक्ट्रोलाइजर मैन्युफैक्चरिंग बिजनेस को एसईसीआई की प्रोडक्शन-लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम के तहत सालाना 300 मेगावाट क्षमता आवंटित की गई है। यह उपलब्धि ग्रीन हाइड्रोजन वैल्यू चेन को मजबूती देने के साथ-साथ देश में क्लीन एनर्जी से जुड़े मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम के विस्तार को भी गति देती है।





सोलर सेल फैसिलिटी



सोलर इंगॉट फैसिलिटी



सोलर पीवी मॉड्यूल फैसिलिटी



सोलर वेफर फैसिलिटी

सोलर मैन्युफैक्चरिंग

भारत को एनर्जी के मामले में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अदाणी ग्रुप लगातार काम कर रहा है। 2017 में अदाणी ग्रुप ने सोलर मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में कदम रखा। अदाणी सोलर भारत का पहला और सबसे बड़ा वर्टिकली इंटीग्रेटेड सोलर पीवी मैन्युफैक्चरर है। इसकी सेल और मॉड्यूल मैन्युफैक्चरिंग कैपेसिटी 4 गीगावाट, जबकि इंगॉट और वेफर की कैपेसिटी 2 गीगावाट है।

ग्लोबल सोलर मॉड्यूल मैन्युफैक्चरर रैंकिंग में अदाणी सोलर दुनिया के टॉप 10 मैन्युफैक्चरर्स में शामिल है। साथ ही, वुड मैकेंजी की रैंकिंग में जगह बनाने वाली यह एकमात्र भारतीय कंपनी है।

अदाणी सोलर, मोनोफेशियल और बाइफेशियल पीवी मॉड्यूल बनाती है।

इनमें टॉपकॉन और मोनोपर्क टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल होता है। ये मॉड्यूल एम10 और जी12आर फुटप्रिंट में उपलब्ध हैं। इनकी पावर क्लास 530 से 535 डब्ल्यूपी है और मॉड्यूल एफिशिएंसी 21.31% से 23.7% तक है। कंपनी की मैन्युफैक्चरिंग क्षमता आधुनिक टेक्नोलॉजी और बेहतरीन एफिशिएंसी पर आधारित है, जिससे हाई क्वालिटी वाले सोलर मॉड्यूल का प्रोडक्शन संभव हो पाता है।

क्वालिटी और परफॉर्मेंस को लेकर अदाणी सोलर को लगातार सराहा गया है। अमेरिका की इंडिपेंडेंट टेस्ट लैब 'किवा पीवीईएल' ने इसे लगातार नौ साल टॉप परफॉर्मर बताया है। अदाणी सोलर के मॉड्यूल्स को भरोसेमंद माना जाता है। कंपनी को लगातार ब्लूमबर्ग की टियर-1 मॉड्यूल मैन्युफैक्चरर्स की लिस्ट में जगह मिली है। भारत समेत दुनिया के कई बाजारों में इसके मॉड्यूल्स ने अपनी मजबूत पहचान बनाई है। अब तक कंपनी 15 गीगावाट से ज्यादा मॉड्यूल्स की सप्लाई कर चुकी है, जो इसकी मजबूत मैन्युफैक्चरिंग कैपेसिटी और व्यापक बाजार पहुंच को दर्शाता है।

अब कंपनी गुजरात के मुंद्रा में अपनी मैन्युफैक्चरिंग कैपेसिटी बढ़ा रही है। इसे 10 गीगावाट तक ले जाने की दिशा में काम एडवांस्ड स्टेज पर है। मुंद्रा में पूरी पीवी चेन को एक साथ लाने की योजना है। इसमें मेटलर्जिकल-ग्रेड सिलिकॉन, पॉलीसिलिकॉन, इंगॉट, वेफर, सेल और मॉड्यूल शामिल हैं। इसके साथ सोलर ग्लास, एन्कैप्सुलेंट्स, बैकशीट, एल्युमिनियम फ्रेम्स और ट्रैकर जैसी एन्सिलरी यूनिट्स भी होंगी। यह पूरा इंटीग्रेटेड सेटअप 800 एकड़ से ज्यादा क्षेत्र में फैले मुंद्रा इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर में होगा।

अदाणी सोलर की मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी ग्रीन बिल्डिंग में हैं। इन्हें भविष्य की टेक्नोलॉजी को ध्यान में रखकर खास तौर पर डिजाइन किया गया है। इससे भविष्य में होने वाले टेक्नोलॉजी अपग्रेड को आसानी से अपनाया जा सकेगा। कंपनी ग्लोबल क्लीन एनर्जी और क्लाइमेट एक्शन के प्रयासों को आगे बढ़ाने में लगातार सक्रिय है।



5 मेगावाट डब्ल्यूटीजी प्रोटोटाइप



ब्लेड फैसिलिटी



नैसेल एंड हब फैसिलिटी



ब्लेड फैसिलिटी में ऑटोमेशन

विंड मैन्युफैक्चरिंग

अदाणी न्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एएनआईएल) का विंड एनर्जी डिविजन, अदाणी विंड, क्लीन एनर्जी के ग्लोबल ट्रांजिशन को गति दे रहा है। इसका प्रोडक्ट पोर्टफोलियो 3x मेगावाट से 5x मेगावाट तक के प्लेटफॉर्म को कवर करता है। भारत की एनर्जी सिक्योरिटी को मजबूत करने के लिए गुजरात के मुंद्रा में एंड-टू-एंड विंड टर्बाइन जेनरेटर (डब्ल्यूटीजी) मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम तैयार किया गया है। एएनआईएल का लक्ष्य दुनिया की प्रमुख विंड ओईएम कंपनियों में शामिल होना है। इसके लिए मौजूदा 2.25 गीगावाट कैपेसिटी को बढ़ाकर 5 गीगावाट सालाना करने पर काम चल रहा है।

कारोबार को नई दिशा और रफ्तार देने में टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट बड़ी भूमिका निभाता है। जर्मनी के रोस्टॉक में अदाणी विंड का अपना टेक्नोलॉजी सेंटर है। एएनआईएल प्रमुख एकेडमिक और रिसर्च इंस्टीट्यूट्स के साथ भी कोलैबोरेशन कर रही है। इन प्रयासों से एडवांस्ड विंड टर्बाइन टेक्नोलॉजी विकसित की जा रही है।

जर्मनी की विंड 2 एनर्जी (डब्ल्यू2ई) के साथ मिलकर 5.2 मेगावाट की ऑनशोर विंड टर्बाइन विकसित की गई है। यह दुनिया की सबसे अधिक क्षमता वाली ऑनशोर विंड टर्बाइन्स में से एक है।

गुजरात के खावड़ा में इसी कैपेसिटी की एक टर्बाइन कमिशन भी की गई है। यह भारत की सबसे बड़ी ऑपरेशनल विंड टर्बाइन है और दुनिया के सबसे बड़े रिन्यूएबल एनर्जी प्लांट के तहत विकसित हो रहे प्रोजेक्ट का हिस्सा है।

बढ़ती मैन्युफैक्चरिंग कैपेसिटी के साथ एएनआईएल की ऑर्डर बुक भी मजबूत हो रही है। कंपनी को हाल ही में इंडिपेंडेंट पावर प्रोड्यूसर्स से 304 मेगावाट के ऑर्डर मिले हैं। इनमें फोर्थ पार्टनर एनर्जी, फर्स्ट एनर्जी और ओपेरा एनर्जी शामिल हैं। ये ऑर्डर 164 मीटर रोटर वाले 3.3 मेगावाट टर्बाइन मॉडल के लिए हैं।

अदाणी ग्रुप के लिए एक्सपोर्ट भी ग्रोथ का एक प्रमुख क्षेत्र बन रहा है। भारत में बनी ब्लेड्स अब यूरोप के बाजारों तक पहुंच रही हैं। इनमें ठंडे मौसम के लिए एंटी-आइसिंग टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है।

भारत के विंड मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की ग्लोबल पहचान भी बढ़ रही है। अदाणी विंड, 2025 की ब्लूमबर्ग एनईएफ ग्लोबल टॉप 15 टर्बाइन मैन्युफैक्चरर्स की लिस्ट में शामिल भारत की एकमात्र कंपनी है। अदाणी विंड के चार मॉडल मिनिस्ट्री ऑफ न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी (एमएनआरई) की अप्रूव्ड लिस्ट ऑफ मॉडल्स एंड मैन्युफैक्चरर्स (एएलएमएम) में शामिल हैं। मुंद्रा में कंपनी ने 5 मेगावाट का प्रोटोटाइप भी कमिशन किया है। इसमें 91.2 मीटर लंबा ब्लेड और 185 मीटर का रोटर डायमीटर है। ब्लेड की लंबाई लगभग एक फुटबॉल मैदान जितनी है और इसकी ऊंचाई 30 मंजिला इमारत से भी ज्यादा है।

अदाणी विंड के पास प्रमुख इंडिपेंडेंट पावर प्रोड्यूसर्स (आईपीपी) से करीब 1 गीगावाट के ऑर्डर हैं। इसमें 164 मीटर रोटर डायमीटर वाला 3.3 मेगावाट डब्ल्यूटीजी मॉडल और 185 मीटर रोटर डायमीटर वाला 5 मेगावाट डब्ल्यूटीजी मॉडल शामिल है। भारत की आरएंडडी टीम और जर्मनी के रोस्टॉक स्थित टेक्नोलॉजी सेंटर, मिलकर इस टेक्नोलॉजी को आगे बढ़ा रहे हैं। डायवर्सिफाइड प्रोडक्ट पोर्टफोलियो अलग-अलग विंड कंडीशन के लिए तैयार किया गया है और सभी प्रोडक्ट पूरी तरह सर्टिफाइड हैं। इस पूरी पहल का लक्ष्य सस्टेनेबल ग्रोथ को बढ़ावा देना है।



क्लीन एनर्जी: सुनहरे कल की चाबी

अदाणी टोटल गैस लिमिटेड (एटीजीएल)

घर की रसोई से लेकर बिजनेस और इंडस्ट्री तक, अदाणी टोटल गैस स्वच्छ ऊर्जा की पहुंच बढ़ाकर रोजमर्रा की जिंदगी को आसान बना रही है। देश के सबसे बड़े प्राइवेट सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क के जरिए कंपनी घरों और कारोबारों तक एनर्जी पहुंचाती है। आज 13.1 लाख से ज्यादा घर और 11,529 से ज्यादा कमर्शियल और इंडस्ट्रियल कस्टमर्स इसके नेटवर्क से जुड़े हैं। इस नेटवर्क के जरिए भारत की करीब 14% आबादी तक एनर्जी की सप्लाई हो रही है।





अदाणी टोटल गैस लिमिटेड (एटीजीएल)

अदाणी टोटल गैस लिमिटेड (एटीजीएल) भारत की टॉप सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों में से एक है। कंपनी पाइप्ड गैस नेटवर्क और सीएनजी स्टेशनों के जरिए देश में क्लीन एनर्जी की पहुंच बढ़ा रही है। फाइनेंशियल ईयर 2026 में एटीजीएल ने 9 नए सिटी गेट स्टेशन (सीजीएस) और 1 लिक्विफाइड-टू-कम्प्रेस्ड नेचुरल गैस (एलसीएनजी) प्लांट शुरू किया। इससे नए इलाकों तक क्लीन एनर्जी पहुंचेगी।

एटीजीएल और उसकी 50:50 जॉइंट वेंचर कंपनी इंडियन ऑयल अदाणी गैस प्राइवेट लिमिटेड (आईओजीपीएल) मिलकर 53 भौगोलिक क्षेत्र में घरों, इंडस्ट्री और कारोबारों को गैस सप्लाई कर रही हैं। यह नेटवर्क 125 जिलों और देश की करीब 14% आबादी तक फैला है।

सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन

- देशभर में 1,169 सीएनजी स्टेशन।
- 13.1 लाख से ज्यादा पीएनजी कनेक्शन। इनसे रोजाना 50 लाख से ज्यादा लोगों को फायदा मिल रहा है।
- 2025-26 में इंडस्ट्रियल और कमर्शियल पीएनजी कस्टमर की संख्या बढ़कर 11,529 हुई।
- देशभर में 29,859 इंच-किमी का स्टील और पीई पाइपलाइन नेटवर्क।

अदाणी टोटल एनर्जीज ई-मोबिलिटी लिमिटेड

- देश के 226 से ज्यादा शहरों में 5,100 से ज्यादा ईवी चार्जिंग पॉइंट लगाए गए

अदाणी टोटल एनर्जीज बायोमास लिमिटेड

- उत्तर प्रदेश के बरसाना में एग्री-वेस्ट से सीबीजी बनाने वाले प्लांट का फेज-1 शुरू, क्षमता 225 टीपीडी
- फाइनेंशियल ईयर 2026 में करीब 1,700 एमटी सीबीजी और 1,500 टन से ज्यादा फर्मेंटेड ऑर्गेनिक मैन्योर (एफओएम) बेचा गया

प्रमुख वर्टिकल

- पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी)
- सीएनजी
- ई-मोबिलिटी
- ट्रांसपोर्ट और माइनिंग के लिए एलएनजी
- कम्प्रेस्ड बायो गैस (सीबीजी)
- हरि अमृत: ऑर्गेनिक फर्टिलाइजर



भारत की तरक्की को नई रफ्तार

अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल)

भारत के कई बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर और एनर्जी बिजनेस की नींव अदाणी एंटरप्राइजेज ने रखी है। एईएल ने नए बिजनेस शुरू किए और उन्हें बड़े स्तर पर डेवलप किया। अब तक के इस सफर में एईएल ने इंफ्रास्ट्रक्चर, एनर्जी और यूटिलिटीज के छह बिजनेस तैयार किए, जो आज अपने-अपने क्षेत्रों में इंडिपेंडेंट मार्केट लीडर हैं। अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की ताकत सिर्फ नए बिजनेस शुरू करने में नहीं, बल्कि उन्हें सही दिशा देकर मजबूत कंपनियों में बदलने में है। अनुभवी लीडरशिप और लंबे अनुभव के साथ एईएल लगातार नए अवसरों को बिजनेस में बदलती रही है। इसका फायदा निवेशकों को भी मिला है। 1994 से एईएल के शेयर ने 30% से अधिक सीएजीआर दर्ज किया है। यानी कंपनी ने लंबे समय में लगातार वैल्यू क्रिएशन पर जोर दिया है। एक बिजनेस से शुरुआत कर कई बड़े बिजनेस खड़े करने तक, एईएल का सफर ऐसे बिजनेस बनाने का है जो भारत की ग्रोथ के साथ आगे बढ़ें।





अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल)

भारत की प्रगति की हर बड़ी जरूरत, अपने साथ एक नया अवसर लेकर आती है। इन्हीं अवसरों को पहचानकर उन्हें बड़े और मजबूत बिजनेस में बदलना अदाणी ग्रुप की पहचान है। ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी एईएल आज नेचुरल रिसोर्सेज से लेकर एनर्जी, डिफेंस, एयरपोर्ट्स और नई टेक्नोलॉजी तक कई क्षेत्रों में काम कर रही है।

अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की कोशिश है कि विकास का असर देश के हर हिस्से तक पहुंचे। जब जरूरी रिसोर्सेज की समय पर उपलब्धता से हर घर तक बिजली पहुंचती है, तो लोगों की बुनियादी जरूरतें पूरी होती हैं। जब किसानों को उनकी अच्छी उपज का सही मूल्य मिलता है, तो उनके परिवार का जीवन भी संवरता है।

फिलहाल एईएल अपने एग्री बिजनेस के जरिए अच्छी क्वालिटी के अनाज की स्टोरेज और सप्लाई को मजबूत बना रही है। साथ ही कुकिंग ऑयल की उपलब्धता बढ़ा रही है। इसके अलावा डिफेंस और एयरोस्पेस के क्षेत्र में एईएल भारत को अधिक आत्मनिर्भर बना रही है।

एयरपोर्ट बिजनेस के जरिए देश के प्रमुख ट्रांजिट गेटवे को वर्ल्ड-क्लास डेस्टिनेशन में बदला जा रहा है। मकसद है यात्रियों को आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ आसान, सुरक्षित और सहज एयरपोर्ट एक्सपीरियंस देना। एईएल के लिए भारत अवसरों की जमीन है। कंपनी इन अवसरों को बिजनेस में बदलते हुए उन्हें डेवलप कर रही है और देश की प्रगति में अपनी भूमिका निभा रही है। इसी तरह एईएल भारत की प्रगति में साझेदार बनते हुए नए व्यवसायों और नई संभावनाओं को साकार कर रही है।

मेन बिजनेस वर्टिकल

- इंटीग्रेटेड रिसोर्स मैनेजमेंट
- नेचुरल रिसोर्सेज
- एग्री फ्रेश
- डिफेंस एंड एयरोस्पेस
- रोड, मेट्रो, रेल एंड वाटर
- सोलर मैन्युफैक्चरिंग
- एयरपोर्ट
- डेटा सेंटर
- इलेक्ट्रोलाइजर मैन्युफैक्चरिंग
- ब्रावस माइनिंग एंड रिसोर्सेज (ऑस्ट्रेलिया)
- विंड टर्बाइन जेनरेटर मैन्युफैक्चरिंग
- हाइड्रोजन और इसके डेरिवेटिव्स





रग्बी रन सोलर फार्म

रग्बी रन सोलर फार्म अदाणी ग्रुप के रिन्यूएबल एनर्जी बिजनेस का हिस्सा है। यह क्लीन एनर्जी को बढ़ावा देने और कम उत्सर्जन वाले भविष्य की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

यह ऑस्ट्रेलिया के सेंट्रल क्वींसलैंड में मोरानबाह के पास है। यहां हर साल करीब 1,85,000 मेगावाट-आवर बिजली पैदा होती है। अक्टूबर 2019 में शुरू होने के बाद से यह ऑस्ट्रेलिया के बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले सोलर एनर्जी प्रोजेक्ट में शामिल है।

नॉर्थ क्वींसलैंड एक्सपोर्ट टर्मिनल (एनक्यूएक्सटी)

नॉर्थ क्वींसलैंड एक्सपोर्ट टर्मिनल ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख कोल एक्सपोर्ट टर्मिनल में से एक है। यह सेंट्रल क्वींसलैंड के बोवेन क्षेत्र के रिसोर्स सेक्टर को सपोर्ट करता है।

इसकी क्षमता हर साल 5 करोड़ टन कोल एक्सपोर्ट करने की है। यह बोवेन और गैलीली माइनिंग बेसिन की कोल माइन्स के लिए एक्सपोर्ट सुविधा देता है। दोनों क्षेत्र ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख रिसोर्स क्षेत्रों में आते हैं।

एनक्यूएक्सटी 1984 से पोर्ट ऑफ एबॉट पॉइंट पर अपने ऑपरेशंस संचालित कर रहा है। यह एक सुरक्षित, विश्वसनीय और एफिशिएंट तरीके से काम करने वाला टर्मिनल है। टर्मिनल के ऑपरेशंस और मेंटेनेंस की जिम्मेदारी एबॉट पॉइंट ऑपरेशंस (एपीओ) के पास है।

*एनक्यूएक्सटी और एपीओ अदाणी ग्रुप के ऑस्ट्रेलियाई बिजनेस का हिस्सा हैं। ये दोनों एनर्जी और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी सेवाएं देते हैं।



बोवेन रेल कंपनी (बीआरसी)

ब्रावस माइनिंग एंड रिसोर्सेज की कार्माइकल माइन बोवेन रेल कंपनी के नेटवर्क की पहली कस्टमर थी। क्वींसलैंड के रिसोर्स प्रोड्यूसर्स को बीआरसी अपने रेल नेटवर्क के जरिए नॉर्थ क्वींसलैंड एक्सपोर्ट टर्मिनल और वहां से वर्ल्ड मार्केट्स तक पहुंच प्रदान करती है। इससे लोकल बिजनेस को बढ़ावा मिलता है और देश की इकॉनमी को भी गति मिलती है।

कंपनी का कार्माइकल रेल नेटवर्क करीब 200 किलोमीटर लंबा है। यह गैलीली बेसिन के माइनिंग क्षेत्र को न्यूलैंड्स रेल लाइन और नॉर्थ क्वींसलैंड एक्सपोर्ट टर्मिनल से जोड़ता है। बोवेन रेल कंपनी इस पूरे रेल नेटवर्क का संचालन करती है।

इस रेल नेटवर्क को हर साल 4 करोड़ टन तक माल ले जाने के लिए तैयार किया गया है। जरूरत बढ़ी तो इसकी क्षमता को और बढ़ाया जा सकता है।

*बोवेन रेल कंपनी अदाणी ग्रुप के ऑस्ट्रेलियाई बिजनेस का हिस्सा है। ब्रावस के बैनर के तहत कंपनी एनर्जी और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी सेवाओं को एक साथ आगे बढ़ा रही है।



ब्रावस माइनिंग एंड रिसोर्सेज

ब्रावस माइनिंग एंड रिसोर्सेज ऑस्ट्रेलिया के सेंट्रल क्वींसलैंड में गैलीली बेसिन स्थित कार्माइकल माइन का संचालन करती है। यह एक ओपन-कट थर्मल कोल माइन है, जहां हर साल 1 करोड़ टन से ज्यादा कोल का प्रोडक्शन होता है। यहां बनने वाले कोल का निर्यात किया जाता है। माइन, स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देती है। इससे रोजगार के अवसर बढ़ते हैं और स्थानीय स्तर पर खरीद को भी बढ़ावा मिलता है। यहां काम करने वाले ज्यादातर लोग क्वींसलैंड और आसपास के इलाकों से आते हैं।

कार्माइकल माइन में एनवायरनमेंटल मैनेजमेंट को ऑपरेशंस का हिस्सा बनाया गया है। हवा, जमीन और पानी की सुरक्षा के लिए तय एनवायरनमेंटल प्लान के अनुसार काम किया जाता है। कंपनी लोकल कम्युनिटीज और इंडिजिनस ट्रेडिशनल ओनर्स के साथ साझेदारी के जरिए जिम्मेदार माइनिंग प्रैक्टिस को आगे बढ़ाती है। इसमें क्षेत्र के कल्चरल हेरिटेज की सुरक्षा भी शामिल है।



रोड, मेट्रो, रेल और पानी

देश के विकास में इंफ्रास्ट्रक्चर की बड़ी भूमिका है। अदाणी ग्रुप ऐसे प्रोजेक्ट्स तैयार कर रहा है, जो भारत की आर्थिक और सामाजिक प्रगति को नई गति दें। देशभर में सड़क, मेट्रो और रेल जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्रों में मजबूत मौजूदगी है।

नेशनल हाईवे, एक्सप्रेसवे, टनल, मेट्रो रेल और रेलवे प्रोजेक्ट्स के विकास का व्यापक अनुभव सबसे बड़ी ताकत है। इसी प्रोजेक्ट मैनेजमेंट अनुभव और तकनीकी क्षमता के साथ अदाणी ग्रुप भारत की कनेक्टिविटी को नई रफ्तार दे रहा है और भविष्य के इंफ्रास्ट्रक्चर की मजबूत नींव तैयार कर रहा है।

अदाणी रोड ट्रांसपोर्ट लिमिटेड के पास अभी देश के 12 राज्यों में 19 रोड प्रोजेक्ट हैं। इनकी कुल लंबाई 6,500 से ज्यादा लेन किलोमीटर है। ये प्रोजेक्ट छत्तीसगढ़, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, केरल, गुजरात, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, उत्तर प्रदेश, बिहार, तमिलनाडु और महाराष्ट्र में हैं।

इनमें 10 प्रोजेक्ट चल रहे हैं। वहीं, 9 पर काम हो रहा है। कंपनी ने हाल ही में महाराष्ट्र बॉर्डर चेक पोस्ट नेटवर्क लिमिटेड को भी अपने साथ जोड़ा है। इसके तहत महाराष्ट्र में 24 बॉर्डर चेक पोस्ट हैं।

पानी की जरूरत लगातार बढ़ रही है। ऐसे में पानी का संरक्षण और इसकी उपलब्धता सुनिश्चित करना, दोनों ही जरूरी हैं। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए पानी से जुड़े कई प्रोजेक्ट पर काम किया जा रहा है। इन प्रोजेक्ट्स के जरिए पानी बचाने के साथ-साथ लोगों तक इसकी नियमित उपलब्धता सुनिश्चित करने की कोशिश की जा रही है।

अदाणी वाटर लिमिटेड इस दिशा में काम कर रही है। कंपनी को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज और बिहार के भागलपुर में 'नमामि गंगे, वन सिटी वन ऑपरेटर' कार्यक्रम के तहत दो प्रोजेक्ट मिले हैं। इन पर काम चल रहा है। इसके अलावा, कंपनी मध्य प्रदेश में एक लिफ्ट इरिगेशन प्रोजेक्ट और राजस्थान में दो बल्क वाटर सप्लाई प्रोजेक्ट्स पर भी काम कर रही है।

कंपनी वेस्टवाटर ट्रीटमेंट, सिंचाई, नदियों को जोड़ने और बड़े पैमाने पर पानी पहुंचाने से जुड़े प्रोजेक्ट्स के अवसर तलाश रही है। साथ ही, डिसैलिनेशन प्रोजेक्ट पर भी ध्यान दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य आम लोगों और इंडस्ट्रीज के लिए पानी की उपलब्धता बढ़ाना है।



धरती की संपदा, भविष्य की ताकत

अदाणी नेचुरल रिसोर्सेज

देश की तरक्की के लिए जरूरी संसाधनों की सही और लगातार सप्लाई जरूरी है। अदाणी ग्रुप माइनिंग, रिसोर्स ट्रेडिंग और मेटल्स के क्षेत्र में काम करता है। अदाणी नेचुरल रिसोर्सेज जरूरी मिनरल पूरी जिम्मेदारी से निकालती है और उनकी सप्लाई करती है। इससे देश की जरूरतें पूरी होती हैं और भारत आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अग्रसर होता है।





माइनिंग



इंटीग्रेटेड रिसोर्स मैनेजमेंट (आईआरएम)



कच्छ कॉपर लिमिटेड



पेड़ लगाना

अदाणी नेचुरल रिसोर्सेज

देश की एनर्जी सिक्योरिटी और आत्मनिर्भरता को मजबूत करने की सोच के साथ अदाणी ग्रुप की ये यात्रा शुरू हुई। शुरुआत में ग्रुप ने इकॉनमी और इंडस्ट्री के लिए जरूरी संसाधनों की सप्लाई पर ध्यान दिया। अदाणी नेचुरल रिसोर्सेज के माध्यम से इस काम को माइनिंग, ट्रेडिंग और मेटल्स की दिशा में और आगे बढ़ाया गया है। इसके जरिए ग्रुप, देश की तरक्की में अपनी भूमिका निभा रहा है। एआई, आईओटी और रियल-टाइम डेटा जैसी नई तकनीकों के इस्तेमाल से न केवल काम को प्रभावी बनाया जा रहा है, बल्कि ऑपरेशंस की क्वालिटी बढ़ती है और पर्यावरण के लिहाज से अदाणी ग्रुप ज्यादा जिम्मेदार बनता है।

अदाणी नेचुरल रिसोर्सेज ने माइन डेवलपर और ऑपरेटर (एमडीओ) मॉडल के विस्तार में अपनी खास पहचान बनाई है। अदाणी ग्रुप ऐसी माइनिंग पर ध्यान दे रहा है, जिसमें काम के साथ पर्यावरण का भी पूरा ध्यान रखा जाए। इससे देश की एनर्जी रिक्वायरमेंट पूरी की जा सकती है। आज भारत, इंडोनेशिया और ऑस्ट्रेलिया में अदाणी ग्रुप का माइनिंग बिजनेस कोल, आयरन ओर, बीच सैंड और बॉक्साइट तक फैला है। माइनिंग को ज्यादा सुरक्षित और स्मार्ट बनाने के लिए कई तकनीकें अपनाई जा रही हैं। इनमें माइनिंग के काम में हाइड्रोजन से चलने वाले ट्रक, माइन साइट पर सोलर पावर और माइनिंग के बाद जमीन पर रिकॉर्ड संख्या में पेड़ लगाना शामिल है। साथ ही, डोजर पुश माइनिंग मेथड जैसी नई तकनीकों का भी इस्तेमाल किया जा रहा है।

अदाणी ग्रुप का इंटीग्रेटेड रिसोर्स मैनेजमेंट (आईआरएम) बिजनेस अलग-अलग इंडस्ट्रीज तक जरूरी संसाधन पहुंचाता है। इसके तहत कोल, बंकरिंग और रॉक फॉस्फेट की सप्लाई की जाती है। यहां ऐसा वर्क कल्चर बनाया गया है, जहां लोग, प्रोसेस, इंफ्रास्ट्रक्चर, नेटवर्क, टेक्नोलॉजी और डेटा मिलकर अच्छे नतीजे देते हैं। हमारे मेटल्स बिजनेस ने 0.5 एमटीपीए क्षमता का स्मेल्टिंग और रिफाइनिंग कॉम्प्लेक्स शुरू किया है। इसे आगे बढ़ाकर 1 एमटीपीए तक किया जा सकता है। इसके साथ कच्छ कॉपर लिमिटेड दुनिया के बड़े कॉपर स्मेल्टर में अपनी जगह बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

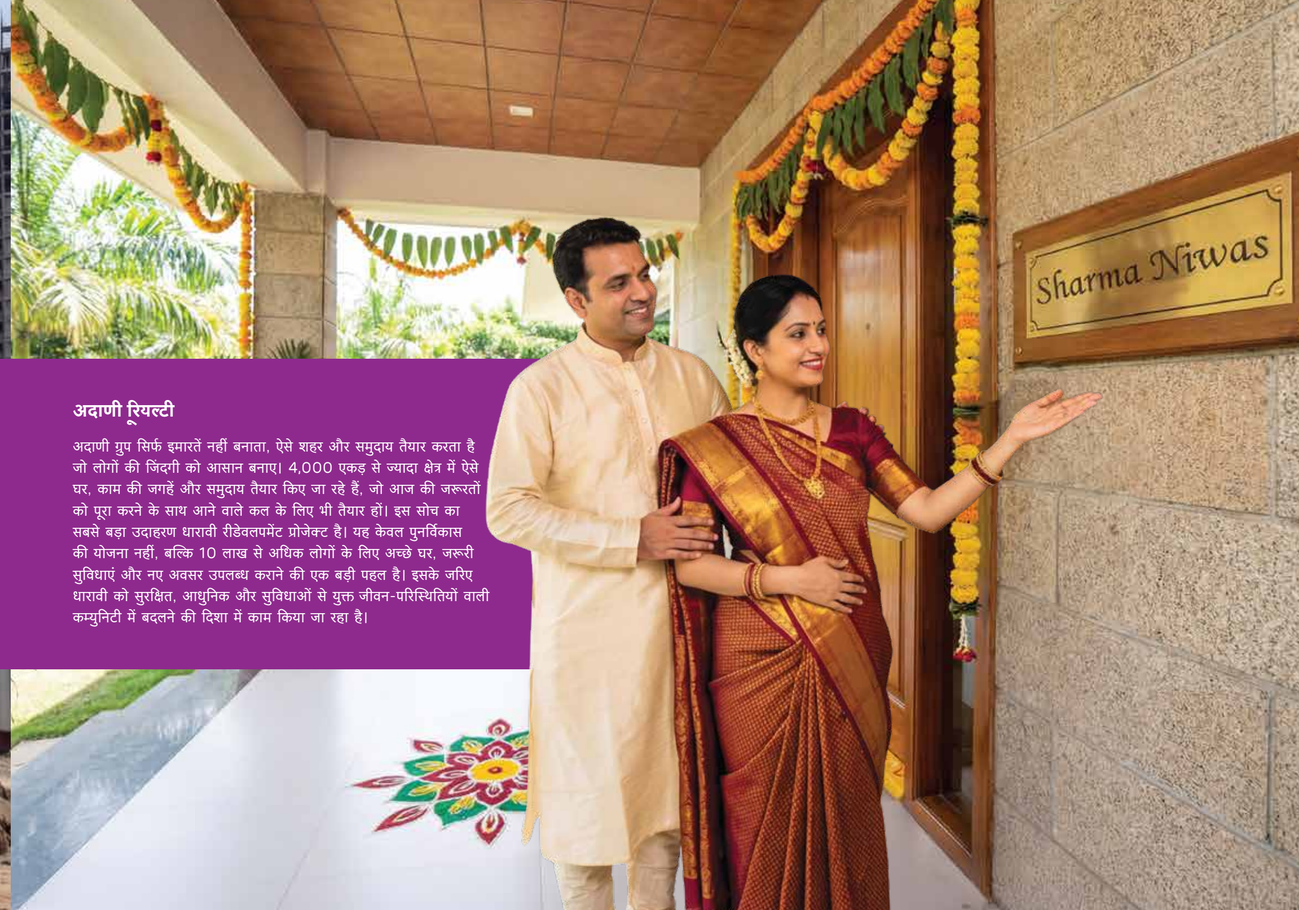
मुंद्रा स्थित इस प्लांट में कॉपर कैथोड, रॉड, ट्यूब और कीमती धातुओं से जुड़े उत्पाद बनाए जाते हैं। यहां बनने वाले उत्पाद बीआईएस और एनएबीएल के तय मानकों के अनुसार तैयार किए जाते हैं। कच्छ कॉपर लिमिटेड ईएसजी के मजबूत मानकों के साथ काम करती है। इसमें जीरो लिक्विड डिस्चार्ज और आरओ के जरिए पानी को दोबारा इस्तेमाल करना शामिल है। साथ ही रिन्यूएबल एनर्जी का इस्तेमाल भी लगातार बढ़ाया जा रहा है। यह अदाणी ग्रुप के सस्टेनेबल इंफ्रास्ट्रक्चर के लक्ष्य के अनुरूप है।



बुलंद इमारत, बेहतर अनुभव

अदाणी रियल्टी

अदाणी ग्रुप सिर्फ इमारतें नहीं बनाता, ऐसे शहर और समुदाय तैयार करता है जो लोगों की जिंदगी को आसान बनाए। 4,000 एकड़ से ज्यादा क्षेत्र में ऐसे घर, काम की जगहें और समुदाय तैयार किए जा रहे हैं, जो आज की जरूरतों को पूरा करने के साथ आने वाले कल के लिए भी तैयार हों। इस सोच का सबसे बड़ा उदाहरण धारावी रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट है। यह केवल पुनर्विकास की योजना नहीं, बल्कि 10 लाख से अधिक लोगों के लिए अच्छे घर, जरूरी सुविधाएं और नए अवसर उपलब्ध कराने की एक बड़ी पहल है। इसके जरिए धारावी को सुरक्षित, आधुनिक और सुविधाओं से युक्त जीवन-परिस्थितियों वाली कम्युनिटी में बदलने की दिशा में काम किया जा रहा है।





अदाणी रियल्टी

शहर सिर्फ इमारतों से नहीं, सोच से बनते हैं। अदाणी रियल्टी ऐसे प्रोजेक्ट विकसित कर रही है, जो आधुनिक जीवनशैली के अनुभव को नया आयाम दें। शानदार डिजाइन, नई टेक्नोलॉजी और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार सोच के साथ यहां ऐसे स्पेस तैयार किए जा रहे हैं, जो आज की जरूरतों को पूरा करने के साथ आने वाले कल की जरूरतों के लिए भी उपयुक्त हों।

अदाणी रियल्टी ने पिछले लगभग 15 सालों में 33 मिलियन स्क्वायर फीट से अधिक का काम पूरा किया है। यह एक ऐसा इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट है, जहां घर, ऑफिस, रिटेल और लाइफस्टाइल सुविधाओं का पूरा इकोसिस्टम एक ही परिसर में उपलब्ध हो। फिलहाल 144 मिलियन स्क्वायर फीट के प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। 10,000 से अधिक परिवारों का भरोसा और 50 से ज्यादा अवॉर्ड कंपनी की सफलता की पहचान हैं। इनमें हुरुन रियल एस्टेट लीडरशिप अवॉर्ड भी शामिल है।

हमारी ताकत

- **विविध पोर्टफोलियो:** रेजिडेंशियल, कमर्शियल, रिटेल, हॉस्पिटैलिटी और प्लॉटेड डेवलपमेंट में मौजूदगी
- **प्रमुख शहरों में मौजूदगी:** मुंबई, पुणे, अहमदाबाद और गुरुग्राम के साथ पनवेल, विरार और शाहद में भी विस्तार
- **टेक्नोलॉजी आधारित डेवलपमेंट:** एफिशिएंसी और पर्यावरण संरक्षण के लिए बिल्डिंग इन्फॉर्मेशन मॉडलिंग (बीआईएम), स्मार्ट डिजिटल सिस्टम और ग्रीन एनर्जी का इस्तेमाल
- **डिजिटल कस्टमर एक्सपीरियंस:** ग्राहकों और पार्टनर्स के लिए आसान और सुविधाजनक अनुभव देने वाले कस्टमर ऐप और पार्टनर ऐप
- **अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन:** धारावी और मोतीलाल नगर जैसे बड़े रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स के जरिए शहरों का विकास और कायाकल्प

ग्लोबल स्टैंडर्ड्स, स्मार्ट डिजाइन और सस्टेनेबिलिटी को साथ लेकर अदाणी रियल्टी ऐसे प्रोजेक्ट विकसित कर रही है, जो भारत के तेजी से बदलते शहरों और लोगों की बदलती जरूरतों के अनुरूप हों। यही सोच भारत के रियल एस्टेट क्षेत्र को नई दिशा देने की कोशिशों को दर्शाती है। मजबूत प्लानिंग, उत्कृष्ट कारीगरी और नई टेक्नोलॉजी के जरिए कंपनी लोगों के रहने, काम करने और आगे बढ़ने के अनुभव को नया आयाम देने वाले स्पेस तैयार करती है।



बेहतर बाजार, मजबूत किसान

अदाणी एग्री फ्रेश

ताजे फलों और सब्जियों को खेत से थाली तक सुरक्षित पहुंचाने के लिए सही तापमान और अच्छी देखभाल जरूरी है। अदाणी एग्री फ्रेश इस जरूरत को भारत के सबसे बड़े एटमॉस्फियर-कंट्रोल स्टोरेज नेटवर्क के जरिए पूरा कर रही है। इससे फलों को लंबे समय तक ताजा रखा जाता है। साथ ही नुकसान कम होता है और क्वालिटी भी बनी रहती है। इस नेटवर्क के जरिए 17,000+ किसानों को सपोर्ट किया जा रहा है। अदाणी ग्रुप का मकसद किसानों की उपज को सही तरीके से संभालना और देशभर के लोगों तक अच्छी क्वालिटी की उपज पहुंचाना है।





अदाणी एग्री फ्रेश

अदाणी ग्रुप का लक्ष्य भारत का सबसे बड़ा फ्रूट ब्रांड बनना है। लोगों तक ताजे और अच्छी क्वालिटी के फल पहुंचाने के साथ किसानों के लिए नए अवसर उपलब्ध करना सबसे बड़ी प्राथमिकता है। सही दाम, आधुनिक खेती के तरीके और नए एग्री सॉल्यूशंस के जरिए अदाणी ग्रुप किसानों की प्रगति में सहयोग करता है। इस पूरी यात्रा की नींव भरोसे, साहस और अपने काम के प्रति लगन पर टिकी है।

फ्रेश फ्रूट बिजनेस में अदाणी एग्री फ्रेश एक प्रमुख नाम है। कंपनी सेब, अंगूर और आम जैसे प्रीमियम फलों की सोर्सिंग, स्टोरेज और मार्केटिंग में नए मानक स्थापित कर रही है। साथ ही मजबूत ऑपरेशंस के जरिए एग्री सप्लाई चेन को व्यवस्थित बनाया जा रहा है।

ग्रुप का प्रयास खेत से बाजार तक फलों की ताजगी और अच्छी क्वालिटी बनाए रखने का है। इसके लिए आधुनिक कोल्ड स्टोरेज, ग्रेडिंग और पैकिंग जैसी सुविधाओं में निवेश किया गया है। इन सुविधाओं की मदद से फलों की ताजगी लंबे समय तक बनी रहती है और वे सही स्थिति में बाजार तक पहुंचते हैं।

हिमाचल प्रदेश में अदाणी ग्रुप ने सेब की खेती और स्टोरेज के पूरे सिस्टम को मजबूत करने की दिशा में खास काम किया है। साथ ही, 'फार्म पिक' ब्रांड के तहत फ्रेश फ्रूट्स के बिजनेस को आगे बढ़ाया है। ग्रुप की मजबूत सेल्स टीम इसे नई रफ्तार दे रही है।

फल और सब्जियों के क्षेत्र में आधुनिक खेती के तरीकों को बढ़ावा दिया जा रहा है और किसान पार्टनर्स के लिए नए अवसर तैयार किए जा रहे हैं। इससे किसानों की आय और क्षमताओं को बढ़ाने के साथ उनसे जुड़ी कम्युनिटीज का विकास भी होता है।

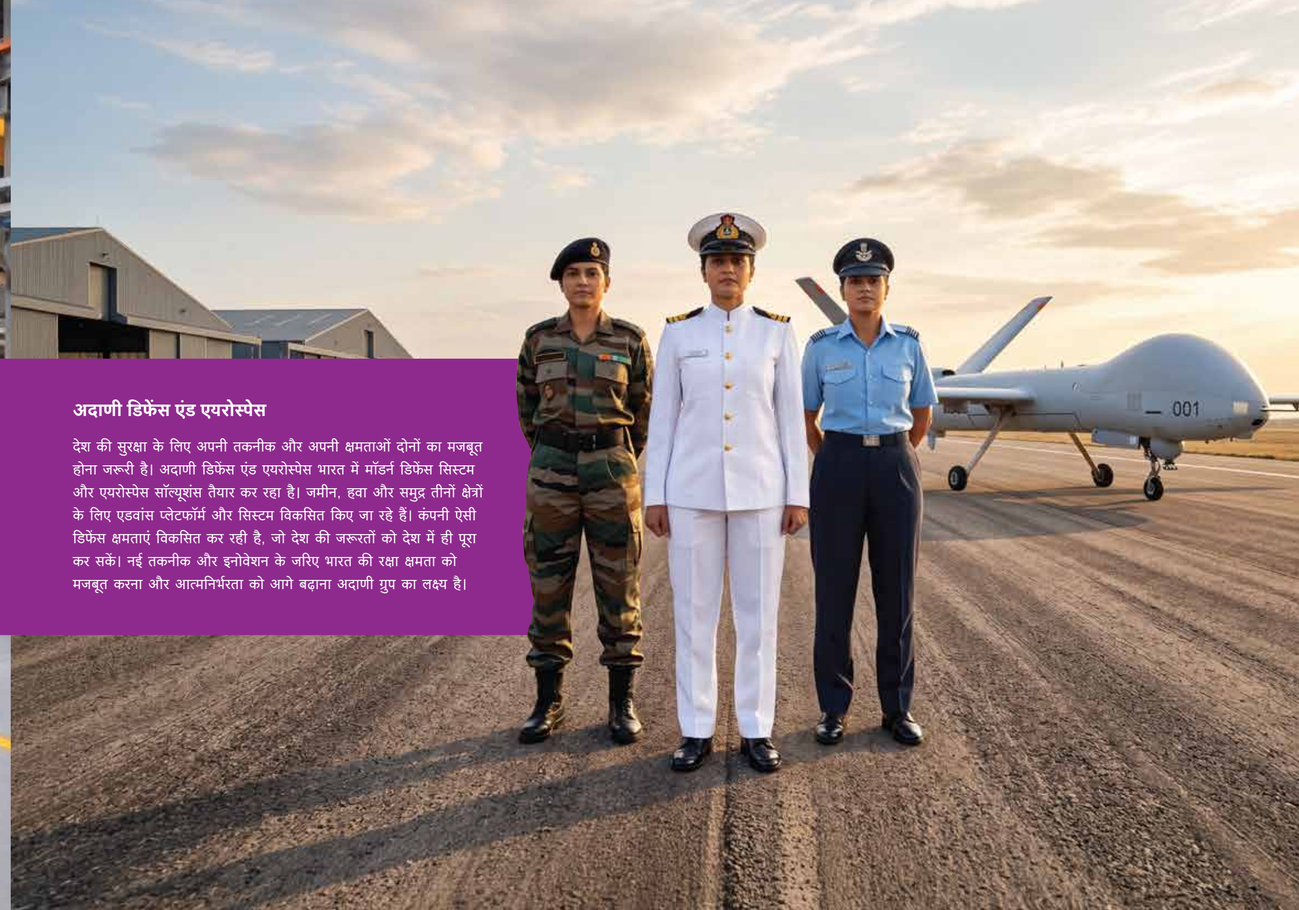
अदाणी ग्रुप की कोशिश है कि ताजे फल देश के ज्यादा से ज्यादा घरों तक पहुंचें ताकि लोग उनका स्वाद और पोषण पा सकें।



देश की सुरक्षा, स्वदेश की शक्ति

अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस

देश की सुरक्षा के लिए अपनी तकनीक और अपनी क्षमताओं दोनों का मजबूत होना जरूरी है। अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस भारत में मॉडर्न डिफेंस सिस्टम और एयरोस्पेस सॉल्यूशंस तैयार कर रहा है। जमीन, हवा और समुद्र तीनों क्षेत्रों के लिए एडवांस प्लेटफॉर्म और सिस्टम विकसित किए जा रहे हैं। कंपनी ऐसी डिफेंस क्षमताएं विकसित कर रही है, जो देश की जरूरतों को देश में ही पूरा कर सकें। नई तकनीक और इनोवेशन के जरिए भारत की रक्षा क्षमता को मजबूत करना और आत्मनिर्भरता को आगे बढ़ाना अदाणी ग्रुप का लक्ष्य है।





म्यूनिशन सिस्टम्स



एयरोस्पेस एंड एयरक्राफ्ट सर्विसेज



सर्विलांस एंड रिकॉनिसेंस सिस्टम्स



गन सिस्टम्स

अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस

भारत की सुरक्षा के लिए भारत में ही डिफेंस क्षमता तैयार करना कंपनी का लक्ष्य है। अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस जमीन, हवा और समुद्र तीनों के लिए आधुनिक डिफेंस सिस्टम और टेक्नोलॉजी तैयार कर रहा है।

अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस भारत की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड प्राइवेट डिफेंस और एयरोस्पेस कंपनी है। कंपनी किसी सिस्टम के सिर्फ एक हिस्से पर काम नहीं करती, डिजाइन से लेकर डेवलपमेंट, मैन्युफैक्चरिंग और लंबे समय तक सपोर्ट तक की पूरी प्रक्रिया में हिस्सेदार है।

एयरबोर्न सर्विलांस, अनमैन्ड सिस्टम्स, लॉइटरिंग म्यूनिशंस, काउंटर-ड्रोन सिस्टम्स, स्मॉल आर्म्स और एम्युनिशन, ग्रिसीज़न-गाइडेड मिसाइल्स के साथ एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग और एयरक्राफ्ट सर्विसेज जैसे क्षेत्रों में अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने अपनी क्षमताओं को लगातार विस्तार दिया है।

किसी डिफेंस सिस्टम की असली ताकत उसके इस्तेमाल के बाद भी बनी रहनी चाहिए। इसी वजह से कंपनी एमआरओ, लाइफ-साइकिल सपोर्ट और एविएशन ट्रेनिंग जैसी सुविधाएं भी देती है। इससे हमारे सिस्टम लंबे समय तक ऑपरेशनल और भरोसेमंद बने रहते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पूरी दुनिया ने भारत की डिफेंस क्षमताओं को देखा है। इस ऑपरेशन में अदाणी डिफेंस द्वारा भारत में तैयार किए गए सिस्टम भारतीय सशस्त्र बलों के साथ फ्रंटलाइन पर इस्तेमाल हुए। यह भारत की प्राइवेट डिफेंस इंडस्ट्री के लिए एक नया पड़ाव था। इसने भारत में अपनी डिफेंस क्षमताएं विकसित करने की उस सोच को भी आगे बढ़ाया, जिसके साथ अदाणी डिफेंस ने अपनी यात्रा शुरू की थी।

भारत की डिफेंस क्षमता को और मजबूत करने के लिए अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ग्लोबल डिफेंस कंपनियों, स्टार्ट-अप्स और एमएसएमईज के साथ साझेदारी कर रही है। अदाणी ग्रुप का लक्ष्य देश में एक ऐसा मजबूत डिफेंस इंडस्ट्री नेटवर्क बनाना है, जो आने वाले दशकों में भारतीय सशस्त्र बलों की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम हो।

आत्मनिर्भर भारत के विजन के साथ कंपनी ऐसी डिफेंस क्षमताएं विकसित कर रही है, जो लंबे समय तक देश की सुरक्षा जरूरतों को पूरा करें। नई तकनीक, पूरी तैयारी और जरूरी स्किल्स के जरिए डिफेंस सेक्टर में भारत की क्षमता बढ़ाने और नए अवसर तैयार करने पर काम किया जा रहा है।



आपके सफर के हमसफर

अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल)

एयरपोर्ट सिर्फ मंजिल तक पहुंचने का जरिया नहीं हैं। वे शहरों, कारोबार और लोगों के बीच नए रास्ते खोलते हैं। हर साल 9.5+ करोड़ यात्रियों की आवाजाही को आसान बनाते हुए एएएचएल 8 एयरपोर्ट संचालित करती है। अदाणी ग्रुप भारत के एविएशन सेक्टर को नई दिशा देने के लिए काम कर रहा है।



अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल)

2019 में शुरू हुई एएएचएल आज भारत में पीपीपी मॉडल पर एयरपोर्ट संचालित करने वाली सबसे बड़ी कंपनी है। कंपनी आधुनिक सुविधाओं, नई तकनीक और सेवाओं के जरिए यात्रियों के सफर को ज्यादा सुगम और सुविधाजनक बना रही है। एएएचएल ऐसे एयरपोर्ट्स तैयार कर रही है, जहां आधुनिक सुविधाओं और यात्रियों की जरूरतों का ध्यान पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना रखा जाता है।

2019 में एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया की ग्लोबल टेंडर प्रक्रिया के जरिए एएएचएल को छह एयरपोर्ट्स के आधुनिकीकरण और ऑपरेशंस की जिम्मेदारी मिली। इनमें अहमदाबाद, लखनऊ, मंगलुरु, जयपुर, गुवाहाटी और तिरुवनंतपुरम शामिल हैं।

इसके बाद हमारे एयरपोर्ट नेटवर्क का और विस्तार हुआ। कंपनी की मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड में 74% हिस्सेदारी है। साथ ही मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड की नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड में भी 74% हिस्सेदारी है। इस तरह आठ एयरपोर्ट्स आज हमारे ऑपरेशंस और डेवलपमेंट पोर्टफोलियो का हिस्सा हैं।

नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने 25 दिसंबर 2025 को कमर्शियल ऑपरेशन शुरू किया। यहां घरेलू उड़ानों का नेटवर्क तेजी से बढ़ रहा है। इसे आगे एक बड़े इंटरनेशनल हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन के इस बड़े प्रोजेक्ट से आने वाले वर्षों में कारोबार और रोजगार को भी नई गति मिलने की उम्मीद है।

देश में हर चार हवाई यात्रियों में से एक अदाणी एयरपोर्ट्स से होकर यात्रा करता है। साथ ही अदाणी ग्रुप देश के करीब एक-तिहाई एयर कार्गो को संभालता है। यह नेटवर्क देशभर में लोगों, कारोबार और अवसरों को जोड़ने में विशेष भूमिका निभा रहा है।

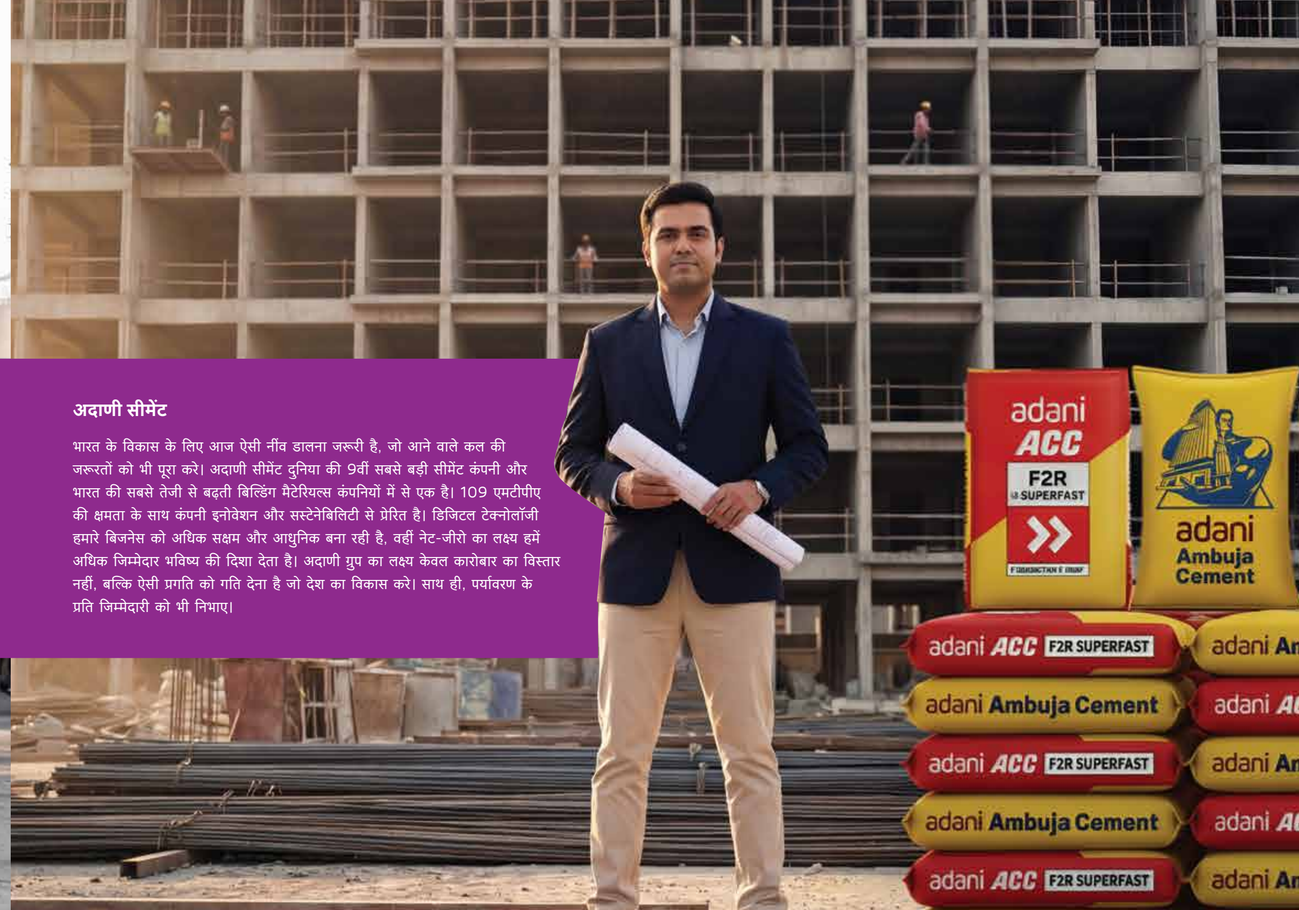
कुशल संचालन, नई तकनीक और साझेदारियों के साथ एएएचएल हवाई यात्रा को भविष्य के अनुरूप विकसित कर रही है। कंपनी का लक्ष्य भारत के एविएशन सेक्टर को नई ऊंचाई देना और दुनिया के एविएशन मैप पर भारत की पहचान को और मजबूत करना है।



नई सोच,
नए शहर

अदाणी सीमेंट

भारत के विकास के लिए आज ऐसी नींव डालना जरूरी है, जो आने वाले कल की जरूरतों को भी पूरा करे। अदाणी सीमेंट दुनिया की 9वीं सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी और भारत की सबसे तेजी से बढ़ती बिल्डिंग मैटेरियल्स कंपनियों में से एक है। 109 एमटीपीए की क्षमता के साथ कंपनी इनोवेशन और सस्टेनेबिलिटी से प्रेरित है। डिजिटल टेक्नोलॉजी हमारे बिजनेस को अधिक सक्षम और आधुनिक बना रही है, वहीं नेट-जीरो का लक्ष्य हमें अधिक जिम्मेदार भविष्य की दिशा देता है। अदाणी ग्रुप का लक्ष्य केवल कारोबार का विस्तार नहीं, बल्कि ऐसी प्रगति को गति देना है जो देश का विकास करे। साथ ही, पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी को भी निभाए।





अदाणी सीमेंट

अदाणी सीमेंट, अदाणी ग्रुप का इंटीग्रेटेड बिल्डिंग मैटेरियल्स और सॉल्यूशंस प्लेटफॉर्म है। इसका वन सीमेंट प्लेटफॉर्म- अंबुजा सीमेंट्स, एसीसी, ओरिएंट सीमेंट और अदाणी कंक्रीट को बेहतरीन व्यवस्था से जोड़ता है।

इंटीग्रेटेड प्लेटफॉर्म में एक साथ काम करने से मैन्युफैक्चरिंग, सप्लाई चेन, लॉजिस्टिक्स, एनर्जी, डिजिटल सिस्टम, आरएंडडी और टेक्निकल सर्विसेज में साझा क्षमताएं मजबूत होती हैं। इससे ऑपरेशंस अधिक कुशल होते हैं, सप्लाई नेटवर्क सशक्त होता है और बिजनेस को लंबे समय तक आगे बढ़ाने में सहायता मिलती है।

अदाणी ग्रुप के इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स, रिन्यूएबल एनर्जी और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के लंबे अनुभव से अदाणी सीमेंट को ठोस आधार मिलता है। इसी अनुभव के दम पर अदाणी सीमेंट का लक्ष्य है कि वह लगातार आगे बढ़े और लंबे समय तक स्थिर विकास बनाए रखे।

साथ ही इस दिशा में पर्यावरण के प्रति पूरी जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ा जा रहा है। अदाणी सीमेंट दुनिया के उन चार बड़े बिल्डिंग मैटेरियल्स प्लेटफॉर्म्स में शामिल है, जिनके शॉर्ट-टर्म और नेट-जीरो एमिशन लक्ष्यों को साइंस-बेस्ड टारगेट इनिशिएटिव से मान्यता प्राप्त है।

अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड

अंबुजा सीमेंट्स दुनिया की 9वीं सबसे बड़ी बिल्डिंग मैटेरियल्स सॉल्यूशंस कंपनी है। कंपनी के पास 24 इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग प्लांट्स और 22 ग्राइंडिंग यूनिट्स हैं। इनकी कुल सीमेंट क्षमता 109 एमटीपीए है।

कंपनी अपनी ग्रोथ को कम कार्बन वाले भविष्य के साथ जोड़ रही है। इसके लिए 1 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी और फाइनेंशियल ईयर 2028 तक 376 मेगावाट वेस्ट हीट रिकवरी सिस्टम्स की दिशा में काम किया जा रहा है। साथ ही, कूलब्रूक के साथ मिलकर जीरो-कार्बन रोटोडायनामिक हीटर टेक्नोलॉजी को अपनाने की तैयारी की जा रही है।

पर्यावरण के मोर्चे पर अंबुजा ने 12x वाटर पॉजिटिविटी और 7.23x प्लास्टिक नेगेटिविटी हासिल की है। कंपनी ने 2050 तक नेट-जीरो का लक्ष्य रखा है। इसके लिए साइंस-बेस्ड टारगेट इनिशिएटिव से वैलिडेटेड टारगेट तय किए गए हैं।

अंबुजा सीमेंट नेचर-रिलेटेड फाइनेंशियल डिस्क्लोजर्स से जुड़े टास्कफोर्स (टीएनएफडी) की रिकमेंडेशंस अपनाने वाली भारत की पहली सीमेंट कंपनी है। टीएनएफडी नेचर से जुड़े रिस्क और उनके फाइनेंशियल इम्पैक्ट को समझने और सामने रखने का एक व्यवस्थित तरीका देता है। इसके प्रोडक्ट्स GRIHA कैटलॉग में लिस्टेड हैं। कंपनी के पास 10 टर्मिनल वाला अपना कैप्टिव पोर्ट नेटवर्क भी है, जो लॉजिस्टिक्स सपोर्ट देता है।

अंबुजा को लगातार चौथे साल भारत के सबसे भरोसेमंद सीमेंट ब्रांड के रूप में मान्यता मिली है। यह दुनिया की पहली सीमेंट निर्माता कंपनी है, जो आईआरईएनए के अलायंस फॉर इंडस्ट्रियल डीकार्बोनाइजेशन से जुड़ी है। कंपनी LeadIT की सदस्य भी है।



एसीसी लिमिटेड

करीब 90 सालों की विरासत और निर्माण के क्षेत्र में लंबे अनुभव के साथ एसीसी ने देश में भरोसे की मजबूत पहचान बनाई है। अंबुजा सीमेंट्स की सब्सिडियरी और अदाणी ग्रुप का हिस्सा एसीसी, भारत में बिल्डिंग मटेरियल और कंक्रीट सॉल्यूशंस के क्षेत्र में मजबूत उपस्थिति के साथ निर्माण को बेहतर और नई दिशा देने के लिए लगातार आगे बढ़ रही है।

एसीसी के पास 20 सीमेंट मैन्युफैक्चरिंग साइट और 117 रेडी-मिक्स कंक्रीट प्लांट हैं। देशभर में पार्टनर नेटवर्क के जरिए कंपनी अपने कई प्रोडक्ट और सॉल्यूशंस कस्टमर तक आसानी से पहुंचाती है।

एसीसी अपने कारोबार को प्रभावी बनाने के लिए ग्रीन एनर्जी, सर्कुलर इकॉनमी और डिजिटल टेक्नोलॉजी को अपना रही है। इससे कामकाज में दक्षता बढ़ाने के साथ पर्यावरण को होने वाले नुकसान को भी कम करने में मदद मिल रही है।

अंबुजा के साथ एसीसी दुनिया की उन चार बड़ी बिल्डिंग मटेरियल कंपनियों में शामिल है, जिन्होंने 2050 तक नेट-जीरो का लक्ष्य रखा है। इसके लिए साइंस-बेस्ड टारगेट इनिशिएटिव से वैलिडेटेड टारगेट तय किए गए हैं।

एसीसी को सीडीपी लीडरशिप स्कोर 'ए' मिला है। इसके प्रोडक्ट्स GRIHA कैटलॉग में शामिल हैं। कंपनी को लगातार तीसरे साल भारत के सबसे भरोसेमंद सीमेंट ब्रांड के रूप में भी मान्यता मिली है।

अदाणी कंक्रीट

अदाणी कंक्रीट, अदाणी ग्रुप का रेडी-मिक्स कंक्रीट और वैल्यू-एडेड सॉल्यूशंस बिजनेस है। इसके पास देशभर में 117 प्लांट हैं।

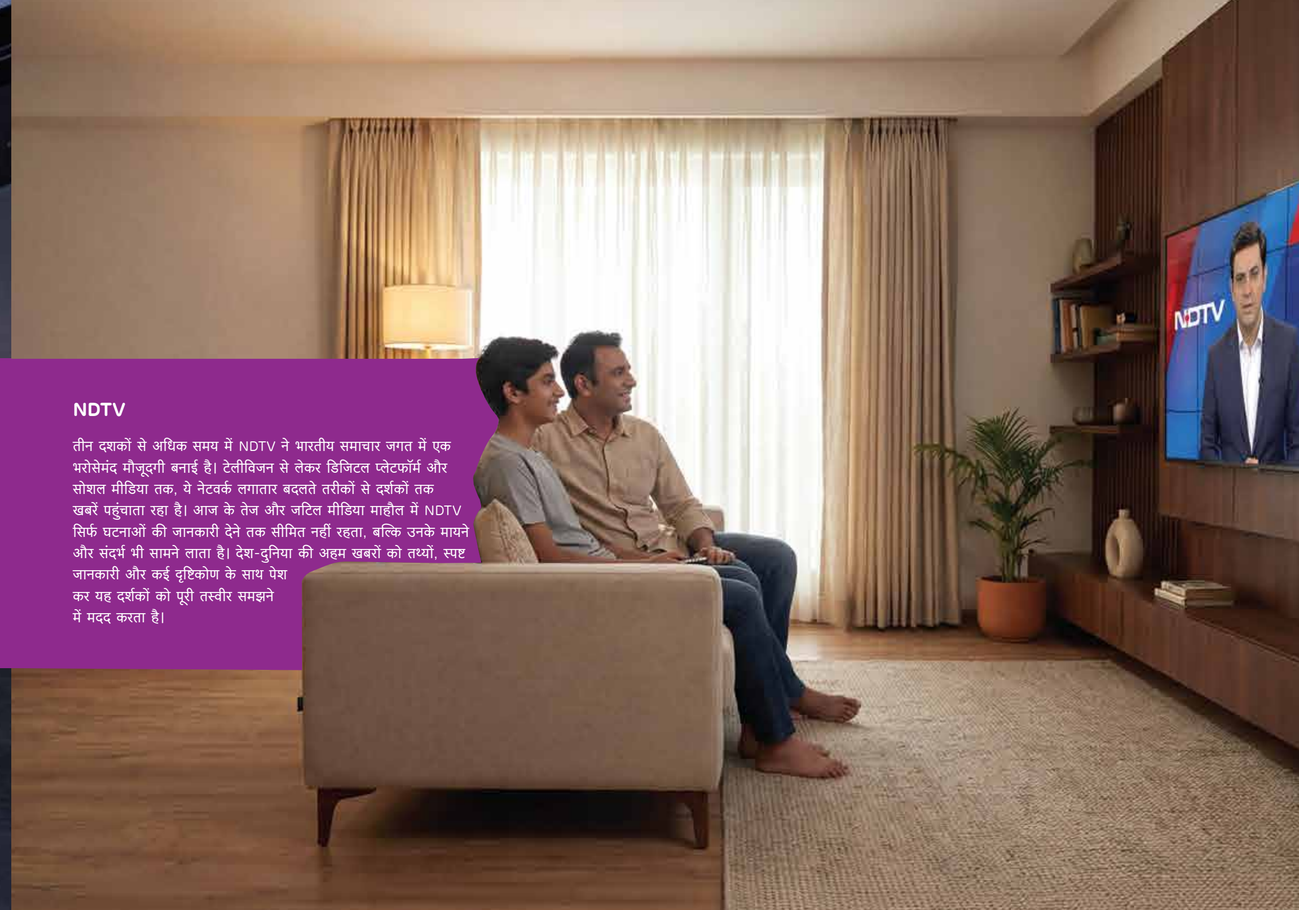
कंपनी अलग-अलग प्रोजेक्ट्स की जरूरत के हिसाब से कंसिस्टेंट और स्पेशलाइज्ड कंक्रीट सॉल्यूशंस उपलब्ध कराती है। आरएंडडी और इंटीग्रेटेड प्रोजेक्ट कैपेबिलिटी के साथ अदाणी कंक्रीट हर प्रोजेक्ट में सही समाधान, सपोर्ट और परफॉर्मेंस सुनिश्चित करने पर जोर देता है।



भारत का विश्वास, जनता की आवाज

NDTV

तीन दशकों से अधिक समय में NDTV ने भारतीय समाचार जगत में एक भरोसेमंद मौजूदगी बनाई है। टेलीविजन से लेकर डिजिटल प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया तक, ये नेटवर्क लगातार बदलते तरीकों से दर्शकों तक खबरें पहुंचाता रहा है। आज के तेज और जटिल मीडिया माहौल में NDTV सिर्फ घटनाओं की जानकारी देने तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उनके मायने और संदर्भ भी सामने लाता है। देश-दुनिया की अहम खबरों को तथ्यों, स्पष्ट जानकारी और कई दृष्टिकोण के साथ पेश कर यह दर्शकों को पूरी तस्वीर समझने में मदद करता है।





NDTV

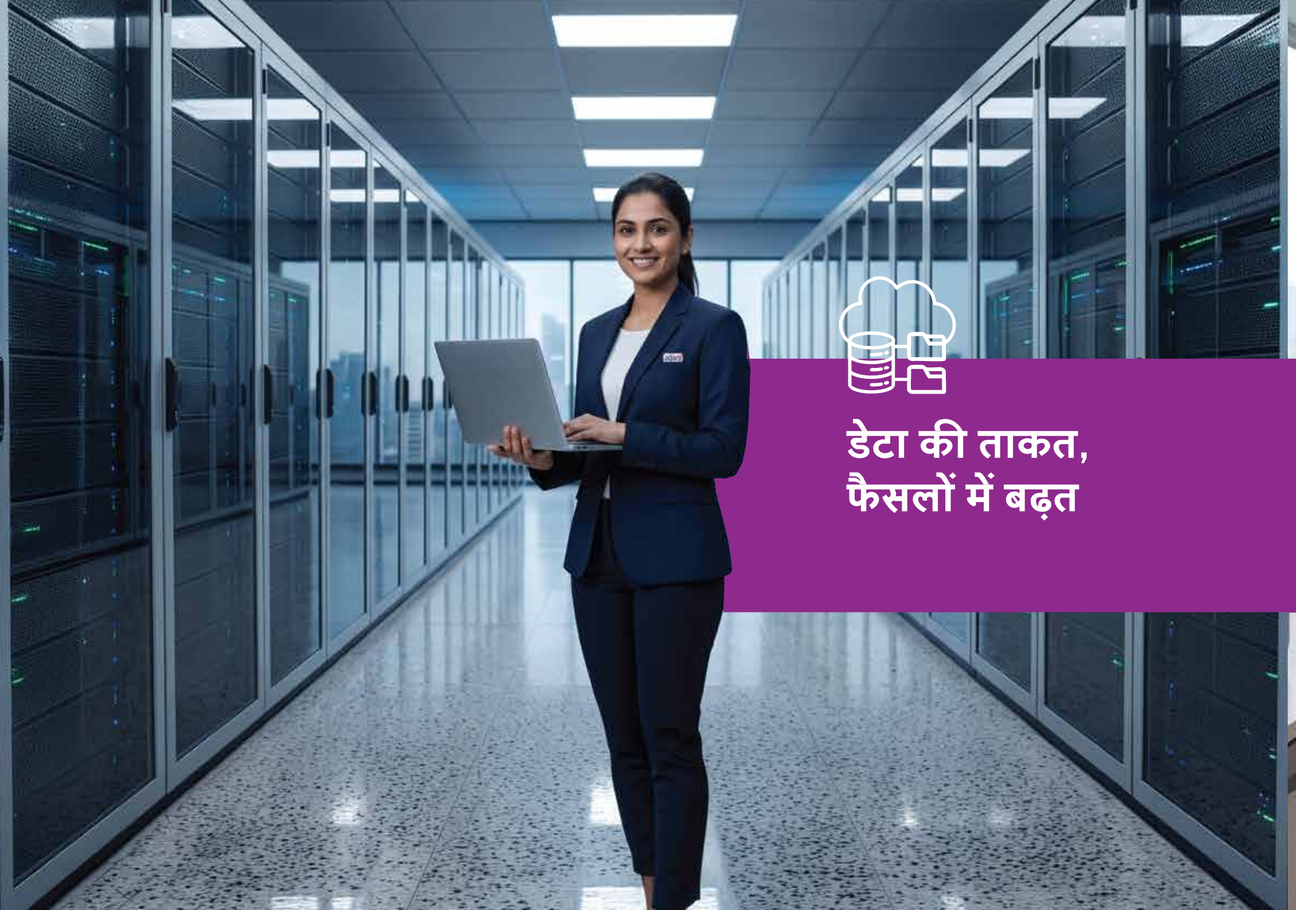
खबरें हर पल बदलती हैं और उनके साथ बदलती है हमारे आसपास की दुनिया। ऐसे समय में केवल जानकारी तक पहुंच होना काफी नहीं है। जरूरी है कि खबर सही हो, स्पष्ट हो और उसके पीछे की पूरी तस्वीर भी सामने आए।

NDTV इसी सोच के साथ पत्रकारिता को आगे बढ़ाता है। तीन दशकों से अधिक की अपनी यात्रा में नेटवर्क ने देश और दुनिया की महत्वपूर्ण घटनाओं को दर्शकों तक पहुंचाने के साथ-साथ उन्हें बेहतर ढंग से समझाने पर भी जोर दिया है। टेलीविजन, डिजिटल और सोशल मीडिया के माध्यम से NDTV अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर लोगों से जुड़ता है और बदलती दुनिया की अहम हलचलों को उनके सामने रखता है।

यहां खबर सिर्फ यह बताने तक सीमित नहीं रहती कि क्या हुआ। उसके पीछे की वजह, उससे जुड़े महत्वपूर्ण पहलू और लोगों पर पड़ने वाले संभावित असर को भी सरल तरीके से सामने लाने की कोशिश होती है। राष्ट्रीय मुद्दों से लेकर वैश्विक घटनाक्रम, अर्थव्यवस्था, कारोबार, तकनीक, पर्यावरण, खेल और समाज तक - हर विषय को उसके व्यापक संदर्भ के साथ समझने में मदद करना NDTV की पत्रकारिता का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

NDTV 24x7, NDTV इंडिया, NDTV वर्ल्ड, NDTV प्रॉफिट, NDTV राजस्थान, NDTV मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ और NDTV मराठी जैसे प्रभावशाली चैनलों के व्यापक नेटवर्क के साथ NDTV आधुनिक, विश्वसनीय और सबसे आगे रहने वाली पत्रकारिता के नए मानक स्थापित कर रहा है।

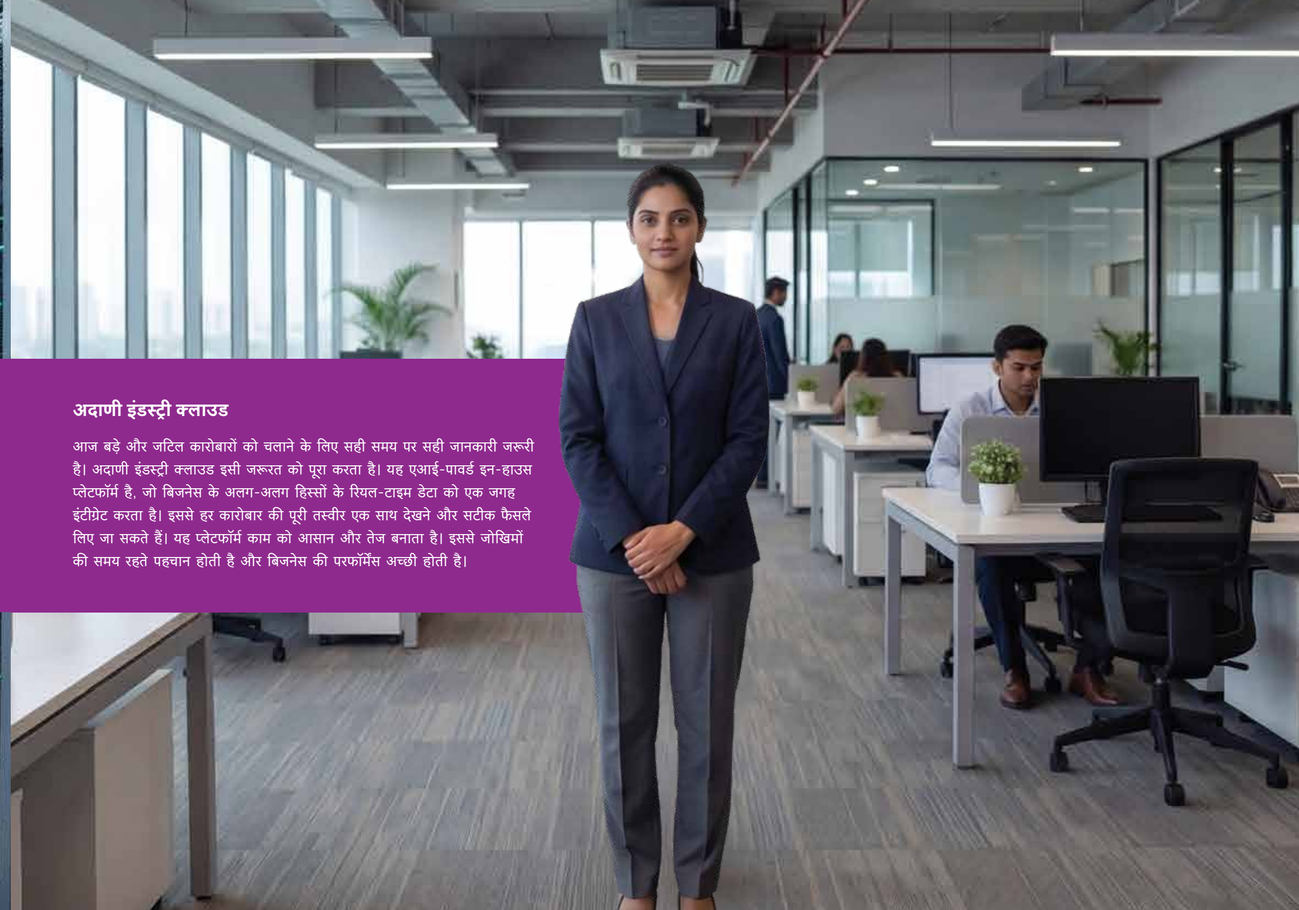
तेज रफ्तार सूचना के इस दौर में NDTV का प्रयास है कि दर्शकों तक ऐसी पत्रकारिता पहुंचे, जो तथ्यपूर्ण हो, समझने में आसान हो और उन्हें अपने आसपास हो रहे बदलावों की स्पष्ट तस्वीर दे सके।

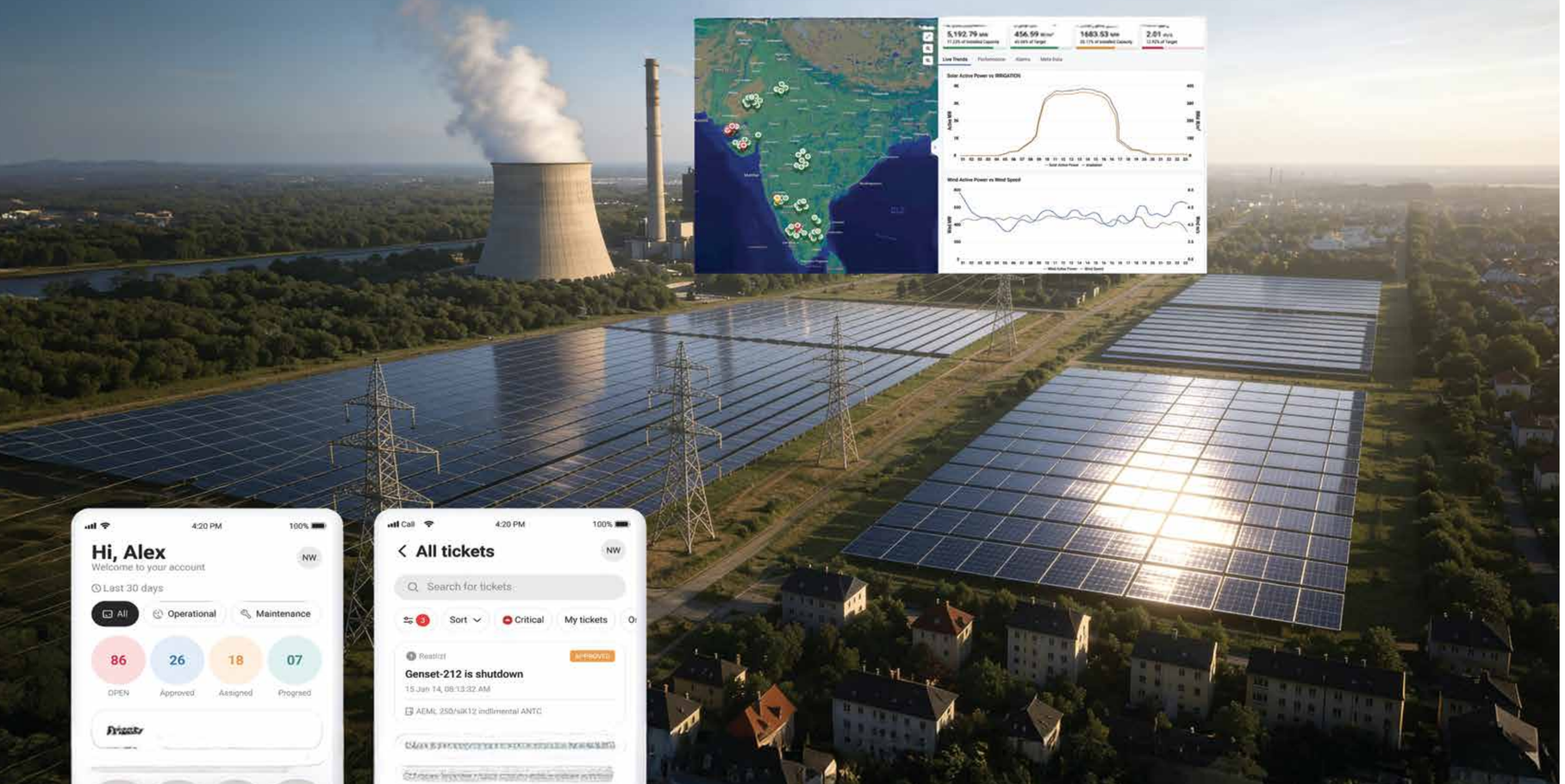


डेटा की ताकत, फैसलों में बढ़त

अदाणी इंडस्ट्री क्लाउड

आज बड़े और जटिल कारोबारों को चलाने के लिए सही समय पर सही जानकारी जरूरी है। अदाणी इंडस्ट्री क्लाउड इसी जरूरत को पूरा करता है। यह एआई-पावर्ड इन-हाउस प्लेटफॉर्म है, जो बिजनेस के अलग-अलग हिस्सों के रियल-टाइम डेटा को एक जगह इंटीग्रेट करता है। इससे हर कारोबार की पूरी तस्वीर एक साथ देखने और सटीक फैसले लिए जा सकते हैं। यह प्लेटफॉर्म काम को आसान और तेज बनाता है। इससे जोखिमों की समय रहते पहचान होती है और बिजनेस की परफॉर्मेंस अच्छी होती है।





अदाणी इंडस्ट्री क्लाउड

अदाणी इंडस्ट्री क्लाउड एक एआई-पावर्ड डिजिटल प्लेटफॉर्म है। यह मशीनों और उपकरणों से मिलने वाले लाइव डेटा को बिजनेस से जुड़े दूसरे डेटा के साथ जोड़ता है। इससे कंपनियों को अपने कामकाज की साफ तस्वीर मिलती है और सही समय पर सही फैसले लेने में मदद मिलती है। इसे अदाणी ग्रुप की सॉफ्टवेयर टीम और अलग-अलग बिजनेस से जुड़े विशेषज्ञों ने मिलकर तैयार किया है।

यह प्लेटफॉर्म ग्रुप के बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर और बड़े स्तर के ऑपरेशंस को स्मार्ट तरीके से चलाने में मदद करता है। यह प्लेटफॉर्म बिजनेस के कई जरूरी हिस्सों में दक्षता, गति और पारदर्शिता बढ़ाता है।

फाइनेंशियल मेट्रिक्स

1. मशीनों की लगातार निगरानी से डाउनटाइम में कमी
2. समय पर मेंटेनेंस से रखरखाव के खर्च में कमी
3. एनर्जी की बचत

ऑपरेशनल मेट्रिक्स

1. एआई से मशीनों की उपलब्धता, परफॉर्मेंस और क्वालिटी का विश्लेषण
2. मीन टाइम बिटवीन फेल्यर्स बढ़ाना
3. मीन टाइम टु रिपेयर घटाना

स्ट्रेटेजिक और अडॉप्शन मेट्रिक्स

1. अलग-अलग डिवाइस, लोकेशन और सिस्टम को आसानी से जोड़ने की क्षमता
2. डेटा और इनसाइट्स के जरिए यूजर्स की कार्यक्षमता को निखारना
3. डेटा के आधार पर नए बिजनेस अवसरों की पहचान

रिस्क मिटिगेशन और कम्प्लायंस मेट्रिक्स

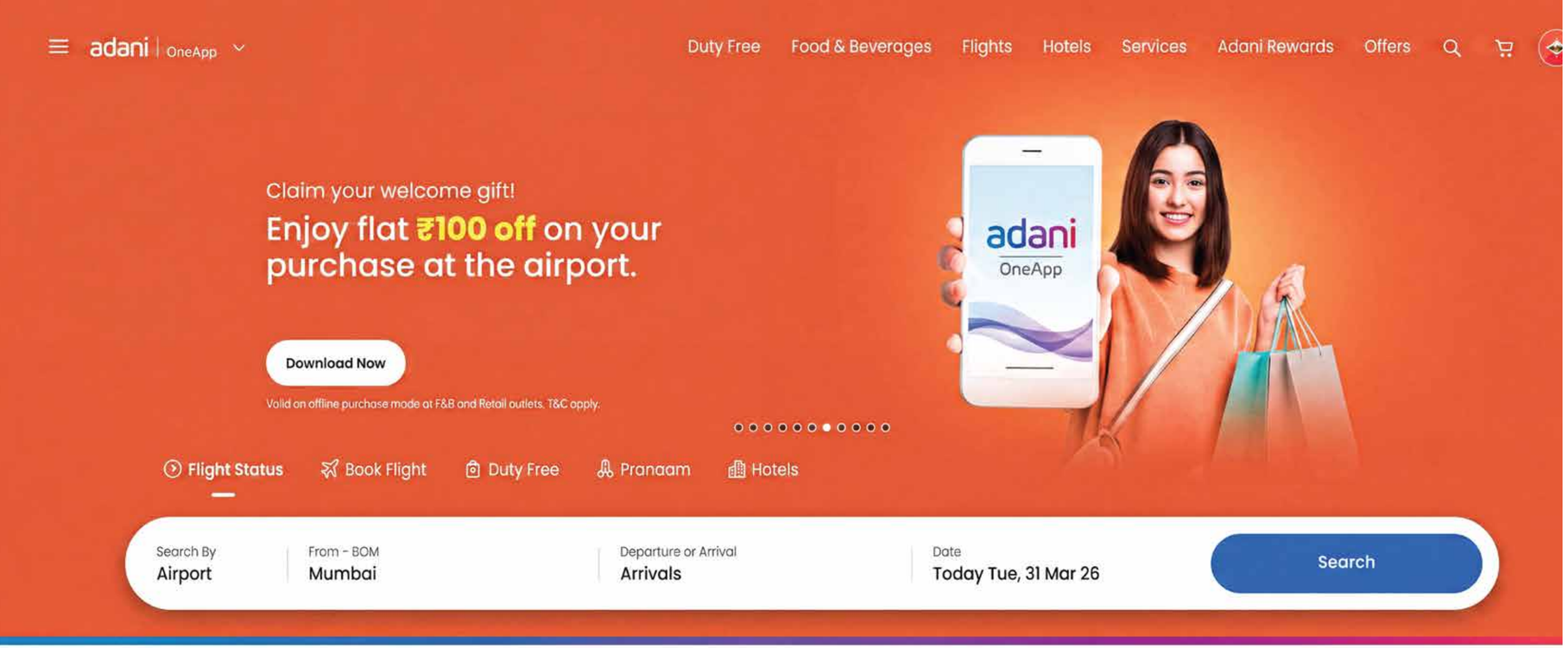
1. हाई-फिडेलिटी और भरोसेमंद डेटा
2. इन्वेंट्री पर प्रभावी विजिबिलिटी और मैनेजमेंट

आज अदाणी ग्रीन एनर्जी, अदाणी टोटल गैस, अदाणी पावर, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस और मुंद्रा सोलर पीवी जैसे कारोबारों में अदाणी इंडस्ट्री क्लाउड का इस्तेमाल हो रहा है।

स्मार्ट यात्रा की नई उड़ान

अदाणी वनऐप

एयरपोर्ट पर पहुंचने से लेकर फ्लाइट में बैठने तक कई चीजों का ध्यान रखना होता है। अदाणी वनऐप इन सभी जरूरतों को एक ही जगह लाता है। फ्लाइट अपडेट से लेकर पार्किंग, लाउंज, फूड और शॉपिंग तक, हर जरूरी सुविधा एक ही ऐप पर उपलब्ध है। इससे यात्रियों के लिए एयरपोर्ट का सफर आसान और सुविधाजनक हो जाता है।



अदाणी वनऐप

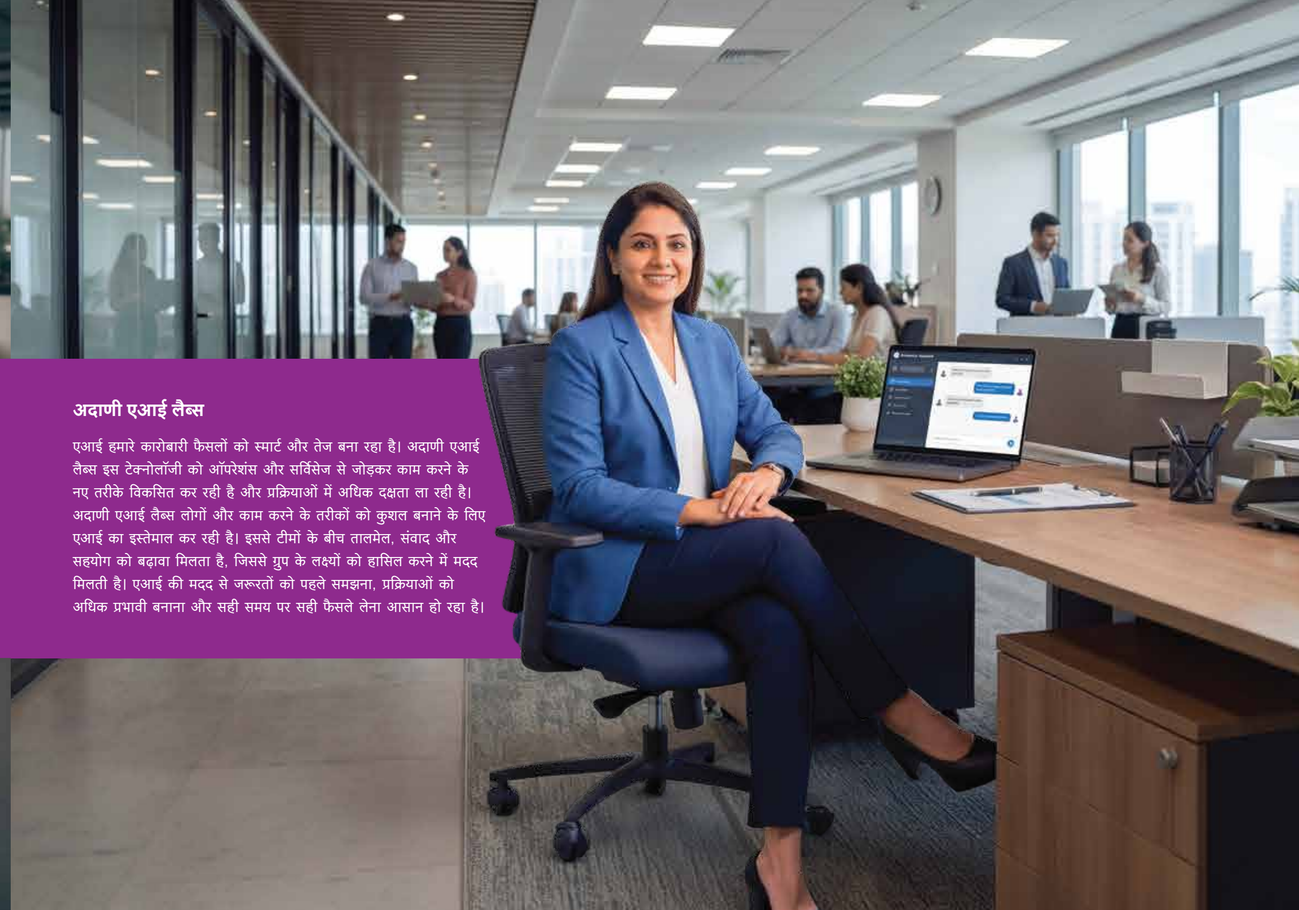
इस ऐप से यात्रियों को फोन पर ही एयरपोर्ट का पूरा अनुभव मिलता है। एक ही ऐप पर फ्लाइट अपडेट, ड्यूटी-फ्री शॉपिंग, खाना-पीना, लाउंज और कार पार्किंग जैसी कई सुविधाएं उपलब्ध हैं।

भारत के एयरपोर्ट्स को डिजिटल बनाने के विजन के साथ यह ऐप यात्रियों की यात्रा को स्मार्ट, तेज और आसान बना रहा है। इससे यात्री एयरपोर्ट पर आसानी से आ-जा सकते हैं, नई सुविधाएं देख सकते हैं और सुगम यात्रा अनुभव पा सकते हैं।

कई सेवाओं को एक ही स्मार्ट सिस्टम और प्लेटफॉर्म पर लाकर अदाणी वनऐप हर सफर को आसान, कनेक्टेड और परेशानी-मुक्त बनाता है।



एआईः काम का नया इंटेलिजेंट अंदाज



अदाणी एआई लैब्स

एआई हमारे कारोबारी फैसलों को स्मार्ट और तेज बना रहा है। अदाणी एआई लैब्स इस टेक्नोलॉजी को ऑपरेशंस और सर्विसेज से जोड़कर काम करने के नए तरीके विकसित कर रही है और प्रक्रियाओं में अधिक दक्षता ला रही है। अदाणी एआई लैब्स लोगों और काम करने के तरीकों को कुशल बनाने के लिए एआई का इस्तेमाल कर रही है। इससे टीमों के बीच तालमेल, संवाद और सहयोग को बढ़ावा मिलता है, जिससे ग्रुप के लक्ष्यों को हासिल करने में मदद मिलती है। एआई की मदद से जरूरतों को पहले समझना, प्रक्रियाओं को अधिक प्रभावी बनाना और सही समय पर सही फैसले लेना आसान हो रहा है।



अदाणी एआई लैब्स

यह कंपनी अब पूरे अदाणी ग्रुप में एआई को कामकाज का हिस्सा बना रही है। अदाणी ग्रुप एआई को सिर्फ छोटे पायलट्स तक सीमित रखने के बजाय इसे बड़े स्तर पर, सुरक्षित और जिम्मेदारी के साथ लागू करना चाहता है।

इसके लिए प्रिडिक्टिव एनालिटिक्स, जेनरेटिव एआई, ऑपरेशनल रिसर्च, कंप्यूटर विजन, एजेंटिक एआई और एंटरप्राइज एआई प्लेटफॉर्म्स जैसी एडवांस टेक्नोलॉजी को एक साथ लाया गया है। ये टेक्नोलॉजी ग्रुप के अलग-अलग बिजनेस को उनकी जरूरत के हिसाब से स्मार्ट सॉल्यूशंस देती है।

एआई से बिजनेस में तेज फैसले हो रहे हैं, टीमें संभावित जोखिम और नुकसान को पहले से समझ सकती हैं। प्राइस और डिमांड फोरकास्टिंग, रिस्क प्रेडिक्शन, इनवॉइस ऑटोमेशन, ऑडिट एनालिटिक्स, कॉन्ट्रैक्ट वर्कफ्लो और कस्टमर सेंटिमेंट मॉनिटरिंग जैसे सॉल्यूशंस इसी दिशा में काम कर रहे हैं।

इनका इस्तेमाल एनर्जी, यूटिलिटीज, एयरपोर्ट्स, सीमेंट, लॉजिस्टिक्स, प्रोक्योरमेंट, फाइनेंस, एचआर और कस्टमर ऑपरेशंस समेत कई क्षेत्रों में हो रहा है। एयरपोर्ट्स में कंप्यूटर विजन, यूटिलिटीज में एआई आधारित विजिलेंस और कस्टमर सर्विस में एआई-फर्स्ट सॉल्यूशंस, कामकाज को स्मार्ट बना रहे हैं। वहीं फाइनेंस और प्रोक्योरमेंट में इंटेलिजेंट ऑटोमेशन से कामकाज आसान हो रहा है।

सीमेंट बिजनेस में एआई मॉडल इनपुट, प्लानिंग और क्वालिटी को बेहतर बनाने में काम आ रहे हैं। वहीं, टैलेंट को समझने और पहचानने में एआई से भर्ती की प्रक्रिया तेज और आसान हुई है। अदाणी एआई लैब्स का एआई मार्केटप्लेस इन सॉल्यूशंस को अलग-अलग बिजनेस यूनिट तक पहुंचाता है, ताकि उन्हें आसानी से खोजकर, दोबारा इस्तेमाल करके बड़े स्तर पर लागू किया जा सके।

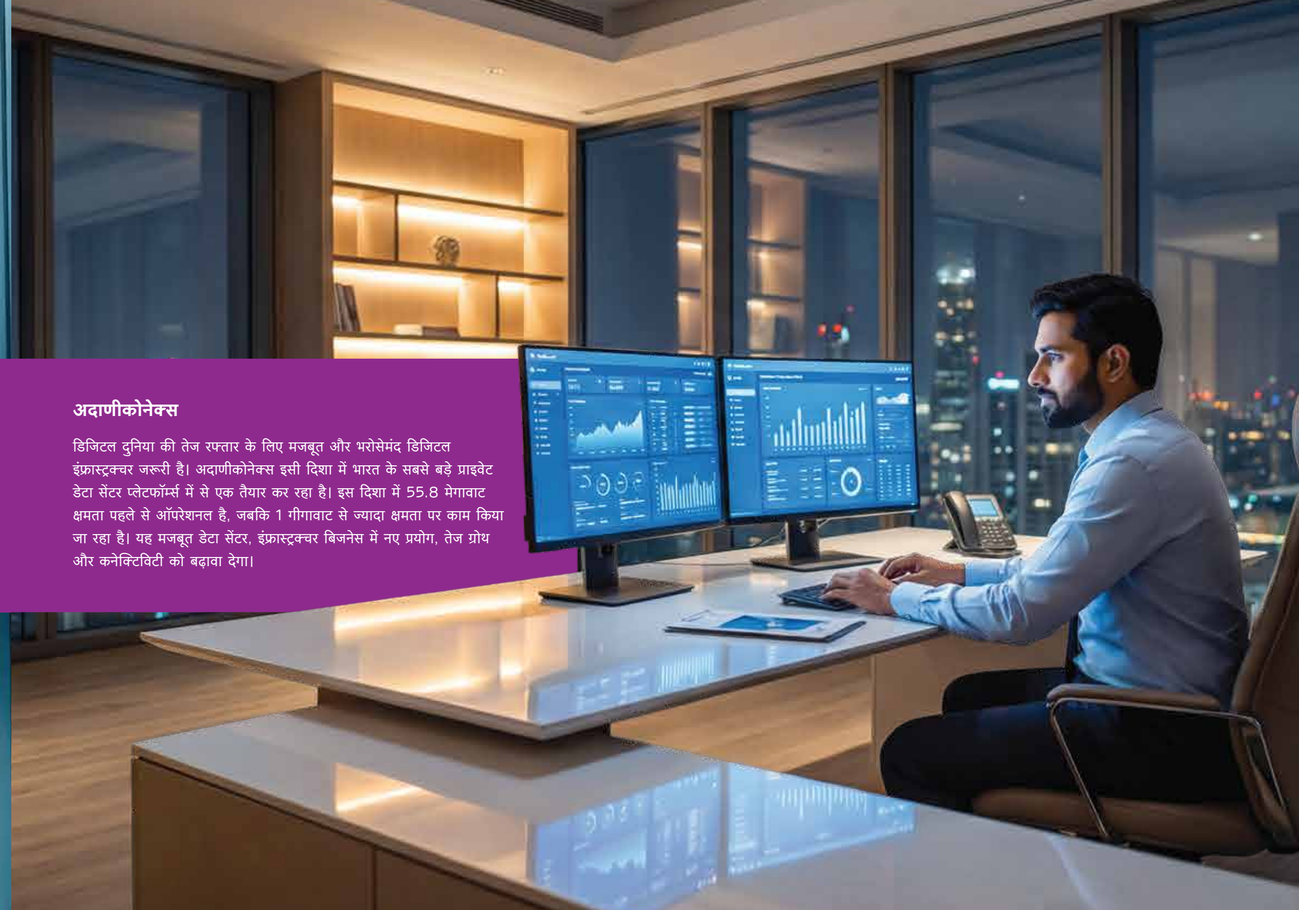
डोमेन नॉलेज, सिक्योर प्लेटफॉर्म्स और ठोस नतीजों के साथ, एआई लैब्स ग्रुप में एआई के इस्तेमाल को पायलट प्रोजेक्ट्स से आगे ले जा रहा है। इसका मकसद एआई को बड़े स्तर पर सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से इस्तेमाल करना है, ताकि कारोबारी काम और फैसलों के नतीजे प्रभावशाली हो सकें।



भविष्य की डिजिटल दुनिया

अदाणीकोनेक्स

डिजिटल दुनिया की तेज रफ्तार के लिए मजबूत और भरोसेमंद डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर जरूरी है। अदाणीकोनेक्स इसी दिशा में भारत के सबसे बड़े प्राइवेट डेटा सेंटर प्लेटफॉर्म्स में से एक तैयार कर रहा है। इस दिशा में 55.8 मेगावाट क्षमता पहले से ऑपरेशनल है, जबकि 1 गीगावाट से ज्यादा क्षमता पर काम किया जा रहा है। यह मजबूत डेटा सेंटर, इंफ्रास्ट्रक्चर बिजनेस में नए प्रयोग, तेज ग्रोथ और कनेक्टिविटी को बढ़ावा देगा।





अदाणीकोनेक्स

अदाणीकोनेक्स, अदाणी ग्रुप और एजकोनेक्स का 50:50 जॉइंट वेंचर है। दोनों की विशेषज्ञता के साथ भारत में एक मजबूत और सस्टेनेबल डेटा सेंटर नेटवर्क तैयार किया जा रहा है। 2030 तक 2 गीगावाट का डेटा सेंटर प्लेटफॉर्म बनाने का लक्ष्य है। अदाणी ग्रुप का भारत में बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स का अनुभव और एजकोनेक्स का 60 से ज्यादा मार्केट्स में 80 से ज्यादा डेटा सेंटर का ग्लोबल एक्सपीरियंस इस पार्टनरशिप को मजबूत बनाता है। इसी अनुभव के साथ अदाणीकोनेक्स डेटा सेंटर डिजाइन, इंजीनियरिंग और ऑपरेशंस में ग्लोबल बेंचमार्क्स को भारत तक ला रहा है। कस्टमर की अलग-अलग जरूरतों को पूरा करने के लिए अदाणीकोनेक्स बिल्ड-टू-सूट सॉल्यूशंस देता है। इसमें कस्टमर की जरूरत और स्पेसिफिकेशन के हिसाब से डेटा सेंटर तैयार किया जाता है। वहीं एनर्जी-ऐज-अ-सॉल्यूशन मॉडल में एनर्जी सिस्टम खरीदने के बजाय जरूरत के मुताबिक पूरी एनर्जी सर्विस उपलब्ध कराई जाती है। इन सॉल्यूशंस के जरिए हाइपरस्केल कस्टमर्स तेजी से डेटा सेंटर तैयार कर सकते हैं। साथ ही उनकी डिजिटल और एनर्जी जरूरतों को एक ही प्लेटफॉर्म से आसानी से मैनेज किया जा सकता है।

सफलता का सफर

1. वितवर्ष 26 तक 1 गीगावाट से ज्यादा के ऑर्डर्स
2. चेन्नई डेटा सेंटर वितवर्ष 26 के दौरान 100% समय पूरी तरह ऑपरेशनल रहा
3. वितवर्ष Y26 में 1.937 करोड़ सेफ्टी मैन-आवर्स पूरे हुए

सर्विस पोर्टफोलियो

1. **बिल्ड-टू-सूट सॉल्यूशंस** – कस्टमर की जरूरत के हिसाब से डेटा सेंटर बनाना
2. **एनर्जी-ऐज-अ-सॉल्यूशन** – एनर्जी से जुड़ी जरूरतों के लिए पूरा सॉल्यूशन उपलब्ध कराना
3. **को-लोकेशन** – एक ही डेटा सेंटर में कई कस्टमर्स को अपनी आईटी व्यवस्था रखने की सुविधा
4. **मैनेज्ड सर्विसेज** – डेटा सेंटर के रोजाना ऑपरेशंस और मैनेजमेंट की जिम्मेदारी संभालना

चेन्नई 1: सिरुसेरी के एसआईपीसीओटी आईटी पार्क में स्थित चेन्नई 1 अदाणीकोनेक्स का आधुनिक डेटा सेंटर है। सिरुसेरी तेजी से एक बड़े डिजिटल हब के रूप में विकसित हो रहा है। चेन्नई 1 के फेज-1 की 17 मेगावाट आईटी लोड क्षमता के साथ शुरुआत हो चुकी है। पूरी क्षमता पर यह 33 मेगावाट तक जा सकती है। चेन्नई 1 तमिलनाडु का पहला आईजीबीसी प्लेटिनम रेटेड सर्टिफाइड डेटा सेंटर है। इसे अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर कई अवॉर्ड्स और सम्मान भी मिल चुके हैं। यह डेटा सेंटर रिन्यूएबल एनर्जी से चलता है। इससे एंटरप्राइज और हाइपरस्केल कस्टमर्स को ज्यादा सस्टेनेबल एनर्जी का विकल्प मिलता है।

अवॉर्ड

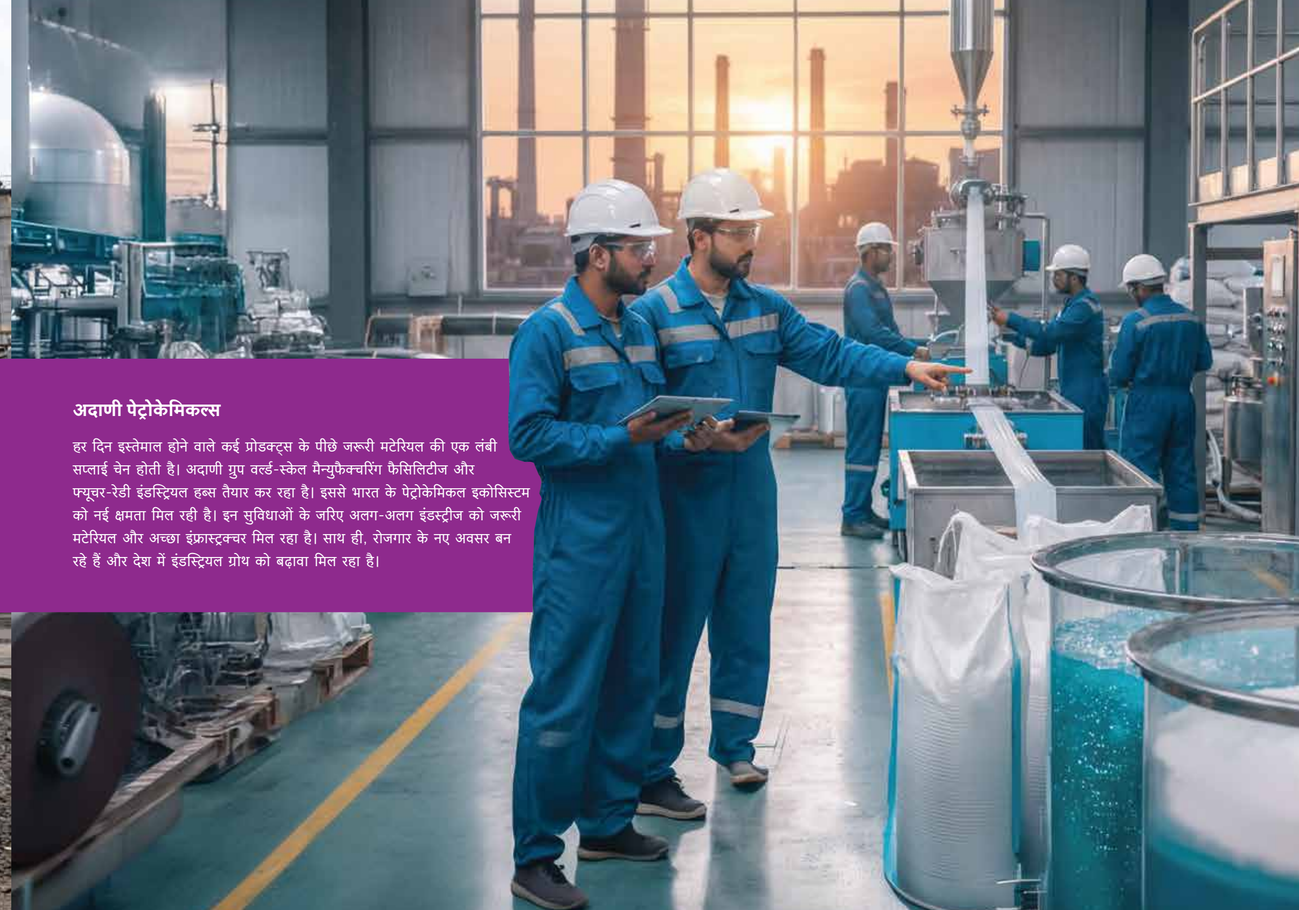
1. ओएचएसएसएआई गोल्ड अवॉर्ड – लार्ज कंस्ट्रक्शन, नोएडा साइट, अप्रैल 2025
2. सीआईआई ईएचएस एक्सीलेंस अवॉर्ड (सिल्वर) – चेन्नई साइट, जुलाई 2025
3. आईआईएनए अवॉर्ड्स, सितंबर 2025
4. भारत फायर सेफ्टी अवॉर्ड, दिसंबर 2025
5. हाइपरस्केल इंफ्रास्ट्रक्चर अवॉर्ड, दिसंबर 2025
6. सीआईआई आईजीबीसी ग्रीन चैंपियन अवॉर्ड, दिसंबर 2025
7. स्कॉच सिल्वर कैटेगरी अवॉर्ड, जनवरी 2026
8. ओएचएसएसएआई गोल्ड अवॉर्ड – एचएसई और ईएसजी, हैदराबाद, फरवरी 2026
9. ओएचएसएसएआई ब्रॉन्ज अवॉर्ड – एचएसई और ईएसजी, पुणे, फरवरी 2026
10. ऑटोडेस्क इमैजिन अवॉर्ड – पुणे साइट, अक्टूबर 2025



बड़े बदलाव की शुरुआत

अदाणी पेट्रोकेमिकल्स

हर दिन इस्तेमाल होने वाले कई प्रोडक्ट्स के पीछे जरूरी मटेरियल की एक लंबी सप्लाई चेन होती है। अदाणी ग्रुप वर्ल्ड-स्केल मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटीज और फ्यूचर-रेडी इंडस्ट्रियल हब्स तैयार कर रहा है। इससे भारत के पेट्रोकेमिकल इकोसिस्टम को नई क्षमता मिल रही है। इन सुविधाओं के जरिए अलग-अलग इंडस्ट्रीज को जरूरी मटेरियल और अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर मिल रहा है। साथ ही, रोजगार के नए अवसर बन रहे हैं और देश में इंडस्ट्रियल ग्रोथ को बढ़ावा मिल रहा है।





अदाणी पेट्रोकेमिकल्स

अदाणी ग्रुप भारत के पेट्रोकेमिकल सेक्टर को मजबूत बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। अदाणी पेट्रोकेमिकल्स का लक्ष्य है कि जरूरी इंडस्ट्रियल मटेरियल के लिए भारत की विदेशों पर निर्भरता घटे और देश की मैन्युफैक्चरिंग क्षमता को नई ताकत मिले।

इसी दिशा में 10 लाख टन सालाना क्षमता वाला पॉलीविनाइल क्लोराइड (पीवीसी) प्रोजेक्ट तैयार किया जा रहा है। इसके साथ 75 केटीए क्लोरीनेटेड पॉलीविनाइल क्लोराइड (सीपीवीसी) और 50 केटीए क्लोरीनेटेड मीथेन (सीएमएस) प्लांट्स पर भी काम चल रहा है। ये प्रोजेक्ट्स निर्माण और विकास के अलग-अलग चरणों में हैं।

इसके अलावा कई अन्य पेट्रोकेमिकल प्रोजेक्ट्स और बड़े पैमाने पर एक पेट्रोकेमिकल क्लस्टर की योजना भी पाइपलाइन में है। गुजरात के मुंद्रा में वर्ल्ड-क्लास पेट्रोकेमिकल क्लस्टर विकसित करने की संभावनाएं तलाश की जा रही हैं।

साथ ही, देश के कोयला समृद्ध राज्यों में कोल-टू-केमिकल प्रोजेक्ट्स के अवसरों का भी आकलन किया जा रहा है। इन प्रयासों का उद्देश्य एक ऐसा सस्टेनेबल, इंटीग्रेटेड केमिकल्स और मैटेरियल्स इकोसिस्टम बनाना है, जो भारत की जरूरतें पूरी करने के साथ-साथ ग्लोबल स्तर पर भी प्रतिस्पर्धी हो।



चैंपियन के सपनों को उड़ान

अदाणी स्पोर्ट्सलाइन

एक खिलाड़ी का सपना सिर्फ उसका अपना नहीं होता। उसमें देश का सपना भी जुड़ा होता है। अदाणी स्पोर्ट्सलाइन इस सपने को ताकत देने के लिए एथलीट्स, लीग्स और स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश कर रही है। इससे नई प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के अच्छे मौके मिल रहे हैं। साथ ही भारत में खेलों को बढ़ावा देने के लिए काम हो रहा है। अदाणी ग्रुप का लक्ष्य ज्यादा से ज्यादा प्रतिभाओं को पहचानना, उन्हें सही अवसर देना और भारत के ओलंपिक सपनों को नई उड़ान देना है।



अदाणी स्पोर्ट्सलाइन

अदाणी ग्रुप की स्पोर्ट्स पहल की शुरुआत 2019 में हुई। इसका विजन भारत में एक ऐसा वर्ल्ड-क्लास स्पोर्टिंग इकोसिस्टम डेवलप करना है, जहां टैलेंट को सही मौका, ट्रेनिंग और आगे बढ़ने के लिए जरूरी सपोर्ट मिले।

कंपनी मानती है कि स्पोर्ट्स सिर्फ मैदान पर जीतने का जरिया नहीं है। यह लोगों को प्रेरित करता है, उन्हें जोड़ता है और उनमें आत्मविश्वास पैदा करता है। अदाणी स्पोर्ट्सलाइन भारत की स्पोर्टिंग टैलेंट को पहचानने, उसे निखारने और ग्लोबल स्टेज तक पहुंचाने के रास्ते तैयार कर रही है।

इसी दिशा में अदाणी स्पोर्ट्सलाइन एकेडमी युवा खिलाड़ियों को स्ट्रक्चर्ड ट्रेनिंग और एक्सपर्ट कोचिंग देती है। साथ ही, उन्हें प्रोफेशनल स्पोर्ट्स तक पहुंचने के लिए एक स्पष्ट रोडमैप भी मिलता है।

अदाणी ग्रुप की फ्लैगशिप पहल 'गर्व है' के जरिए होनहार भारतीय एथलीट्स की पहचान की जाती है और उन्हें सपोर्ट दिया जाता है, ताकि वे नेशनल और इंटरनेशनल लेवल पर अपनी पहचान बना सकें।

अदाणी अहमदाबाद मैराथन भी इसी विजन का हिस्सा है। यह फिटनेस, इनक्लूजन और सोशल इंपैक्ट को बढ़ावा देने वाला एक नेशनल मूवमेंट है। इसकी #Run4OurSoldiers थीम के जरिए देश की आर्म्ड फोर्सेज के साहस और बलिदान को सम्मान दिया जाता है। साथ ही, देशभर में फिटनेस और रनिंग कल्चर को बढ़ावा मिलता है।

अदाणी स्पोर्ट्सलाइन का बढ़ता प्रोफेशनल स्पोर्ट्स पोर्टफोलियो भी इसी सोच को आगे बढ़ाता है:

- **गुजरात जायंट्स –** विमेंस प्रीमियर लीग: स्पोर्ट्स में महिलाओं को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता
- **गल्फ जायंट्स –** इंटरनेशनल लीग टी20: ग्लोबल स्पोर्ट्स में अदाणी ग्रुप की बढ़ती महत्वाकांक्षा
- **गुजरात जायंट्स –** प्रो कबड्डी लीग: भारत की स्पोर्टिंग परंपरा से जुड़े जज्बे, ताकत और संघर्ष की भावना का प्रतिनिधित्व

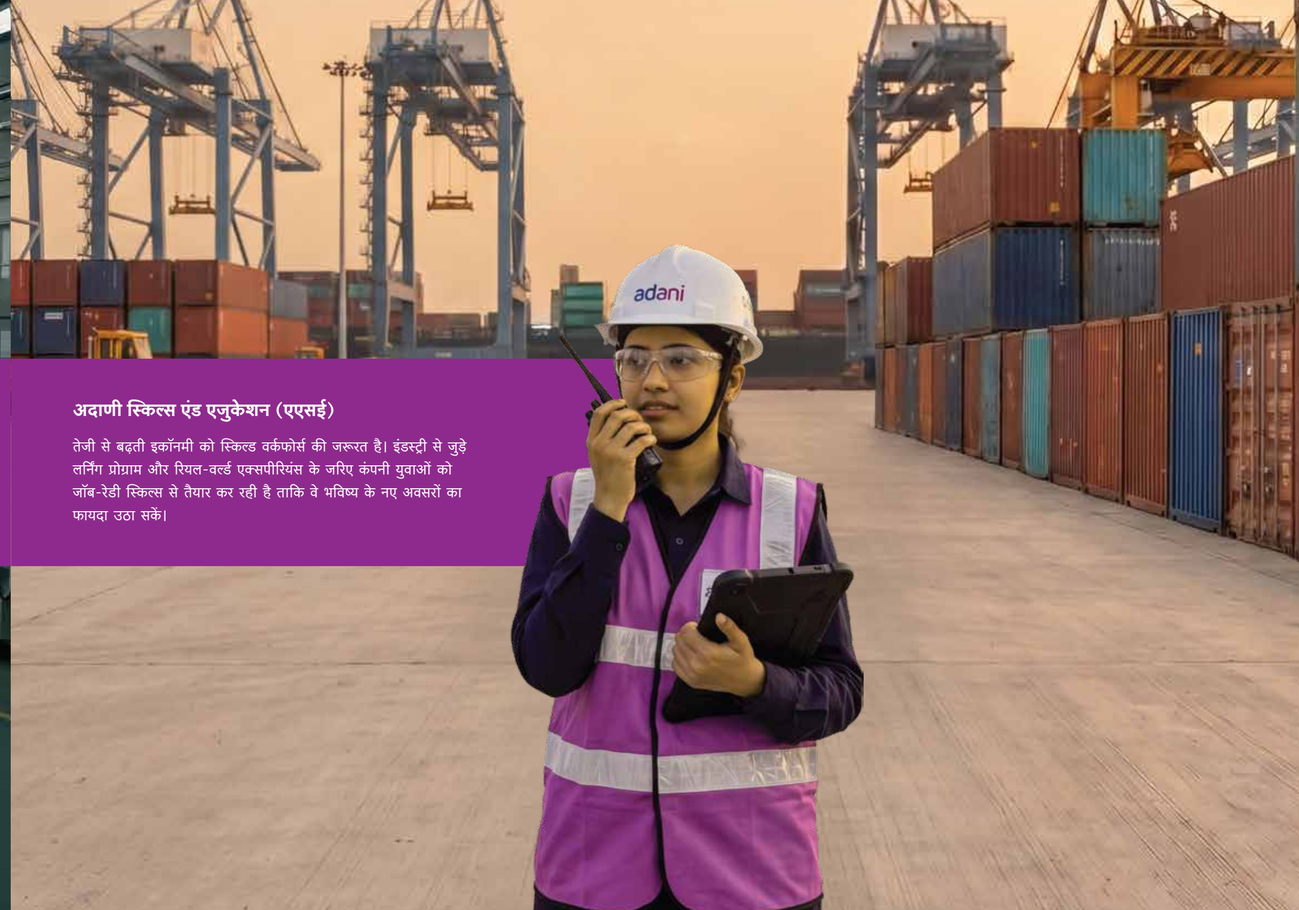
अदाणी स्पोर्ट्सलाइन सिर्फ चैंपियंस तैयार नहीं कर रही, बल्कि एक ऐसा स्पोर्टिंग मूवमेंट बना रही है, जो प्रतिभाओं को अवसर देता है, लोगों को जोड़ता है और अदाणी ग्रुप के बड़े विजन 'नेशन बिल्डिंग' को आगे बढ़ाता है।



हुनर की उड़ान, भविष्य के नाम

अदाणी स्किल्स एंड एजुकेशन (एएसई)

तेजी से बढ़ती इकॉनमी को स्किल्ड वर्कफोर्स की जरूरत है। इंडस्ट्री से जुड़े लर्निंग प्रोग्राम और रियल-वर्ल्ड एक्सपीरियंस के जरिए कंपनी युवाओं को जॉब-रेडी स्किल्स से तैयार कर रही है ताकि वे भविष्य के नए अवसरों का फायदा उठा सकें।





अदाणी स्किल्स एंड एजुकेशन (एएसई)

एएसई, अदाणी ग्रुप का टैलेंट और स्किल डेवलपमेंट की जरूरतों को पूरा करने वाला एक मजबूत प्लेटफॉर्म है। यह बिजनेस की जरूरतों के मुताबिक बड़े स्तर पर स्किल्ड टैलेंट तैयार करता है।

ग्रुप का लक्ष्य लोगों को ऐसे स्किल सेट से लैस करना है, ताकि वे अपना काम पहले दिन से ही अच्छे से कर सकें।

अदाणी ग्रुप का स्किल टू एम्प्लॉय अप्रोच ट्रेनिंग को सीधे रोजगार और काम की जरूरतों से जोड़ता है। इससे इंडस्ट्री के लिए तैयार टैलेंट की एक मजबूत और निरंतर पाइपलाइन बनती है।

हम स्किल कैसे तैयार करते हैं:

1. **सीखते हुए कमाई का अवसर:** 'कर्म शिक्षा' और अप्रेंटिसशिप जैसे मॉडल, जहां सीखने के साथ वास्तविक काम का अनुभव
2. **समग्र क्षमता विकास:** तकनीकी कौशल, व्यवहार, नेतृत्व क्षमता और शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर केंद्रित प्रशिक्षण
3. **वास्तविक कार्य अनुभव:** ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग, सिमुलेशन और वास्तविक कारोबारी परिस्थितियों के माध्यम से व्यावहारिक सीख
4. **विश्वस्तरीय प्रशिक्षण ढांचा:** ग्लोबल स्किल्स अकादमी, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, इंटीग्रेटेड कैंपस और ट्रेन-द-ट्रेनर अकादमी जैसी आधुनिक सुविधाएं
5. **वैश्विक मानकों पर साझेदारी:** अंतरराष्ट्रीय पाठ्यक्रम, सर्टिफिकेशन और विश्वस्तरीय प्रशिक्षण मानकों के अनुरूप सहयोग
6. **मजबूत तकनीकी आधार:** पारदर्शिता, निगरानी और बेहतर प्रदर्शन प्रबंधन के लिए तकनीक का प्रभावी उपयोग

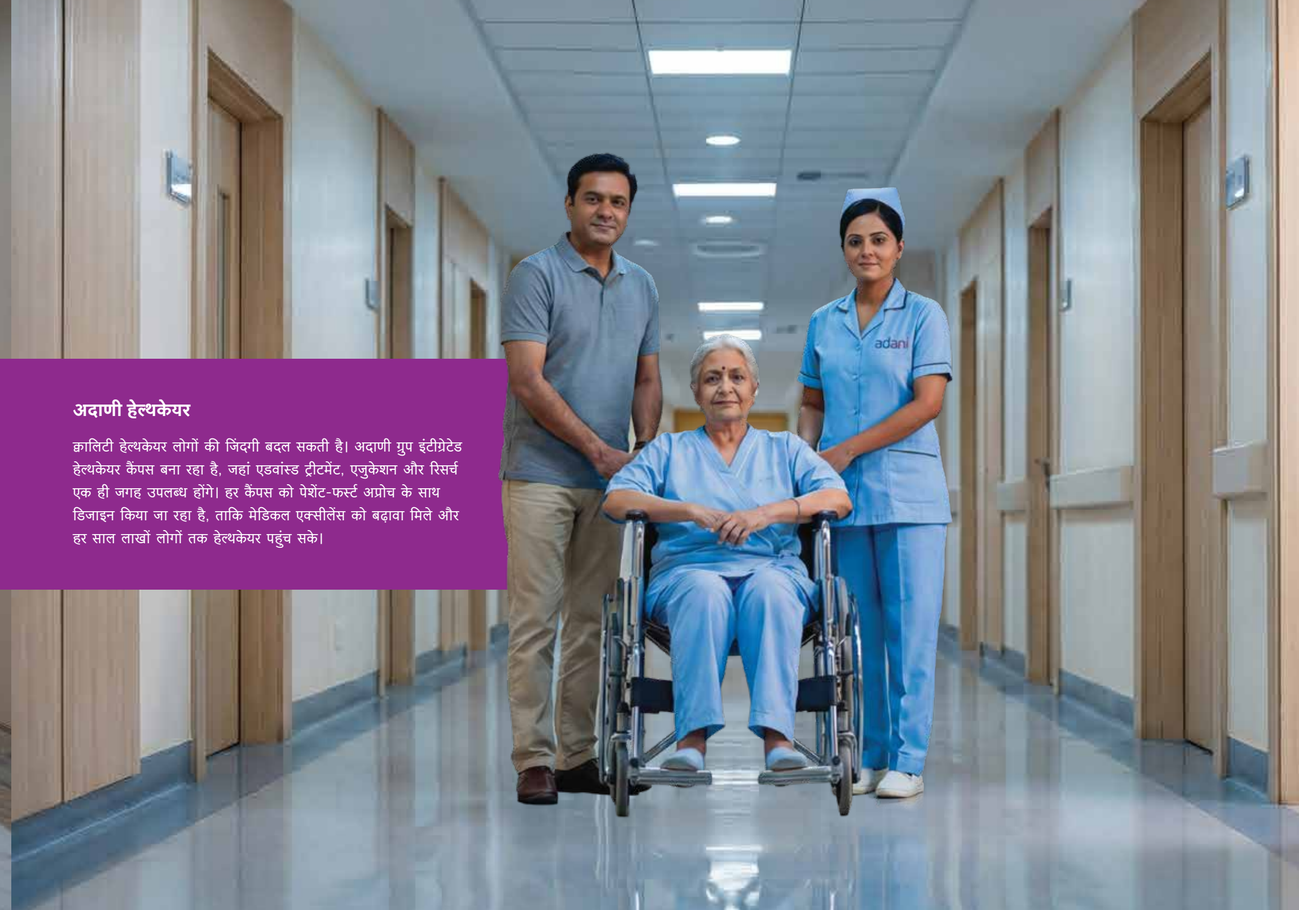
नई वर्कफोर्स: पोर्ट्स और लॉजिस्टिक्स, एनर्जी, माइनिंग, एयरपोर्ट्स और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे प्रमुख क्षेत्रों में ऐसी स्किल्ड वर्कफोर्स तैयार की जा रही है, जो वास्तविक कामकाजी जरूरतों के अनुरूप हो।



स्वस्थ जीवन की नई राह

अदाणी हेल्थकेयर

क्वालिटी हेल्थकेयर लोगों की जिंदगी बदल सकती है। अदाणी ग्रुप इंटीग्रेटेड हेल्थकेयर कैंपस बना रहा है, जहां एडवांस्ड ट्रीटमेंट, एजुकेशन और रिसर्च एक ही जगह उपलब्ध होंगे। हर कैंपस को पेशेंट-फर्स्ट अप्रोच के साथ डिजाइन किया जा रहा है, ताकि मेडिकल एक्सीलेंस को बढ़ावा मिले और हर साल लाखों लोगों तक हेल्थकेयर पहुंच सके।





अदाणी हेल्थकेयर

अदाणी फाउंडेशन की प्रमुख पहल अदाणी आरोग्य मंदिर, भारत में हेल्थकेयर का एक नया इकोसिस्टम बना रही है। 10 शहरों में वर्ल्ड-क्लास इंटीग्रेटेड हेल्थ कैंपस डेवलप किए जा रहे हैं। यहां इलाज, मेडिकल एजुकेशन और एडवांस्ड रिसर्च एक साथ जुड़ेंगे। पेशेंट फर्स्ट अप्रोच अदाणी ग्रुप की सोच के केंद्र में है। ग्रुप मेयो क्लिनिक के साथ भी जुड़ा हुआ है। हेल्थकेयर, एजुकेशन और स्किल डेवलपमेंट के लिए 60,000 करोड़ रुपए की कमिटमेंट है। ग्रुप की कोशिश है कि हर साल ऐसे 10 कैंपस के माध्यम से 1 करोड़ से अधिक लोगों तक फायदा पहुंचाया जाए।

इस इकोसिस्टम में शामिल हैं:

- नागपुर, वर्धा और भुज में 3,500+ बेड वाले टीचिंग हॉस्पिटल्स
- 1,000 बेड वाले मल्टी-सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल्स
- 12,000+ स्टूडेंट्स के लिए मेडिकल और हेल्थ एजुकेशन
- आधुनिक रिसर्च इंफ्रास्ट्रक्चर

अदाणी ग्रुप, तकनीक और फिजिटल केयर के माध्यम से लोगों तक हेल्थकेयर पहुंचा रहा है। प्रिवेंटिव केयर, किफायती इलाज और इनोवेशन के साथ एक ऐसा हेल्थकेयर मॉडल तैयार किया जा रहा है, जो ज्यादा लोगों तक पहुंचे। भारत की पारंपरिक ज्ञान परंपरा को आधुनिक विज्ञान से जोड़ते हुए, अदाणी आरोग्य मंदिर हर भारतीय के लिए संवेदनशील, समावेशी और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप हेल्थकेयर का नया मॉडल तैयार कर रहा है।

सेवा का संकल्प, बदलाव का अहसास

अदाणी फाउंडेशन

लोगों की जिंदगी में सकारात्मक बदलाव लाना अदाणी ग्रुप के हर प्रयास का हिस्सा है। अदाणी फाउंडेशन शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका के क्षेत्र में काम कर रहा है। आज फाउंडेशन की पहुंच 22 राज्यों के 7,247 गांवों और शहरी वार्ड्स में 1.33 करोड़ लोगों तक है। अदाणी फाउंडेशन नए अवसर बनाने और लोगों के जीवन को अच्छा बनाने पर जोर देता है। सेवा की भावना से प्रेरित होकर स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर काम किया जाता है, ताकि विकास के अवसर ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचें और उनके जीवन में लंबे समय तक सकारात्मक बदलाव आए।









अदाणी फाउंडेशन

संवेदना से प्रेरित और प्रतिबद्धता से मजबूत हुई अदाणी ग्रुप की यह यात्रा, लोगों के जीवन में सार्थक बदलाव लाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। अदाणी फाउंडेशन, कम्युनिटीज को नए अवसरों से जोड़ता है, उन्हें सशक्त बनाता है और आत्मनिर्भर बनने की राह आसान करता है। फाउंडेशन का लक्ष्य ऐसा विकास गढ़ना है, जो आज को संवारे और आने वाली पीढ़ियों के लिए भविष्य की नींव रखे।

अदाणी ग्रुप एक ऐसे भविष्य के निर्माण की तरफ अग्रसर है, जहां अवसर सबके लिए हों और विकास सस्टेनेबल हो। हर जीवन उम्मीद, सम्मान और बदलाव की एक नई कहानी कहता है। ऐसी लाखों कहानियां मिलकर एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत की नींव रखती हैं। ग्रुप समान अवसर, संवेदनशीलता और सशक्तिकरण को अपने सामाजिक कामों का आधार मानता है। अदाणी ग्रुप अपने कुल मुनाफे का 2% से अधिक हिस्सा सामाजिक पहलों पर खर्च करता है। इन प्रयासों को अदाणी फाउंडेशन के जरिए आगे बढ़ाया जाता है।

1996 से अदाणी फाउंडेशन समाज में सार्थक बदलाव की दिशा में काम कर रहा है। यह अदाणी ग्रुप की सोशल वेलफेयर और डेवलपमेंट यूनिट है। इसके कार्यक्रम सस्टेनेबिलिटी, डायवर्सिटी और साझा मूल्यों पर आधारित हैं।

समय के साथ अदाणी फाउंडेशन भारत में सामाजिक बदलाव की ताकत बनकर उभरा है। लाइफ-साइकिल अप्रोच और इन्क्लूसिव फ्रेमवर्क के जरिए यह देश के अलग-अलग हिस्सों में लोगों और समुदायों के साथ काम करता है। कोशिश उन जगहों तक बदलाव पहुंचाने की है, जहां इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। आज, अदाणी फाउंडेशन 22 राज्यों के 7,247 गांवों और अर्बन वार्ड में 1.33 करोड़ से अधिक लोगों के जीवन संवार रहा है।

हमारे प्रयास पांच प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित हैं:

- एजुकेशन
- हेल्थ एंड न्यूट्रिशन
- सस्टेनेबल लाइवलीहुड
- क्लाइमेट एक्शन
- कम्युनिटी डेवलपमेंट

इन सभी पहलों को राष्ट्रीय सरोकार और सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के साथ जोड़ा गया है। बच्चे, महिलाएं, युवा और जरूरतमंद समुदाय अदाणी फाउंडेशन की पहल के केंद्र में हैं। फाउंडेशन शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य और आजीविका के अवसरों के जरिए लोगों को आगे बढ़ने और आत्मनिर्भर बनने में मदद करता है। इस काम की बुनियाद है एक सरल सोच, सही अवसर और मजबूत साथ। ये विचार लोगों की जिंदगी बदल सकते हैं। इसी विश्वास के साथ अदाणी फाउंडेशन समुदायों के साथ मिलकर ऐसे बदलाव ला रहा है, जिनका असर लंबे समय तक बना रहे और देश की प्रगति को भी मजबूती मिले।



एजुकेशन

अदाणी फाउंडेशन का विश्वास है कि बेहतर भविष्य की शुरुआत अच्छी शिक्षा से होती है। यहां बच्चों में ज्ञान, तार्किक सोच और आत्मविश्वास विकसित करने पर ध्यान दिया जाता है ताकि वे आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार हों और आगे बढ़ने के बेहतर अवसर पा सकें।

देशभर में 43 स्कूलों के जरिए बच्चों को सरल और संपूर्ण शिक्षा दी जा रही है। व्यक्तिगत मार्गदर्शन, आधुनिक तकनीक और मजबूत साझेदारियों की मदद से सीखने का बेहतर माहौल तैयार किया गया है। अदाणी ग्रुप का उद्देश्य ऐसे जागरूक, संवेदनशील और आत्मविश्वासी युवाओं को तैयार करना है, जो भारतीय मूल्यों से जुड़े रहें और भविष्य का सामना मजबूती से कर सकें।

अदाणी विद्या मंदिर स्कूल (एवीएम): आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को फ्री और क्वालिटी एजुकेशन देने के लिए 4 अदाणी विद्या मंदिर स्कूल संचालित हैं। ये स्कूल अहमदाबाद और भद्रेश्वर (गुजरात), कृष्णापट्टनम (आंध्र प्रदेश) और सरगुजा (छत्तीसगढ़) में हैं। सभी 4 स्कूल नेशनल अक्रेडिटेशन बोर्ड फॉर एजुकेशन एंड ट्रेनिंग (नैबेट) से मान्यता प्राप्त हैं। इन स्कूलों में बच्चों की प्रतिभा को निखारा जाता है। उन्हें आगे बढ़ने और अपने सपनों को पूरा करने के लिए तैयार किया जाता है।

अदाणी स्कूल: मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित 39 अदाणी स्कूल बच्चों के संपूर्ण विकास की दिशा में काम कर रहे हैं। वैल्यू-बेस्ड लर्निंग, एक्सपीरिएंशियल एजुकेशन और स्किल-बिल्डिंग के जरिए बच्चों में नॉलेज और कॉन्फिडेंस विकसित किया जाता है। साथ ही, उन्हें मजबूत नैतिक मूल्यों के साथ एक खुशहाल और सफल करियर के लिए तैयार किया जाता है।

प्रोजेक्ट उत्थान: नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 के अनुरूप, प्रोजेक्ट उत्थान सरकारी प्राइमरी स्कूलों में बच्चों की बेसिक रीडिंग और मैथ्स स्किल्स को मजबूत करता है। इसमें ''ग्रिया विद्यार्थियों'' यानी सीखने और आगे बढ़ने की निरंतर कोशिश करने वाले बच्चों को विशेष सहयोग दिया जाता है। लक्ष्य साफ है: कोई भी बच्चा सीखने की दौड़ में पीछे न छूटे। आज उत्थान 1,200 से अधिक स्कूलों तक पहुंच चुका है। इसमें मुंबई के सभी 947 बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉरपोरेशन (बीएमसी) स्कूल भी शामिल हैं। इसके अलावा, अदाणी ईवनिंग एजुकेशन सेंटर्स जरूरतमंद हाई स्कूल स्टूडेंट को रेमेडियल क्लासेज देते हैं। इसका उद्देश्य बोर्ड एग्जाम के रिजल्ट को बेहतरीन बनाना है। अदाणी कॉम्पिटिटिव कोचिंग सेंटर्स स्टूडेंट्स को स्कॉलरशिप और कॉम्पिटिटिव एग्जाम की तैयारी कराते हैं।

प्रोजेक्ट उड़ान: प्रोजेक्ट उड़ान बच्चों के लिए क्लासरूम से बाहर सीखने का एक अनूठा अनुभव है। इसके तहत छात्रों को अदाणी ग्रुप की आधुनिक सुविधाओं के एक्सपोजर विजिट कराए जाते हैं। इनमें पोर्ट्स, पावर प्लांट्स, ऑयल रिफाइनरीज, सोलर प्लांट्स और एयरपोर्ट्स शामिल हैं। इस पहल का उद्देश्य बच्चों को बड़े बिजनेस ऑपरेशंस को करीब से समझने का अवसर देना है। वे किताबों में पढ़ी बातों को वास्तविक दुनिया में देखकर समझते हैं। ऐसी अब तक 10,000 से अधिक एक्सपोजर विजिट आयोजित हो चुकी हैं। इनके जरिए 5.96 लाख स्टूडेंट को रियल-वर्ल्ड और एक्सपीरिएंशियल लर्निंग का अनुभव मिला है।



हेल्थ एंड न्यूट्रिशन

ग्रामीण इलाकों में हेल्थकेयर की कई जरूरी सुविधाएं आज भी लोगों की पहुंच से दूर हैं। अदाणी फाउंडेशन इस दूरी को कम करने के लिए जमीनी स्तर पर काम कर रहा है। अदाणी ग्रुप की कोशिश उन लोगों तक पहुंचने की है जहां हेल्थकेयर की सबसे ज्यादा जरूरत है। साथ ही, स्थानीय हेल्थ सिस्टम को मजबूत करना और लोगों को स्वस्थ जीवन की ओर ले जाना ही ग्रुप का लक्ष्य है।

मोबाइल हेल्थकेयर यूनिट्स (एमएचसीयू) और हेल्थ कैंप्स के जरिए बुजुर्गों और कम चल-फिर पाने वाले लोगों तक जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं। वहीं, ग्रामीण क्लीनिक्स और हॉस्पिटल्स लंबे समय से हेल्थकेयर की कमी झेल रहे समुदायों को क्वालिटी ट्रीटमेंट उपलब्ध करा रहे हैं।

अदाणी हॉस्पिटल्स: गुजरात में भुज, मुंद्रा और कोडिनार स्थित अदाणी हॉस्पिटल्स जरूरतमंद समुदायों को जरूरी और स्पेशलाइज्ड हेल्थकेयर सेवाएं दे रहे हैं। मुंबई और अहमदाबाद में प्रस्तावित अदाणी हेल्थ सिटी के जरिए अर्बन कम्युनिटीज तक वर्ल्ड-क्लास मेडिकल सर्विसेज पहुंचाने की तैयारी है। महाराष्ट्र के रोहा में प्रस्तावित हॉस्पिटल से सेमी-अर्बन और ग्रामीण आबादी को हेल्थकेयर मिलेगा।

आई केयर प्रोग्राम: समय पर आंखों की जांच और सही इलाज न मिलने से लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हो सकती है। इससे उनकी काम करने और परिवार की देखभाल करने की क्षमता भी प्रभावित होती है। इसे समझते हुए ग्रुप का आई केयर प्रोग्राम गांव और समुदायों के स्तर पर काम करता है। इसमें आंखों की जांच, फ्री चश्मे और जरूरत पड़ने पर आगे के इलाज के लिए रेफरल की सुविधा दी जाती है। स्कूल स्टूडेंट, महिलाओं, सीनियर सिटिजन और ट्रक ड्राइवर पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। यह प्रोग्राम सरकार के नेशनल प्रोग्राम फॉर कंट्रोल ऑफ ब्लाइंडनेस एंड विजुअल इम्पेयरमेंट (एनपीसीबीवीआई) के अनुरूप है।

सुपोषण: सुपोषण एक समुदाय-केंद्रित पहल है। इसका उद्देश्य बच्चों में कुपोषण को कम करना और किशोरियों व महिलाओं के पोषण में सुधार लाना है। इस पहल के तहत गांव की महिला वॉलंटियर्स, जिन्हें सुपोषण संगिनी कहा जाता है, परिवारों को पोषण के बारे में जागरूक करती हैं। वे स्वास्थ्य की निगरानी करती हैं और जरूरत के अनुसार जरूरी पोषण सहायता उपलब्ध कराती हैं। अब तक 90,000 बच्चों को 'कुपोषित' से 'स्वस्थ' कैटेगरी में लाया जा चुका है।



सस्टेनेबल लाइवलीहुड

अदाणी फाउंडेशन का लक्ष्य है कि लोगों की आमदनी स्थायी हो और वो आत्मनिर्भर बनें। इसके लिए खेती, पशुपालन, डेयरी और दूसरे रोजगार से जुड़े क्षेत्रों में काम किया जा रहा है। अदाणी ग्रुप की ऐसी पहल स्थानीय संसाधनों और लोगों की क्षमता को नए अवसरों से जोड़ती है। स्किल ट्रेनिंग, नेचुरल फार्मिंग, पशुपालन, डेयरी डेवलपमेंट और महिलाओं के नेतृत्व वाले बिजनेस को बढ़ावा देकर आय के नए रास्ते तैयार किए जा रहे हैं।

अदाणी सक्षम: अदाणी सक्षम युवाओं को तकनीकी और उद्यमशील स्किल देता है। इसका उद्देश्य उन्हें जॉब-रेडी बनाना और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाना है। ऑनलाइन और ऑफलाइन ट्रेनिंग के जरिए युवाओं को अलग-अलग सेक्टर्स में सीखने के अवसर मिलते हैं। टेक्नोलॉजी आधारित कोर्स उन्हें बदलती जॉब मार्केट की जरूरतों के लिए तैयार करते हैं। 2016 में शुरू हुए सक्षम प्रोग्राम के तहत अब तक 2 लाख से अधिक युवाओं को ट्रेनिंग दी जा चुकी है।

महिला सशक्तिकरण: महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना अदाणी ग्रुप की प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए स्किल-बेस्ड एजुकेशन और ट्रेनिंग के साथ उन्हें अपना काम शुरू करने के अवसर दिए जा रहे हैं। स्वाभिमान जैसी पहल से महिलाओं को छोटे बिजनेस शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। मशरूम की खेती, डेयरी, सिलाई और खेती जैसे कामों से उन्हें आय के नए साधनों से जोड़ा जा रहा है। स्किल ट्रेनिंग, एंटरप्राइज डेवलपमेंट और मार्केट एक्सेस को एक साथ जोड़कर महिलाओं के लिए आर्थिक रूप से मजबूत बनने का रास्ता तैयार किया जा रहा है। एजुकेशन, स्किलिंग और एंटरप्रेन्योरशिप के जरिए अदाणी फाउंडेशन अब तक भारत में 20 लाख से अधिक लड़कियों और महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला चुका है।



खेती पर निर्भर आजीविका: अदाणी फाउंडेशन किसानों की आय बढ़ाने और खेती को अधिक लाभकारी बनाने की दिशा में काम कर रहा है। ड्रिप और लिफ्ट इरिगेशन जैसी पहलें पानी के बेहतर और किफायती इस्तेमाल को बढ़ावा दे रही हैं। इससे कम पानी वाले क्षेत्रों में भी उत्पादकता बढ़ाने और किसानों की आय में सुधार लाने में मदद मिल रही है। सस्टेनेबल एग्रीकल्चर को बढ़ावा देने के लिए क्रॉप रोटेशन, कंपोस्टिंग, ग्रीन मैन्योर और बायोलॉजिकल पेस्ट कंट्रोल जैसी पर्यावरण-अनुकूल तकनीकों को अपनाया जा रहा है। पारंपरिक कृषि ज्ञान और आधुनिक तकनीक के मेल से ऐसी खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है, जो किसानों की आय बढ़ाने के साथ मिट्टी और पर्यावरण की सेहत भी बनाए रखे।

पशुपालन और डेयरी विकास: पशुपालन और डेयरी के जरिए परिवारों की आय बढ़ाने के लिए भी काम किया जा रहा है। इसके तहत पशु नस्ल सुधार, पशु स्वास्थ्य और पौष्टिक चारे की उपलब्धता पर ध्यान दिया जाता है। डेयरी से जुड़े लोगों को बड़े बाजारों से जोड़ा जाता है, जिससे दूध उत्पादन बढ़ाने और आय के नए अवसर मिलते हैं। इससे परिवारों की न केवल आय बढ़ती है, बल्कि परिवारों को नियमित कमाई, आर्थिक स्थिरता और बेहतर भविष्य के अवसर भी हासिल होते हैं। इससे उन्हें गरीबी से बाहर निकलने और आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलती है।

प्रोजेक्ट सथवारो: ये भारत की समृद्ध कला और विरासत को संजोने की एक पहल है। इसके माध्यम से देश के कारीगरों को उनकी कला के लिए सम्मान, पहचान और स्थायी आजीविका के अवसर दिए जा रहे हैं। यह पहल परंपरा को आधुनिक बाजार से जोड़ती है। इससे सदियों पुरानी कला को नए अवसर मिलते हैं। सथवारो का प्रयास है कि ये विरासत सिर्फ संरक्षित न रहे बल्कि नए दौर में भी आगे बढ़े और कारीगरों के लिए सम्मानजनक आजीविका का आधार बने।



क्लाइमेट एक्शन

बदलते क्लाइमेट और इससे जुड़ी बढ़ती चुनौतियों के बीच अदाणी फाउंडेशन सस्टेनेबल डेवलपमेंट के लिए कई स्तरों पर काम कर रहा है। अदाणी ग्रुप का प्रयास पानी बचाने, बायोडायवर्सिटी बढ़ाने और रिन्यूएबल एनर्जी को बढ़ावा देने की दिशा में है। इन प्रयासों का उद्देश्य सिर्फ पर्यावरण की रक्षा के साथ ही ऐसा मजबूत समुदाय तैयार करना है, जो आने वाले समय की चुनौतियों का सामना कर सके। वाटर कंजर्वेशन, ग्रीन स्पेस और क्लीन एनर्जी में निवेश के जरिए अदाणी ग्रुप पर्यावरण की रक्षा के साथ-साथ लोगों के सुरक्षित भविष्य की नींव रख रहा है।

वाटर कंजर्वेशन एंड मैनेजमेंट: अदाणी फाउंडेशन पानी बचाने के लिए सामुदायिक नेतृत्व वाले दृष्टिकोण के साथ काम करता है। पुराने तालाबों को गहरा किया जा रहा है, ताकि उनमें ज्यादा पानी जमा हो सके। बारिश के पानी को सहेजने के लिए रेनवाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर्स बनाए जा रहे हैं। किसानों को ड्रिप इरिगेशन जैसी तकनीकों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इससे पानी की हर बूंद का इस्तेमाल हो सके। इन प्रयासों से अब तक देशभर में 16.5 अरब लीटर से अधिक अतिरिक्त वाटर स्टोरेज कैपेसिटी तैयार की जा चुकी है।

बायोडायवर्सिटी: अदाणी वन कम्युनिटी की भागीदारी से चलने वाली एक फॉरेस्ट मैनेजमेंट पहल है। इसमें आधुनिक तकनीक के जरिए पौधों की बुआई, सिंचाई और निगरानी की जाती है। इसका उद्देश्य नए हरित क्षेत्र विकसित करना और उन्हें लंबे समय तक सुरक्षित रखना है। ये हरित क्षेत्र अब कई तरह की प्रजातियों के लिए सुरक्षित ठिकाने और बायोडायवर्सिटी के गलियारे के रूप में विकसित हो रहे हैं। इस पहल के माध्यम से अब तक देशभर में 23 लाख से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं।



कम्युनिटी डेवलपमेंट

अदाणी फाउंडेशन का लक्ष्य देशभर की कम्युनिटीज के विकास के साथ लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार, उनकी क्षमताओं में वृद्धि और जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है। इस सोच के साथ सतत विकास को अपने काम का अभिन्न हिस्सा बनाकर अदाणी ग्रुप आगे बढ़ रहा है।

फाउंडेशन का प्रयास है कि कम्युनिटीज आत्मनिर्भर बनें और आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहें। इसके लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर भी प्राथमिकता है। इसमें सड़कें, जल संरक्षण से जुड़े सिस्टम और अन्य सामुदायिक सुविधाएं शामिल हैं।

स्पोर्ट्स को अदाणी ग्रुप विकास के एक प्रभावशाली माध्यम के रूप में देखता है। इसके जरिए बच्चों और युवाओं में एकता, अनुशासन और टीम स्पिरिट जैसी खूबियों को बढ़ावा दिया जाता है। समावेशी विकास को आगे बढ़ाने के लिए सरकारी योजनाओं और सुविधाओं को लोगों तक पहुंचाने में भी ग्रुप सहयोग करता है।

संकट के समय भी अदाणी फाउंडेशन कम्युनिटीज के साथ खड़ा रहता है। प्राकृतिक आपदाओं या अचानक आई मुश्किलों के दौरान जरूरतमंद लोगों तक जरूरी सहायता पहुंचाई जाती है, ताकि वे मुश्किल परिस्थितियों से उबरकर आगे बढ़ सकें।

दिव्यांगजन का सशक्तिकरण: अदाणी ग्रुप की एक खास प्राथमिकता दिव्यांग लोगों को आत्मनिर्भर बनाना है। 2014 से 'मंगल सेवा' जैसी पहल से उन्हें स्किल डेवलपमेंट, रोजगार, एजुकेशन और आवश्यक सहायता से जोड़ा जा रहा है। ग्रुप का उद्देश्य उन्हें अधिक आत्मनिर्भर और सम्मान के साथ जीवन जीने में सक्षम बनाना है। मोबिलिटी भी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आईआईटी मद्रास के स्टार्ट-अप नियोमोशन के साथ मिलकर बैटरी से चलने वाले मोबिलिटी डिवाइसेज जैसे इनोवेटिव सॉल्यूशंस को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। इन प्रयासों के जरिए लक्ष्य ये है कि हर व्यक्ति को अवसर, आत्मनिर्भरता और सम्मान के साथ आगे बढ़ने का हक मिले।



अदाणी सेफ्टीवर्स

सुरक्षा हमारी साझा जिम्मेदारी

अदाणी ग्रुप में ऑक्यूपेशनल हेल्थ एंड सेफ्टी (ओएच एंड एस) सिर्फ एक प्राथमिकता नहीं है, बल्कि कोर वैल्यू है। यह हमारे ऑपरेशंस, पॉलिसीज और रोजमर्रा के काम करने के तरीके का हिस्सा है। ये 'कल्चर ऑफ केयर' सिर्फ अदाणी ग्रुप के कर्मचारियों तक सीमित नहीं है। इसमें हमारे एसोसिएट्स, पार्टनर्स, कस्टमर्स और आसपास की कम्युनिटीज भी शामिल हैं। अदाणी ग्रुप का मानना है कि सेफ्टी सबकी जिम्मेदारी है। सुरक्षित माहौल तभी बनता है, जब हर व्यक्ति इसमें अपनी भूमिका निभाए। अदाणी ग्रुप से जुड़े लोग सुरक्षा को केवल नियम के रूप में नहीं, बल्कि अपनी आदत और व्यवहार का हिस्सा बनाते हैं। वे खुद उदाहरण पेश करते हैं, जिसका सकारात्मक असर हमारे भागीदारों, सहयोगियों और समुदायों तक पहुंचता है। इसी सोच को अदाणी सेफ्टीवर्स एक व्यापक रूप देता है। यह बताता है कि सुरक्षा की जिम्मेदारी केवल हमारे अपने कार्यक्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि हमारे प्रभाव से जुड़े हर व्यक्ति और समूह तक पहुंचती है। ग्रुप के लिए सुरक्षा कोई अलग जिम्मेदारी या विभाग नहीं, बल्कि एक साझा सोच और सामूहिक दायित्व है। इसमें हर हितधारक की भागीदारी जरूरी है। यही दृष्टिकोण हमें एक अधिक सुरक्षित भविष्य बनाने और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ाता है।

प्रमुख क्षेत्र

- रिस्क मैनेजमेंट
- पीपल एंड बिहेवियर
- सोर्सिंग एंड बिजनेस पार्टनरिंग
- इंसिडेंट मैनेजमेंट
- परफॉर्मेंस मैनेजमेंट एंड एश्योरेंस
- इनोवेशन

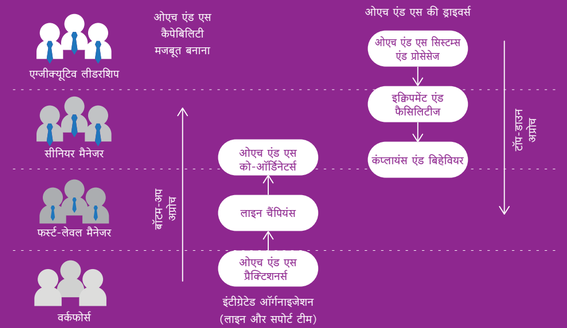


सेफ्टी मैनेजमेंट सिस्टम एंड एश्योरेंस

हमारे ऑक्यूपेशनल हेल्थ एंड सेफ्टी (ओएच एंड एस) मैनेजमेंट का मकसद हर एम्प्लॉईज के लिए सुरक्षित और स्वस्थ वर्कप्लेस तैयार करना है। इसके लिए सेफ्टी को हमारे हर बिजनेस और रोजमर्रा के काम का हिस्सा बनाया गया है। सभी बिजनेस में सुरक्षा के एक समान मानकों को मजबूत करने के लिए एकीकृत ओएच एंड एस मैनेजमेंट सिस्टम को अपनाया गया है। यह व्यवस्था सुरक्षित कार्यस्थल, बेहतर जोखिम प्रबंधन और मजबूत सुरक्षा संस्कृति को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

इस सिस्टम से ये फायदे होते हैं -

- जोखिमों की पहले पहचान और उन्हें कम करने की व्यवस्था
- काम करने के तरीकों में लगातार सुधार
- सेफ्टी एश्योरेंस प्रोग्राम के जरिए सेफ्टी सिस्टम की नियमित जांच
- सेफ्टी परफॉर्मेंस और बदलावों के असर की समीक्षा
- जरूरत के अनुसार सुधार, मजबूत सेफ्टी सिस्टम



टॉप-डाउन और बॉटम-अप सेफ्टी

अदाणी ग्रुप सेफ्टी को अपनी कोर वैल्यू बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसमें लीडरशिप से लेकर हर एम्प्लॉईज की भूमिका होती है। ग्रुप टॉप-डाउन और बॉटम-अप, दोनों अप्रोच को साथ लेकर चलता है। यानी एग्जीक्यूटिव लीडरशिप से लेकर लास्ट-माइल वर्कर तक, हर स्तर पर सेफ्टी की जिम्मेदारी तय है।

टेक्नोलॉजी और इनोवेशन से सुरक्षा

सुरक्षा को पुख्ता करने के उद्देश्य से अदाणी ग्रुप में डिजिटल टेक्नोलॉजी और इनोवेशन का इस्तेमाल किया जा रहा है। ग्रुप का सेफ्टी प्लेटफॉर्म सेफेक्स (SAFEX) अब जेनरेटिव एआई से लैस है। यह सेफ्टी प्रोसेस को आसान और तेज बनाता है। साथ ही, डेटा के आधार पर समय रहते जरूरी कदम उठाने में सहायता करता है। टेक्नोलॉजी-बेस्ड कंट्रोल्स के जरिए रिस्क घटाकर ऑपरेशंस को ज्यादा सुरक्षित और भरोसेमंद बनाया जा रहा है। अदाणी ग्रुप का लक्ष्य हर स्तर पर सुरक्षा का ध्यान रखना और सुरक्षित कार्यस्थल बनाना है।

सेफ्टी अचीवमेंट अवॉर्ड्स

- डीजीएमएस - एनुअल कोल माइन्स सेफ्टी फोर्टनाइट: अदाणी नेचुरल रिसोर्सेज
- ग्रीन टेक फाउंडेशन - ग्रीनटेक ग्लोबल ईएचएस अवॉर्ड्स: अदाणी नेचुरल रिसोर्सेज, एपीएसईजेड
- पीएनजीआरबी एक्सीलेंस अवॉर्ड्स - लीडर इन सेफ्टी, इंटीग्रिटी एंड टेक्निकल एक्सीलेंस: एटीजीएल
- सीआईआई - एसएचई एक्सीलेंस एंड इनोवेशन अवॉर्ड: अदाणी रोड ट्रांसपोर्ट लिमिटेड, एपीएसईजेड
- सीआईआई - ईएचएस एक्सीलेंस गोल्ड अवॉर्ड कम सेक्टर टॉपर एनर्जी एंड यूटिलिटीज: एपीएल
- एनएससीआई - एनएससीआई सेफ्टी रेटिंग सिस्टम में 5 गोल्डन स्टार्स: एपीएल
- एपेक्स इंडिया ऑक्यूपेशनल हेल्थ एंड सेफ्टी अवॉर्ड्स - गोल्ड कैटेगरी अवॉर्ड: एपीएल
- डिपार्टमेंट ऑफ फैक्टरीज एंड बॉयलर्स, कर्नाटक - सेफेस्ट बॉयलर अवॉर्ड: एपीएल
- क्यूसीएफआई - नेशनल सेफ्टी कन्वेंशन गोल्ड अवॉर्ड: एपीएसईजेड
- गोल्डन बर्ड - गोल्डन बर्ड हेल्थ एंड सेफ्टी अवॉर्ड - सेफ्टी एक्सीलेंस एंड बेस्ट प्रैक्टिसेज: एजीईएल
- वर्ल्ड सेफ्टी ऑर्गनाइजेशन - वर्कप्लेस ओएचएसई एक्सीलेंस अवॉर्ड: एजीईएल
- ओएचएसएसएआई फाउंडेशन - ओएचएसएसएआई एनुअल एचएसई एक्सीलेंस एंड ईएसजी ग्लोबल अवॉर्ड्स - सेफ्टी अवॉर्ड: एजीईएल
- सस्टेनेबल डेवलपमेंट इनिशिएटिव्स - एक्सीड ऑक्यूपेशनल हेल्थ सेफ्टी एंड सिक्योरिटी अवॉर्ड्स 2024 - ओएचएस अवॉर्ड - सेफ्टी अवॉर्ड: एजीईएल
- ब्रिटिश सेफ्टी काउंसिल - स्वॉर्ड ऑफ ऑनर: एजीईएल
- ब्रिटिश सेफ्टी काउंसिल - इंटरनेशनल सेफ्टी अवॉर्ड 2024: एपीएसईजेड
- कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री डेवलपमेंट काउंसिल - सीआईडीसी विश्वकर्मा अवॉर्ड्स - अचीवमेंट अवॉर्ड फॉर कंस्ट्रक्शन हेल्थ, सेफ्टी एंड एनवायरनमेंट: एजीईएल
- फायर एंड सेफ्टी फोरम - ग्लोबल सेफ्टी समिट - ग्लोबल सेफ्टी समिट अवॉर्ड्स - ओएचएस अवॉर्ड: एजीईएल
- ओएसएच इंडिया अवॉर्ड 2025 - एक्सीलेंस इन सेफ्टी ट्रेनिंग एंड एजुकेशन: एपीएसईजेड
- ओएसएच इंडिया अवॉर्ड 2025 - एक्सीलेंस इन ऑक्यूपेशनल हेल्थ एंड सेफ्टी मैनेजमेंट सिस्टम: एपीएसईजेड
- गोल्ड फॉर ओएचएसएसएआई सेफ्टी अवॉर्ड - 10वां एनुअल हेल्थ, सेफ्टी, एनवायरनमेंट (एचएसई) एक्सीलेंस एंड ईएसजी ग्लोबल अवॉर्ड्स 2025: एटीजीएल







हमारे लोग, हमारी सबसे बड़ी ताकत

अदाणी ग्रुप के विजन को आगे बढ़ाने की सबसे बड़ी ताकत यहां काम करने वाले लोग हैं। 48,000 से अधिक साथियों की टीम हर दिन ऊर्जा, उत्साह और समर्पण के साथ आगे बढ़ रही है। ग्रुप अपने लोगों को ही अपनी सबसे बड़ी ताकत मानता है। इसलिए उनके विकास में निवेश किया जाता है। उन्हें सीखने, आगे बढ़ने और करियर बनाने के अवसर दिए जाते हैं। ऐसा वर्क कल्चर नई सोच और क्रिएटिविटी को बढ़ावा देता है। यहां हर व्यक्ति अपनी प्रतिभा के साथ आगे बढ़ सकता है। ग्रुप में बदलाव को अवसर की तरह देखा जाता है और भरोसे, कमिटमेंट तथा साहस के साथ हर चुनौती का सामना किया जाता है। टीम की अलग-अलग प्रतिभाएं अच्छे समाधान देती हैं और ग्रुप को तेजी से आगे बढ़ाती हैं। यहां हर किसी का लक्ष्य सिर्फ बिजनेस को आगे बढ़ाना नहीं है, बल्कि अपने पार्टनर्स और स्टेकहोल्डर्स के लिए ऐसे समाधान और अनुभव तैयार करना है, जो उनके लिए वास्तविक और लंबे समय तक टिकने वाली वैल्यू पैदा करें।

हम साथ मिलकर बेहतर बिजनेस बना रहे हैं।

हम साथ मिलकर नया भविष्य तय कर रहे हैं।

हम साथ मिलकर राष्ट्र निर्माण की यात्रा को आगे बढ़ा रहे हैं।



अदाणी ग्रुप
अदाणी कॉरपोरेट हाउस
शांतिग्राम, एस. जी. हाईवे, अहमदाबाद, गुजरात – 382421

/AdaniOnline

www.adani.com